www.shabdawanisamachar.page
राष्ट्रीय हिन्दी समाचार पत्र
RNI NO. DELHI/2003/09049

दैनिक शब्दवाणी समाचार

नई सोच, नई उम्मीद, बेहतर भविष्य, बेहतर भारत

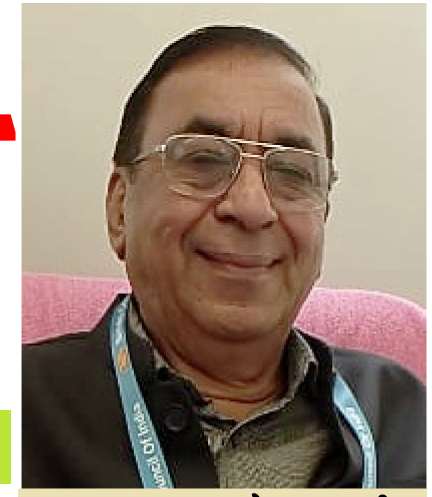

सलाहकार संपादक : अशोक लालवानी

वर्षः 24 अंकः 278 नई दिल्ली, शनिवार , 01 अगस्त, 2026 पृष्ठः संख्या 12 मूल्यः 10 रुपये

Dedicated to Sindhi Council of India

अस्मिता व हर्ष ने जूडो में जीता स्वर्ण

ग्लासगो। भारत की अस्मिता डे और हर्ष सिंह ने शुक्रवार को इतिहास रचते हुए कॉमनवेल्थ गेम्स में क्रमशः महिला और पुरुष वर्ग में स्वर्ण पदक जीत लिए। महिलाओं के 48 किग्रा वर्ग के फाइनल में अस्मिता ने कनाडा की हाइडी क्वाच को युको (2-1) के आधार पर हराकर स्वर्ण पदक अपने नाम किया। हर्ष सिंह 60 किग्रा वर्ग के फाइनल में ऑस्ट्रेलिया के ओलंपियन जोशुआ काट्ज़ को हराकर कॉमनवेल्थ गेम्स गोल्ड मेडल जीतने वाले पहले भारतीय पुरुष जूडोका बने। अस्मिता डे भारत की उभरती हुई जूडो खिलाड़ी हैं, जो त्रिपुरा के दक्षिण त्रिपुरा जिले के बेलोनिया की रहने वाली हैं। साधारण परिवार से आने वाली अस्मिता के पिता साइकिल मैकेनिक हैं। आर्थिक चुनौतियों के बावजूद उन्होंने जूडो में अपना करियर बनाया।

दिल्ली दंगा : अंकित शर्मा हत्याकांड में ताहिर हुसैन समेत पांच दोषियों को उम्रकैद, छह बरी

नई दिल्ली, 31 जुलाई (हि.स.)। दिल्ली की कड़कड़डूमा कोर्ट ने 2020 में दिल्ली दंगों के दौरान आईबी अधिकारी अंकित शर्मा की हत्या के मामले में ताहिर हुसैन समेत पांच लोगों को उम्रकैद की सजा सुनाई है। एडिशनल सेशंस जज प्रवीण सिंह ने इस मामले के छह आरोपियों को बरी करने का भी आदेश दिया। कोर्ट ने दिल्ली पुलिस की उस दलील को खारिज कर दिया कि दोषियों को फांसी की सजा दी जाए। कोर्ट ने कहा कि दोषियों में सुधार की गुंजाइश है।

कोर्ट ने 13 जुलाई को इस मामले में नाजिम, कासिम, अनस और जावेद को दोषी करार दिया था। इसके अलावा हसीन ऊर्फ मुल्लाजी ऊर्फ सलमान, मीर खान, फिरोज, जावेद, गुल्फाम,

शोएब आलम ऊर्फ बॉबी और मुंतजिम ऊर्फ मुसा को बरी करने का आदेश दिया है। दिल्ली पुलिस की क्राइम ब्रांच ने 3 जून, 2020 को इस मामले में चार्जशीट दाखिल की थी। क्राइम ब्रांच की चार्जशीट में कहा गया कि 24 और 25 फरवरी 2020 को ताहिर हुसैन ने अपने घर और चांद बाग पुलिया के पास मस्जिद से भीड़ का नेतृत्व किया और उसे सांप्रदायिक रुप दिया। चार्जशीट में कहा गया था कि अंकित शर्मा हत्या के लिए साजिश रची गई थी। अंकित शर्मा को ताहिर हुसैन के नेतृत्व में भीड़ ने खास रुप से टारगेट किया। खजूरी खास इलाके में ताहिर हुसैन के घर के बाहर वारदात हुई। शर्मा की हत्या के बाद भीड़ ने एक नाले में लाश फेंक दी।

पुलिस के मुताबिक कुछ लोग लाश नाले में फेंक रहे थे। अंकित शर्मा के पोस्टमार्टम रिपोर्ट में डॉक्टरों ने पाया था कि तेज धार वाले हथियार से 51 वार के निशान हैं। ताहिर ने ही चांद बाग इलाके में भीड़ को उकसाया। चार्जशीट में ताहिर हुसैन को मास्टरमाइंड बताया गया है।

दिल्ली पुलिस ने अंकित के पिता के बयान पर ताहिर हुसैन के खिलाफ केस दर्ज किया है। ताहिर हुसैन के खिलाफ भारतीय दंड संहिता की धारा 302, 365, 201 और धारा 34 के तहत एफआईआर दर्ज की गई है।

उसके छत से काफी मात्रा में हिंसा में इस्तेमाल किए गए सामान बरामद किए गए। फरवरी, 2020 में उत्तर-पूर्वी दिल्ली में हुए दंगों में 53 लोग मारे गए थे और करीब दो सौ लोग घायल हो गए थे।

मुस्लिम समुदाय में बहुविवाह पर रोक लगाने की मांग, सुप्रीम कोर्ट का केंद्र को नोटिस

नई दिल्ली, 31 जुलाई (हि.स.)। सुप्रीम कोर्ट ने मुस्लिम समुदाय में बहुविवाह प्रथा को समाप्त करने और इसे असंवैधानिक करार देने की मांग करने वाली याचिका पर सुनवाई करते हुए केंद्र सरकार को नोटिस जारी किया है। चीफ जस्टिस सूर्यकांत की अध्यक्षता वाली बेंच ने नोटिस जारी करने का आदेश दिया। सामाजिक कार्यकर्ता जकिया सोमन ने दायर याचिका में मुस्लिम समुदाय में बहुविवाह को असंवैधानिक घोषित करने, सभी धर्मों के लिए बहुविवाह से जुड़े कानून को समान रुप से लागू करने और मुस्लिम पर्सनल लॉ में सुधार की मांग की है।

जंतर-मंतर घटना पर बोले प्रधानमंत्री मोदी

भटके युवाओं को सजा नहीं, सही राह दिखाना हमारा कर्तव्य

नई दिल्ली, 31 जुलाई (हि.स.)। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने जंतर-मंतर की घटना पर प्रतिक्रिया देते हुए कहा कि गाली-गलौच और अभद्र भाषा किसी भी समस्या का समाधान नहीं हो सकती। उन्होंने कहा कि जो युवा भटक गए हैं, उन्हें दंडित करने के बजाय सही मार्ग दिखाने की आवश्यकता है और समाज को उन्हें साथ लेकर चलना चाहिए। प्रधानमंत्री ने शुक्रवार को सोशल मीडिया मंच इंस्टाग्राम पर एक वीडियो साझा करते हुए लिखा, गाली-गलौच से कभी किसी समस्या का समाधान नहीं होता। आइए, भटके हुए बच्चों का मार्गदर्शन करें। आइए, मिलकर काम करें। आइए, भारत के लिए काम करें। वीडियो संदेश में प्रधानमंत्री ने कहा कि जंतर-मंतर पर जो कुछ हुआ, उसे पूरे देश और दुनिया ने देखा। कुछ शरारती बच्चों ने अशोभनीय और अभद्र भाषा का इस्तेमाल किया, जो किसी भी सभ्य समाज के अनुरूप नहीं है। उन्होंने कहा कि न केवल उनका,

बल्कि उनकी दिवंगत माता के बारे में भी अपमानजनक टिप्पणियां की गईं, जो बेहद दुर्भाग्यपूर्ण और पीड़ादायक थीं। प्रधानमंत्री ने कहा कि बचपन में गलतियां हो सकती हैं और उनसे सुधारने का अवसर भी होता है। उन्होंने कहा कि समाज में इस घटना को लेकर स्वाभाविक आक्रोश है और यह सांस्कृतिक रूप से भी लोगों के लिए झटका है। हमारी बेटियां इस प्रकार की भाषा कैसे बोल सकती है। हालांकि, अब समय इन बच्चों को अपनाने और उन्हें सही दिशा दिखाने का है। उन्होंने कहा कि ये गुमराह बच्चे हैं और उन्हें सही मार्ग पर लाना समाज का दायित्व है। उन्होंने कहा कि केवल सजा देना, अदालतों के चक्कर लगवाना या सामाजिक रूप से प्रताड़ित करना समस्या का समाधान नहीं है। मोदी ने कहा, मैं उन्हें माफ करना चाहता हूं। समाज भी मेरी इस बात को स्वीकार करे क्योंकि मेरे मन में एक ही भाव है। कभी-कभी दांतों तले हमारी जीभ आ जाती है खून निकल आता है लेकिन हम दांत तोड़ते नहीं हैं क्योंकि दांत भी हमारे हैं और जीभ भी हमारी है बच्चे भी हमारे हैं उन्हें राह दिखाना हमारा काम है।

सार संक्षेप

पीओजेके में प्रदर्शनकारियों पर कार्रवाई निंदनीय : एमईए

नई दिल्ली। भारत ने शुक्रवार को पाक के कब्जे वाले जम्मू-कश्मीर (पीओजेके) में शांतिपूर्ण प्रदर्शन कर रहे लोगों पर पाकिस्तान की ओर से की जा रही कार्रवाई की कड़ी आलोचना की और अंतरराष्ट्रीय समुदाय से पाकिस्तान की गतिविधियों की जांच करने तथा उसे इन अत्याचारों के लिए जवाबदेह ठहराने की अपील की। विदेश मंत्रालय (एमईए) की नियमित प्रेस ब्रीफिंग में प्रवक्ता रणधीर जायसवाल ने यह अपील की।

प्रधानमंत्री ने ठाणे में जानमाल की हानि पर दुख जताया

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी ने महाराष्ट्र के ठाणे के भिवंडी में चार मंजिला इमारत के एक हिस्सा के ढ़हने से हुई जानमाल की हानि पर गहरा दुख व्यक्त करते हुए शोक-संतप्त परिवारों के प्रति अपनी संवेदना व्यक्त की हैं। उन्होंने प्रधानमंत्री राष्ट्रीय राहत कोष से प्रत्येक मृतक के परिजनों को 2 लाख रुपए की अनुग्रह राशि और घायलों को 50,000 रुपए दिए जाने की घोषणा की।

2011 से अलग रह रहे उमर अब्दुल्ला-पायल का तलाक

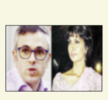

नई दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट ने शुक्रवार को जम्मू-कश्मीर के मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला और उनकी पत्नी पायल को तलाक की मंजूरी दे दी है। उनकी शादी 32 साल पहले हुई थी। दोनों 2011 से अलग रह रहे थे। दोनों ने कोर्ट को बताया कि आपसी सहमति से अपनी शादी खत्म करने और सभी विवादों को सुलझाने का फैसला किया है।

पुलिस की नहीं, हमारे परिवार की पीड़ा भी सुनी जाए, संसद मार्च में घायल जवानों के परिजनों का दर्द छलका

नई दिल्ली, 31 जुलाई (हि.स.)। जंतर-मंतर से 20 जुलाई को निकले संसद चलो मार्च के दौरान हुई हिंसा में घायल पुलिसकर्मियों के परिजन पहली बार खुलकर सामने आए। शुक्रवार को कॉन्स्टिट्यूशन क्लब ऑफ इंडिया में आयोजित प्रेस वार्ता में उन्होंने कहा कि अब तक पूरे घटनाक्रम में पुलिस पर लगाए गए आरोपों और प्रदर्शनकारियों की चोटों की चर्चा हुई, लेकिन ड्यूटी के दौरान घायल हुए पुलिसकर्मियों और उनके परिवारों के दर्द पर किसी ने बात नहीं की। प्रेस वार्ता में एसीपी की पत्नी उपनीत कौर, एएसआई की पत्नी सीमा, दिल्ली यूनिवर्सिटी की छात्रा कुंजल और घायल एसीपी के बेटे लक्ष्य सिंह बिष्ट ने अपने अनुभव साझा किए। इस दौरान एक वीडियो प्रस्तुति भी दिखाई गई, जिसमें दावा किया गया कि हिंसा में 250 से अधिक पुलिसकर्मी घायल हुए। परिजनों के अनुसार, 110 से ज्यादा बैरिकेड, 300 बॉडी प्रोटेक्टर, 350 हेलमेट, 20 लाउडहेलर, 10 हैंड-हेल्ड मेटल डिटेक्टर, एक एक्स-रे बैगेज स्कैनर तथा 25 से अधिक सरकारी वाहन और अन्य संपत्तियां क्षतिग्रस्त हुईं।

एसीपी की पत्नी उपनीत कौर ने बताया कि उनके पति संसद की सुरक्षा में तैनात थे। देर रात जब वह घायल अवस्था में घर लौटे तो पूरा परिवार दहशत में आ गया। उन्होंने कहा कि पुलिस लगातार भीड़ से शांति बनाए रखने की अपील कर रही थी, लेकिन इसके बावजूद पुलिसकर्मियों पर पत्थर, बोतलें, चप्पल और अन्य सामान फेंके गए। उनके पति का सुरक्षा हेलमेट पूरी तरह टूट गया। उपनीत ने कहा, हर वर्दी के पीछे सिर्फ एक पुलिस अधिकारी नहीं, बल्कि उसका पूरा परिवार होता है। अगर हेलमेट के बाद एक और पत्थर लगता तो शायद मेरे पति आज जिंदा नहीं होते।

एएसआई की पत्नी सीमा ने बताया कि उनके पति 33 वर्ष पहले कांस्टेबल के रूप में दिल्ली पुलिस में भर्ती हुए थे। 20 जुलाई को उन्होंने फोन कर बताया था कि जंतर-मंतर पर भीड़ बढ़ रही है और संसद मार्च की तैयारी है। कुछ देर बाद सूचना मिली कि उन्हें घायल अवस्था में एलएनजेपी अस्पताल ले जाया गया है। सीमा ने कहा कि उनके पति ने बताया था कि भीड़ में शामिल कुछ लोगों ने पत्थरों, गमलों, चप्पलों और जूतों से हमला किया। रात 11 बजे जब वह घर लौटे तो उनका हेलमेट टूटा हुआ था।

मंत्री दीपक प्रकाश के लिए भाजपा एमएलसी का इस्तीफा

उपेंद्र कुशवाहा सीएम सम्राट से मिलने उनके आवास पहुंचे

पटना (एजेंसी)। भाजपा एमएलसी देवेश कुमार ने शुक्रवार को अपना इस्तीफा दे दिया। राजनीतिक गलियारे में चर्चा है कि दीपक प्रकाश के मंत्री बने रहने के लिए पार्टी ने उनका इस्तीफा दिलवाया है। अब इस सीट पर चुनाव होगा, जिस पर दीपक प्रकाश उम्मीदवार होंगे।

देवेश कुमार के इस्तीफ के लिए भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष संजय सरावगी, सभापति अवधेश नारायण सिंह और अन्य भाजपा नेता विधान परिषद पहुंचे। इसके बाद संजय सरावगी ने देवेश कुमार का इस्तीफा सभापति को सौंपा। इस दौरान देवेश कुमार उनके साथ मौजूद थे।

हालांकि वो पीछे के दरवाजे से गए और उधर से ही निकल गए। इधर, देवेश कुमार के इस्तीफे के बाद दीपक प्रकाश के पिता उपेंद्र कुशवाहा मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी से मिलने उनके

आवास पहुंचे। बता दें 15 अप्रैल 2026 को नीतीश कुमार के इस्तीफा देने के साथ सरकार समाप्त हो गई। दीपक का मंत्री पद भी खत्म हो गया। इसके बाद करीब 22 दिनों तक वह मंत्री नहीं रहे। 7 मई को मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी के नेतृत्व में नई सरकार बनने पर दीपक प्रकाश को दोबारा मंत्री पद की शपथ दिलाई गई, जबकि तब भी वे विधानसभा या विधान परिषद के सदस्य नहीं थे। इसी को लेकर विवाद चल रहा है। जबकि देवेश कुमार 17 मार्च 2021 को राज्यपाल मनोनीत कोटे से एमएलसी बने थे। अगले साल मार्च तक उनका कार्यकाल भी पूरा हो रहा है। इधर, गुरुवार को सुप्रीम कोर्ट ने दीपक प्रकाश से जुड़ी याचिका पर सुनवाई करते हुए कहा था- मंत्री दीपक प्रकाश न तो विधानसभा के सदस्य हैं और ना ही विधान परिषद के, लेकिन वो मंत्री के पद पर हैं।

नियमानुसार, मंत्री बने रहने के लिए शपथ लेने के 6 महीने के अंदर विधानमंडल या विधानपरिषद की सदस्यता लेना जरूरी होता है।

एथेनॉल मिश्रित पेट्रोल पर सरकार का दावा

एथेनॉल नहीं होता तो 125 रुपए लीटर पहुंच जाता पेट्रोल

नई दिल्ली, 31 जुलाई (एजेंसियां)। केंद्र सरकार ने शुक्रवार को कहा कि मध्य पूर्व तनाव के समय बिना एथेनॉल मिश्रण के पेट्रोल की कीमत 125 रुपए प्रति लीटर तक पहुंच सकती थी। साथ ही, कहा कि इससे ग्राहकों को 30 रुपए प्रति लीटर तक की बचत करने में मदद मिली है। पेट्रोलियम और प्राकृतिक गैस मंत्रालय के अनुसार, जब संकट के दौरान भारतीय क्रूड बास्केट की कीमत लगभग 135 डॉलर प्रति बैरल तक पहुंच गई थी, तो अनुमान लगाया गया था कि राष्ट्रीय राजधानी में बिना एथेनॉल मिश्रित पेट्रोल की खुदरा कीमत लगभग 125 रुपए प्रति लीटर तक पहुंच सकती थी। हालांकि, उपभोक्ताओं ने 94.77 रुपए

■ 30 रुपए प्रति लीटर तक की बचत करने में मदद मिली

प्रति लीटर का भुगतान किया क्योंकि हर लीटर में 20 प्रतिशत हिस्सा देश में बने एथेनॉल का था, जिसे पहले से तय स्थिर कीमतों पर खरीदा गया था। मंत्रालय ने कहा कि इस बचत से पता चलता है कि एथेनॉल ब्लेंडिंग भारत की एनर्जी सिक्योरिटी को मजबूत करने में कितनी अहम भूमिका निभाती है।

कच्चे तेल के आयात को कम करने में मदद मिली

एथेनॉल ब्लेंडेड पेट्रोल प्रोग्राम ने कच्चे तेल के आयात को कम करके भारत को विदेशी मुद्रा में 1.97 लाख करोड़ रुपए से अधिक की बचत करने में मदद की है, साथ ही 950 लाख मीट्रिक टन से अधिक कार्बन डाइऑक्साइड उत्सर्जन को भी कम किया है। इससे किसानों और डिस्टिलर्स को 1.66 लाख करोड़ रुपए से अधिक का भुगतान भी हुआ है, जिससे कृषि उत्पादों के लिए एक स्थिर घरेलू बाज़ार बना है। एथेनॉल ब्लेंडिंग का मकसद आयातित कच्चे तेल पर भारत की निर्भरता को कम करना है।

भाजपा प्रवक्ता शाहजाद पूनावाला ने दिया इस्तीफा, व्यक्तिगत कारणों का हवाला

नई दिल्ली, 31 जुलाई (हि.स.)। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के राष्ट्रीय प्रवक्ता शाहजाद पूनावाला ने पार्टी की प्राथमिक सदस्यता से इस्तीफा दे दिया है। उन्होंने अपने इस्तीफे की वजह व्यक्तिगत कारण बताई है। फिलहाल पार्टी की ओर से उनके इस्तीफे पर कोई आधिकारिक प्रतिक्रिया नहीं आई है। शाहजाद पूनावाला भारतीय राजनीति का जाना-पहचाना चेहरा रहे हैं। वह पहले कांग्रेस पार्टी में थे। वर्ष 2017 में उन्होंने कांग्रेस अध्यक्ष पद के चुनाव की प्रक्रिया पर सवाल उठाए थे। उस समय उनका आरोप था कि राहुल गांधी के सामने किसी दूसरे उम्मीदवार को चुनाव लड़ने का वास्तविक अवसर नहीं दिया जा रहा है और चुनाव प्रक्रिया पहले से तय है। इसके बाद उन्होंने कांग्रेस छोड़ दी थी।

कांग्रेस से अलग होने के बाद शाहजाद पूनावाला भाजपा में शामिल हुए और पार्टी के राष्ट्रीय प्रवक्ता के रूप में विभिन्न राजनीतिक और समसामयिक मुद्दों पर पार्टी का पक्ष प्रमुखता से रखते रहे। टीवी बहसों और प्रेस कॉन्फ्रेंस में वह भाजपा के प्रमुख चेहरों में शामिल रहे हैं।

स्पेन में घुसने की कोशिश में 41 लोगों की मौत

मैड्रिड, 31 जुलाई (एजेंसियां)। मोरक्को की सीमा पार कर लगभग 50,000 प्रवासियों के स्पेन के स्यूटा क्षेत्र में घुसने के प्रयास के दौरान कम से कम 41 लोगों की मौत हो गई, जबकि कई लोग घायल हुए हैं।

यह हादसा बड़ी संख्या में प्रवासियों के पहुंचने और बाड़ पार करते समय हुई भगदड़ के कारण हुआ। हालात बेकाबू होते देख स्पेन सरकार ने सुरक्षा

■ मोरक्को से लगभग 50 हजार लोग पहुंचे

व्यवस्था सख्त कर दी है और स्यूटा में अतिरिक्त सैनिकों तथा पुलिस बल को तैनात कर दिया है। स्यूटा के नेता जुआन जीसस विवाज़ और स्थानीय अधिकारियों ने इसे गंभीर मानवीय संकट करार दिया है।

साधु वेश में संसद परिसर में प्रदर्शन पर संत समिति और विहिप का कड़ा विरोध, कार्रवाई की मांग

नई दिल्ली, 31 जुलाई (ब्यूरो)। संसद परिसर में विपक्षी सांसदों द्वारा अयोध्या राम मंदिर में चढ़ावे की कथित अनियमितताओं को लेकर किए गए प्रदर्शन के दौरान निर्दलीय सांसद पप्पू यादव के साधु वेश धारण करने पर अखिल भारतीय संत समिति और विश्व हिंदू परिषद (विहिप) ने तीखी आपत्ति जताते हुए इसे सनातन धर्म, साधु-संतों और हिंदू समाज की धार्मिक भावनाओं का अपमान बताया है। दोनों संगठनों ने इस मामले में लोकसभा अध्यक्ष से कड़ी कार्रवाई की मांग की है।

अखिल भारतीय संत समिति के राष्ट्रीय महामंत्री स्वामी जितेंद्रानंद सरस्वती ने कहा कि संसद जैसे पवित्र परिसर में भगवा वस्त्र धारण कर राजनीतिक प्रदर्शन करना साधु-संतों की तपस्या और सनातन परंपरा का अपमान है। उन्होंने राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु और लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला से पप्पू यादव की संसद सदस्यता समाप्त करने की मांग करते हुए कहा कि उन्हें देश के हिंदू समाज से बिना शर्त माफी मांगनी चाहिए।

स्वामी जितेंद्रानंद ने आरोप लगाया कि इस पूरे घटनाक्रम को कांग्रेस नेतृत्व का समर्थन प्राप्त है। उन्होंने कहा कि राजनीतिक मतभेद अपनी जगह हैं, लेकिन उनकी आड़ में सनातन धर्म और साधु-संतों की गरिमा को ठेस पहुंचाना स्वीकार्य नहीं है। उन्होंने चेतावनी दी कि देशभर के साधु-संत सनातन विरोधी गतिविधियों के खिलाफ एकजुट हैं और आस्था के अपमान को बर्दाश्त नहीं करेंगे।

उधर, विश्व हिंदू परिषद के अंतरराष्ट्रीय संयुक्त महासचिव डॉ. सुरेंद्र जैन ने भी संसद परिसर में संत वेश धारण कर किए गए प्रदर्शन की कड़ी निंदा की। उन्होंने कहा कि यह कृत्य संपूर्ण हिंदू समाज की धार्मिक भावनाओं का सीधा अपमान है। उनका आरोप था कि विपक्षी नेताओं ने धार्मिक प्रतीकों का राजनीतिक उद्देश्य से दुरुपयोग किया है।

डॉ. जैन ने कहा कि जिस प्रकार रावण ने छल के लिए साधु का वेश धारण किया था, उसी प्रकार धार्मिक प्रतीकों का इस तरह इस्तेमाल अनुचित है। उन्होंने विपक्षी दलों पर हिंदू आस्थाओं को लगातार निशाना बनाने का आरोप लगाया और कहा कि यदि किसी अन्य धर्म के प्रतीकों के साथ ऐसा व्यवहार किया जाता तो देशभर में तीखी प्रतिक्रिया होती। विहिप ने लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला से संबंधित सांसदों के खिलाफ अनुशासनात्मक कार्रवाई की मांग करते हुए संकेत दिया कि संगठन इस मामले में कानूनी कदम उठाने पर भी विचार कर रहा है। संगठन ने चेतावनी दी कि यदि ऐसे मामलों पर समय रहते रोक नहीं लगी तो साधु-संतों और हिंदू समाज का व्यापक विरोध देखने को मिल सकता है।

गौरतलब है कि संसद के मानसून सत्र के दौरान विपक्षी दलों ने अयोध्या राम मंदिर में चढ़ावे की कथित अनियमितताओं को लेकर संसद परिसर में प्रदर्शन किया था। इसी दौरान निर्दलीय सांसद पप्पू यादव साधु वेश में प्रदर्शन करते नजर आए, जिसके बाद यह विवाद खड़ा हो गया।

संक्षिप्त समाचार

संत समाज के सम्मान में 1 अगस्त को जंतर-मंतर पर होगा सद्बुद्धि हवन

नई दिल्ली (दिव्य भारत ब्यूरो)। संसद परिसर के बाहरी क्षेत्र में राम मंदिर चोरी प्रकरण को लेकर कुछ विपक्षी सांसदों द्वारा संतों के वेश में प्रस्तुत की गई लघु नाटिका के विरोध में विश्व हिन्दू परिषद (विहिप), इंद्रप्रस्थ प्रांत, दिल्ली ने 1 अगस्त को नई दिल्ली के जंतर-मंतर पर सद्बुद्धि हवन आयोजित करने की घोषणा की है। विहिप के अनुसार, भारत की सनातन परंपरा में संत समाज सदैव श्रद्धा और सम्मान का केंद्र रहा है। संगठन का कहना है कि राजनीतिक विरोध के लिए संतों के स्वरूप का उपयोग करना संत समाज की गरिमा को ठेस पहुंचाने वाला और दुर्भाग्यपूर्ण है। इसी के विरोध में पूजनीय संतों के नेतृत्व में 1 अगस्त 2026 (शनिवार) को दोपहर 12 बजे जंतर-मंतर पर वैदिक परंपरा के अनुसार सद्बुद्धि हवन का आयोजन किया जाएगा। संगठन के अनुसार, हवन के माध्यम से उन लोगों के लिए सद्बुद्धि और विवेक की प्रार्थना की जाएगी, जिन्होंने संत समाज के प्रति अशोभनीय आचरण किया है। विश्व हिन्दू परिषद ने कहा कि कार्यक्रम पूरी तरह शांतिपूर्ण, वैदिक परंपरा के अनुरूप और सामाजिक सद्भाव की भावना के साथ आयोजित किया जाएगा। संगठन ने सभी श्रद्धालुओं, धर्मप्रेमी नागरिकों और मीडिया प्रतिनिधियों से कार्यक्रम में उपस्थित होकर संत समाज के सम्मान के समर्थन में अपनी सहभागिता सुनिश्चित करने की अपील की है।

संसद मार्च हिंसा के आरोपियों पर एनएसए लगाने की मांग, जंतर-मंतर पर यूनाइटेड हिंदू फ्रंट का प्रदर्शन

नई दिल्ली (दिव्य भारत ब्यूरो)। यूनाइटेड हिंदू फ्रंट और राष्ट्रवादी शिवसेना ने गुरुवार को जंतर-मंतर पर प्रदर्शन कर संसद मार्च के दौरान हुई हिंसा के लिए जिम्मेदार लोगों के खिलाफ राष्ट्रीय सुरक्षा अधिनियम (एनएसए) सहित कड़ी कानूनी कार्रवाई की मांग की। संगठन ने इस संबंध में राष्ट्रपति, प्रधानमंत्री, केंद्रीय गृहमंत्री, दिल्ली के उपराज्यपाल और पुलिस आयुक्त को ज्ञापन भी भेजा। प्रदर्शन को संबोधित करते हुए यूनाइटेड हिंदू फ्रंट के अंतरराष्ट्रीय कार्यकारी अध्यक्ष एवं राष्ट्रवादी शिवसेना के राष्ट्रीय अध्यक्ष जय भगवान गोयल ने आरोप लगाया कि संसद मार्च के दौरान हुई हिंसक घटनाएं सुनियोजित थीं और उनका उद्देश्य देश में अस्थिरता पैदा करना था। उन्होंने मांग की कि हिंसा में शामिल असामाजिक तत्वों के विरुद्ध राष्ट्रद्रोह समेत कठोर धाराओं में मुकदमा दर्ज कर एनएसए के तहत कार्रवाई की जाए। जय भगवान गोयल ने कहा कि संसद मार्च के दौरान पुलिसकर्मियों और मीडिया कर्मियों पर हमले किए गए तथा कानून-व्यवस्था बिगाड़ने का प्रयास किया गया। उन्होंने दावा किया कि सुरक्षा बलों ने संयम बरतते हुए स्थिति को नियंत्रित किया और संसद की सुरक्षा सुनिश्चित की। उन्होंने यह भी कहा कि यूनाइटेड हिंदू फ्रंट का विधिक प्रकोष्ठ इस मामले में पुलिस और मीडिया कर्मियों के समर्थन में कानूनी लड़ाई लड़ेगा। प्रदर्शन में धर्मेंद्र बेदी, सुबोध बिहारी, दीपक बंसल, दिनेश जिंदल, विपिन पूरन सिंह, अजय कुमार, राजेश बहुत, पूनम, केश प्रसाद मिश्रा, आलोक तिवारी, मुकेश गुप्ता, देवेंद्र सिंह अन्ना, अमित सैनी, आजाद कौशिक, संतोष कुशवाहा, मंजू बिष्ट, सुमित मोगा, सीमा तिवारी, मीनू वशिष्ठ, सुरेंद्र चौधरी, राम अवतार सिंगल, राजकुमार गर्ग, बॉबी वर्मा, एडवोकेट आकाश सक्सेना और एडवोकेट ज्योति वशिष्ठ सहित संगठन के अन्य पदाधिकारी एवं कार्यकर्ता मौजूद रहे।

प्रेमचंद जयंती पर राजधानी कॉलेज में व्याख्यान एवं प्रदर्शनी का आयोजन

नई दिल्ली, 31 जुलाई (दिव्य भारत ब्यूरो)। राजधानी कॉलेज में हिंदी साहित्य परिषद् के तत्वावधान में कथा सम्राट मुंशी प्रेमचंद की 146वीं जयंती के अवसर पर प्रेमचंद का प्रदेय विषय पर एकल व्याख्यान एवं प्रदर्शनी का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में बड़ी संख्या में छात्र-छात्राओं, शोधार्थियों और शिक्षकों ने भाग लिया। कार्यक्रम का शुभारंभ कॉलेज के प्राचार्य प्रो. दर्शन पांडेय ने दीप प्रज्ज्वलित कर किया। अपने स्वागत भाषण में उन्होंने कहा कि प्रेमचंद हिंदी साहित्य के ऐसे रचनाकार हैं, जो आज भी पाठकों के बीच जीवंत हैं। उन्होंने कहा कि यदि स्वतंत्रता आंदोलन से जुड़े दस्तावेज नष्ट भी हो जाएं, तब भी प्रेमचंद का साहित्य उस दौर के इतिहास को जीवित रखेगा। इस अवसर पर उन्होंने कवि आनंद प्रकाश त्रिपाठी की प्रेमचंद को समर्पित कविता ओ प्रेमचंद का पाठ भी किया। मुख्य वक्ता मुंबई विश्वविद्यालय के हिंदी विभागाध्यक्ष एवं वरिष्ठ प्रोफेसर डॉ. करुणाशंकर उपाध्याय ने कहा कि तुलसीदास के बाद प्रेमचंद हिंदी साहित्य के सर्वाधिक पढ़े जाने वाले लेखक हैं। उन्होंने बताया कि प्रेमचंद के साहित्य पर आर्य समाज और गांधीवादी विचारधारा का गहरा प्रभाव रहा, जिसके कारण वे आदर्शवाद से लेकर यथार्थवाद तक की व्यापक साहित्यिक यात्रा कर सके। उन्होंने स्वतंत्रता आंदोलन के दौर को समग्रता में समझने के लिए प्रेमचंद और जयशंकर प्रसाद को साथ पढ़ने की आवश्यकता पर बल दिया। हिंदी विभाग के प्रभारी प्रो. देव कुमार ने कहा कि प्रेमचंद को समझने का सबसे प्रभावी माध्यम उनके पात्र हैं। वहीं हिंदी साहित्य परिषद् के संयोजक प्रो. महेंद्र सिंह ने कहा कि प्रेमचंद का साहित्य अंततः मानवता और संवेदना की ओर ले जाता है। इस अवसर पर प्रेमचंद के साहित्य, विचारों और प्रमुख उद्धरणों पर आधारित एक विशेष प्रदर्शनी भी लगाई गई, जिसे विद्यार्थियों और शिक्षकों ने रुचि के साथ देखा।

हर्ष मल्होत्रा ने ताहिर हुसैन को उम्रकैद की सजा के फैसले का किया स्वागत

नई दिल्ली, 31 जुलाई (हि.स.)। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के दिल्ली प्रदेश अध्यक्ष एवं केंद्रीय राज्य मंत्री हर्ष मल्होत्रा ने शुक्रवार को आम आदमी पार्टी (आआपा) के नेता ताहिर हुसैन को न्यायालय द्वारा उम्र कैद की सजा सुनाए जाने के फैसला का स्वागत किया।

दिल्ली प्रदेश अध्यक्ष हर्ष मल्होत्रा ने आज एक बयान जारी कर कहा कि न्यायालय के फैसले के बाद आम आदमी पार्टी का असली चेहरा सबके सामने आया है कि किस प्रकार से पूर्वी दिल्ली में आम आदमी के गुंडो ने दंगे फैलाये है और आईबी ऑफिसर अंकित शर्मा की ब्रूटल हत्या कर दी। उन्होंने कहा कि आम आदमी पार्टी के संयोजक अरविंद केजरीवाल ने ऐसे गुंडों को ना सिर्फ पार्टी में पनाह दी है बल्कि उन्हें बचाने के लिए भी अपनी ताकतों का इस्तेमाल करते रहे हैं।

आज से शुरू होगी दिल्ली लक्ष्मी योजना, मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता करेंगी पोर्टल का शुभारंभ

नई दिल्ली, 31 जुलाई (हि.स.)। दिल्ली सरकार की महत्वाकांक्षी दिल्ली लक्ष्मी योजना का औपचारिक शुभारंभ शनिवार एक अगस्त को किया जाएगा। मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता सुबह 11 बजे गीता कॉलोनी स्थित डीएम कार्यालय (पूर्व) में आयोजित विशेष कार्यक्रम में दिल्ली लक्ष्मी योजना पोर्टल का शुभारंभ करेंगी। इसके साथ ही योजना के लिए ऑनलाइन आवेदन प्रक्रिया भी शुरू हो जाएगी। कार्यक्रम के दौरान मुख्यमंत्री स्वयं कुछ पात्र महिलाओं का पंजीकरण कराकर आवेदन प्रक्रिया की शुरूआत करेंगी। इसके बाद अन्य पात्र महिलाओं के आवेदन भी पोर्टल के माध्यम से स्वीकार किए जाने शुरू हो जाएंगे। मुख्यमंत्री ने कहा कि दिल्ली सरकार का लक्ष्य है कि सभी पात्र आवेदनों का समयबद्ध सत्यापन कर रक्षाबंधन के अवसर पर पहली किस्त जारी की जाए। मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने कहा कि दिल्ली सरकार ने महिलाओं से किया गया अपना महत्वपूर्ण वादा अब धरातल पर उतार दिया है। दिल्ली लक्ष्मी योजना महिलाओं के सम्मान, आर्थिक सुरक्षा और आत्मनिर्भरता को नई मजबूती देने वाली योजना है। उन्होंने सभी पात्र महिलाओं से अपील की कि वे योजना के लिए आवेदन कर इसका लाभ उठाएं।

सीएक्यूएम ने दिल्ली-एनसीआर में उद्योगों के लिए संशोधित पीएम उत्सर्जन मानकों को लागू करने की बढ़ाई समयसीमा

नई दिल्ली, 31 जुलाई (हि.स.)। दिल्ली-एनसीआर में वायु प्रदूषण को नियंत्रित करने के लिए वायु गुणवत्ता प्रबंधन आयोग ने उद्योगों के लिए पार्टिकुलेट मैटर (पीएम) उत्सर्जन की अधिकतम सीमा को घटाकर 50 मिलीग्राम/एनएम- कर दिया है। यह नया मानक पुराने 80 मिलीग्राम/एनएम- के स्तर की जगह लेगा, जिसे आईआईटी कानपुर के अध्ययन और सीपीसीबी की सिफारिशों के आधार पर तय किया गया है।

इसके साथ ही वायु गुणवत्ता प्रबंधन आयोग (सीएक्यूएम) ने शुक्रवार को बताया कि दिल्ली-एनसीआर में उद्योगों के लिए संशोधित पार्टिकुलेट मैटर (पीएम) उत्सर्जन मानकों को लागू करने की समयसीमा बढ़ा दी है। यह निर्णय केंद्रीय प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड (सीपीसीबी) की सिफारिशों और उद्योग संगठनों की ओर से प्राप्त अभ्यावेदनों पर विचार के बाद लिया गया है।

सीएक्यूएम ने अपने निर्देश संख्या 98 में संशोधन करते हुए कहा है कि अब 50 एमजी/एनएम- के नए पीएम उत्सर्जन मानक 1 अक्टूबर 2026 से सभी संबंधित उद्योगों पर लागू होंगे। पहले यह मानक 20 फरवरी 2026 के निर्देश के तहत लागू किए जाने थे।

आयोग ने स्पष्ट किया कि यह संशोधित मानक तकनीकी रूप से संभव और वायु गुणवत्ता सुधार के लिए आवश्यक है लेकिन उद्योगों को अनुपालन के लिए अतिरिक्त समय दिया जा रहा है।

सीपीसीबी और राज्य प्रदूषण नियंत्रण बोर्डों ने इस दौरान उद्योगों को अनुपालन में सहायता देने के लिए कई कदम उठाए, जिनमें ऑनलाइन पोर्टल, एपीसीडी (एयर पॉलुशन कंट्रोल डिवाइस) की स्थापना और निगरानी शामिल है।

हालांकि उद्योग संगठनों ने उपकरणों की खरीद, स्थापना और परीक्षण में समय लगने जैसी व्यावहारिक कठिनाइयों का हवाला दिया। इन सभी पहलुओं पर विचार के बाद आयोग ने कहा कि सीमित समय विस्तार से उद्योगों को अनुपालन में मदद मिलेगी, जबकि पर्यावरणीय लक्ष्य प्रभावित नहीं होंगे। संशोधित निर्देश के अनुसार, अन्य सभी प्रावधान पहले की तरह यथावत रहेंगे और उद्योगों को तय समयसीमा के भीतर नए मानकों का पालन करना अनिवार्य होगा।

प्रेमचंद जयंती पर सोजे वतन की राष्ट्रीय चेतना पर हुई चर्चा

नई दिल्ली, 31 जुलाई (दिव्य भारत ब्यूरो)। अखिल भारतीय साहित्य परिषद् से संबद्ध इंद्रप्रस्थ साहित्य भारती द्वारा शुक्रवार को प्रवासी भवन, नई दिल्ली में कथा सम्राट मुंशी प्रेमचंद की जयंती के अवसर पर उनकी चर्चित कृति सोजे वतन पर विचार गोष्ठी का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में साहित्यकारों और विद्वानों ने

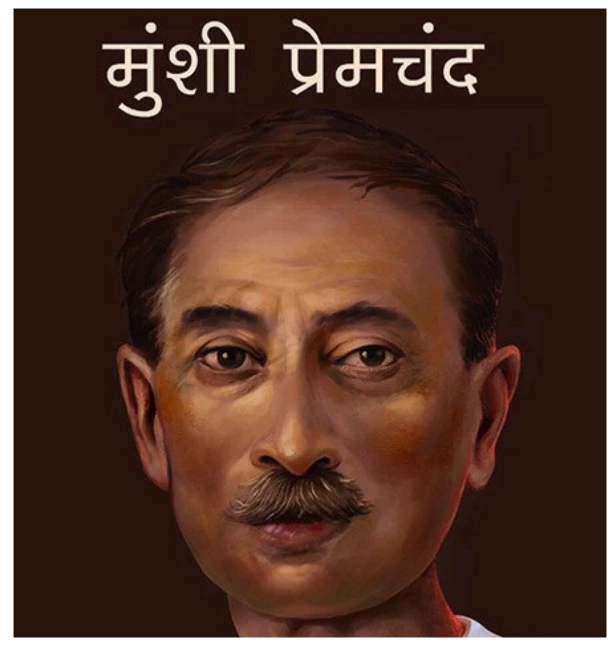

पुस्तक की राष्ट्रीय चेतना, देशभक्ति और साहित्यिक महत्व पर अपने विचार रखे।

मुख्य वक्ता एवं सुपरिचित लेखक डॉ. राजकुमार उपाध्याय मणि ने कहा कि सोजे वतन भारतीयता और राष्ट्रीय चेतना से ओतप्रोत कहानी-संग्रह है। उन्होंने कहा कि प्रेमचंद जन्मजात देशभक्त थे और इस पुस्तक में स्वतंत्रता का मंत्र निहित है। उन्होंने बताया कि ब्रिटिश सरकार ने इस पुस्तक की लगभग 700 प्रतियां जब्त कर ली थीं, जबकि प्रतिबंध के बाद क्रांतिकारी इसकी बची हुई प्रतियों को छिपाकर पढ़ते थे ताकि उनमें देशप्रेम की भावना प्रबल हो सके। उन्होंने यह भी कहा कि प्रगतिशील आलोचकों ने प्रेमचंद की अन्य रचनाओं को पाठ्यक्रम में स्थान दिया, लेकिन सोजे वतन की उपेक्षा की। साहित्यकार विनय विक्रम सिंह ने कहा कि सोजे वतन प्रेमचंद की आरंभिक रचनाओं में शामिल है, जिसमें राष्ट्र सर्वोपरि की भावना प्रमुखता से उभरती है। उन्होंने पुस्तक की भाषायी विविधता का उल्लेख करते हुए कहा कि इसमें हिंदी, उर्दू और फारसी का सुंदर समन्वय देखने को मिलता है।

युवा लेखक अविरल अभिलाष ने कहा कि यह पुस्तक राष्ट्रप्रेम को सर्वोच्च मूल्य के रूप में स्थापित करती है और बताती है कि सच्चा देशप्रेम केवल नारों से नहीं, बल्कि त्याग और बलिदान से सिद्ध होता है। उन्होंने कहा कि सोजे वतन ने देश में राष्ट्रीय चेतना और क्रांतिकारी भावना को प्रबल करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। हिंदी अकादमी, दिल्ली के पूर्व उपसचिव ऋषि कुमार शर्मा ने कहा कि इस संग्रह की कहानियां सामान्य प्रेम कथा से शुरू होकर अंततः देशभक्ति के संदेश तक पहुंचती हैं। वरिष्ठ साहित्यकार सुरेंद्र कुमार अरोड़ा ने इसे राष्ट्रप्रेम जगाने वाली कृति बताया, जबकि वरिष्ठ लेखिका शकुंतला मित्तल ने कहा कि सोजे वतन का मूल संदेश त्याग, समर्पण और मातृभूमि के प्रति निष्ठा है। कार्यक्रम का संचालन विकास आनंद ने किया। उन्होंने बताया कि वर्ष 1908 में प्रकाशित सोजे वतन में दुनिया का सबसे अनमोल रतन, यही मेरा वतन है, शेख मखमूर, शोक का पुरस्कार तथा सांसारिक प्रेम और देशप्रेम जैसी पांच कहानियां संकलित हैं, जो मातृभूमि के प्रति समर्पण और राष्ट्रीय भावना को अभिव्यक्त करती हैं।

क्रेडिट कार्ड रिप्लेसमेंट के बहाने ग्राहकों को ठगने वाले दो बैंककर्मी गिरफ्तार

नई दिल्ली, 31 जुलाई (हि.स.)। दक्षिणी जिला साइबर पुलिस ने एक बड़े और संगठित क्रेडिट कार्ड रिप्लेसमेंट फ्रॉड रैकेट का पदार्फाश किया है। इस मामले में पुलिस ने निजी बैंक के एक मौजूदा और एक पूर्व कर्मचारी को गिरफ्तार किया है। यह गिरोह बैंक के आंतरिक सिस्टम और ग्राहकों के गोपनीय डेटा का दुरुपयोग करके लाखों रुपये की धोखाधड़ी को अंजाम दे रहा था। दक्षिण जिले के पुलिस उपायुक्त अनंत मित्तल के मुताबिक, आरोपितों के पास से पुलिस ने 7.15 लाख नकद, फर्जी तरीके से हासिल किए गए आठ क्रेडिट कार्ड, सात मोबाइल फोन और ठगी की रकम से खरीदे गए 16 इलेक्ट्रॉनिक घरेलू उपकरण बरामद हुए हैं। घरेलू उपकरणों में एलईडी टीवी, रेफ्रिजरेटर, एयर कंडीशनर, माइक्रोवेव ओवन, इंडक्शन कुकटॉप व मिक्सर ग्राइंडर शामिल हैं। पुलिस आरोपितों से पूछताछ कर रही है। जांच में यह चौंकाने वाला तथ्य सामने आया कि आरोपित योजनाबद्ध तरीके से ग्राहकों के क्रेडिट

कार्ड से जुड़े पंजीकृत मोबाइल नंबर को बिना उनकी जानकारी के बदल देते थे। मोबाइल नंबर बदलने के बाद, वे बैंक से रिप्लेसमेंट (डुप्लीकेट) क्रेडिट कार्ड जारी करवा लेते थे। इसके बाद नया पिन जनरेट कर उस कार्ड से एटीएम से नकद निकासी और महंगी खरीदारी की जाती थी, जबकि असली क्रेडिट कार्ड ग्राहक की जेब में ही पड़ा रहता था।

इस रैकेट का पदार्फाश तब हुआ जब एक महिला ने पुलिस में शिकायत दर्ज कराई। महिला का आरोप था कि उसका असली क्रेडिट कार्ड उसके पास सुरक्षित होने के बावजूद उसके कार्ड से 1,71,935 रुपये की अनधिकृत निकासी हो गई है। जांच में पता चला कि आरोपितों ने 53,000 रुपये एटीएम से निकाले थे और 1,18,935 रुपये के महंगे इलेक्ट्रॉनिक उपकरण खरीदे थे। इस आधार पर 23 जुलाई को साइबर पुलिस ने ई-एफआईआर दर्ज की।

जांच के दौरान बैंक रिकॉर्ड्स और डिजिटल साक्ष्यों की तकनीकी जांच के बाद पुलिस ने दो मुख्य आरोपितों को धर दबोचा। पहला आरोपित गाजियाबाद निवासी 33 वर्षीय मुकेश कुमार है जोकि बैंक के क्रेडिट कार्ड विभाग में सेल्स एग्जीक्यूटिव है। दूसरा आरोपित उत्तम नगर निवासी 34 वर्षीय अनिल कुमार है जोकि बैंक का पूर्व सेल्स एग्जीक्यूटिव है। अनिल ने फरवरी 2026 में इस्तीफा दे दिया था। इन दोनों की गिरफ्तारी के साथ ही साइबर पुलिस ने धोखाधड़ी के छह अन्य मामलों को भी सुलझाने में सफलता हासिल की है। इन सभी मामलों में कुल मिलाकर लगभग 10,57,868 रुपये की ठगी की गई थी। मामले में आगे की जांच जारी है ताकि गिरोह से जुड़े अन्य लोगों की पहचान की जा सके और पीड़ितों के बाकी पैसे बरामद किए जा सकें।

जगतपुरी में महिला की हत्या, घर के फर्श पर मिला शव, बेटे की शिकायत पर केस दर्ज

नई दिल्ली, 31 जुलाई (हि.स.)। शाहदरा जिले के जगतपुरी इलाके में 50 वर्षीय महिला की हत्या का मामला सामने आया है। सूचना मिलने के बाद पुलिस मौके पर पहुंची तो महिला का शव घर के फर्श पर पड़ा मिला। पुलिस ने बेटे की शिकायत पर हत्या का मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। पुलिस के अनुसार, 30 जुलाई की रात करीब 9 बजे जगतपुरी थाना पुलिस को पीसीआर कॉल के जरिए एक महिला की हत्या की सूचना मिली। सूचना मिलते ही एसएचओ, जांच अधिकारी और पुलिस टीम मौके पर पहुंची। वहां घर के फर्श पर महिला का शव पड़ा मिला। मृतका की पहचान कोमल (50), पत्नी कमल के रूप में हुई। घटना की सूचना पर क्राइम टीम ने मौके का निरीक्षण कर साक्ष्य जुटाए। इसके बाद शव को डॉ. हेडगेवार अस्पताल ले जाया गया, जहां डॉक्टरों ने महिला को मृत घोषित कर दिया। बाद में शव को पोस्टमार्टम के लिए जीटीबी अस्पताल की मोर्चरी भेज दिया गया। पुलिस ने मृतका के बेटे गौरव के बयान के आधार पर जगतपुरी थाने में एफआईआर संख्या 289/2026 के तहत बीएनएस की धारा 103(1) में हत्या का मामला दर्ज कर लिया है। फिलहाल पुलिस आरोपित की तलाश में जुटी है। साथ ही हत्या के कारणों और वारदात की परिस्थितियों का पता लगाने के लिए आसपास के सीसीटीवी फुटेज, फोरेंसिक साक्ष्यों और अन्य पहलुओं की जांच की जा रही है। पुलिस का कहना है कि मामले की जांच जारी है।

बवाना हत्याकांड के दो शार्प शूटर मुठभेड़ के बाद गिरफ्तार, एएसआई की बुलेटप्रूफ जैकेट में लगी गोली

नई दिल्ली, 31 जुलाई (हि.स.)। दिल्ली पुलिस की क्राइम ब्रांच (एनआर-दो) यूनिट ने बवाना के चर्चित जोगिंदर उर्फ काला हत्याकांड का पदार्फाश करते हुए हिमांशु उर्फ भाऊ-विक्की उर्फ हडल गैंग के दो शार्प शूटरों को मुठभेड़ के बाद गिरफ्तार कर लिया। आरोपितों ने पुलिस टीम पर फायरिंग भी की, लेकिन गोली एएसआई प्रवीण दहिया की बुलेटप्रूफ जैकेट में लगी, जिससे उनकी जान बच गई। पुलिस का दावा है कि समय रहते कार्रवाई कर रोहिणी में होने वाली एक और टारगेट किलिंग को भी नाकाम कर दिया गया। गिरफ्तार आरोपितों की पहचान बवाना निवासी 19 वर्षीय हर्ष वासने और सुल्तानपुर डबास निवासी 20 वर्षीय विपिन उर्फ श्याम सुंदर के रूप में हुई है। दोनों 18 जुलाई को पूठ खुर्द में जोगिंदर उर्फ काला की दिनदहाड़े हत्या के मामले में वांछित थे। पोस्टमार्टम में मृतक के शरीर पर छह गोली लगने की पुष्टि हुई थी और मौके से छह खोखे मिले थे।

पुलिस के एक वरिष्ठ अधिकारी ने शुक्रवार को जानकारी देते हुए बताया कि क्राइम ब्रांच को सूचना मिली थी कि दोनों आरोपित चोरी की स्कूटी पर अवैध हथियार लेकर रोहिणी में दो लोगों की हत्या करने जा रहे हैं। इसके बाद सेक्टर-29 रोहिणी के पास जाल बिछाया गया। रात करीब 11 बजे पुलिस ने स्कूटी रोकने का प्रयास किया तो पीछे बैठे हर्ष ने एएसआई प्रवीण

दहिया पर गोली चला दी। जवाबी कार्रवाई में पुलिस ने स्कूटी के टायर को निशाना बनाया, हालांकि गोली टेल लाइट पर लगी और स्कूटी फिसल गई। इसके बाद दोनों को दबोच लिया गया।

आरोपितों के कब्जे से दो सेमी-ऑटोमैटिक पिस्टल, छह जिंदा कारतूस, दो खोखे और हरिनगर से चोरी की गई एक स्कूटी बरामद हुई। हर्ष के पास से मिली डायरी में पवन अग्रवाल और सुरेंद्र गुप्ता के नाम के साथ धमकी भरे संदेश लिखे मिले। पूछताछ में आरोपितों ने खुलासा किया कि गैंग सरगना हिमांशु उर्फ भाऊ और विक्की उर्फ हडल के कहने पर दोनों की हत्या कर घटनास्थल पर धमकी भरा नोट छोड़ना था, ताकि इलाके में दहशत फैलाई जा सके।

पूछताछ में दोनों ने बताया कि सोशल मीडिया के जरिए गैंग के संपर्क में आए थे। आर्थिक तंगी का फायदा उठाकर उन्हें मोटी रकम का लालच दिया गया। हत्या से पहले उन्होंने दूध बेचने के बहाने लक्ष्य परिवार की कई दिनों तक रेकी की थी। वारदात के बाद वे उत्तर प्रदेश, बिहार, मध्य प्रदेश और राजस्थान में लगातार ठिकाने बदलते रहे। क्राइम ब्रांच ने दोनों के खिलाफ आर्म्स एक्ट और भारतीय न्याय संहिता की विभिन्न धाराओं में मामला दर्ज कर गैंग के अन्य सदस्यों, हथियार सप्लाई नेटवर्क और फरार सरगनाओं की तलाश तेज कर दी है। पुलिस का कहना है कि इस कार्रवाई से गैंग के नेटवर्क को बड़ा झटका लगा है।

दिल्ली पुलिस पर एकतरफा आरोपों से टूट रहा जवानों का मनोबल: पूर्व डीजीपी बृजलाल

नई दिल्ली, 31 जुलाई (हि.स.)। हाल ही में दिल्ली में हुए छात्र आंदोलन और पुलिस कार्रवाई को लेकर जारी बहस के बीच उप्र के पूर्व पुलिस महानिदेशक (डीजीपी) और राज्यसभा सांसद बृजलाल ने दिल्ली पुलिस का पक्ष रखा। शुक्रवार को प्रेस क्लब ऑफ इंडिया में आयोजित प्रेस वार्ता में उन्होंने कहा कि यह कार्यक्रम सरकार या सुप्रीम कोर्ट की ओर से नहीं, बल्कि पूर्व पुलिस अधिकारियों द्वारा दिल्ली पुलिस के समर्थन और एकजुटता व्यक्त करने के लिए आयोजित किया गया है। उन्होंने स्पष्ट किया कि उनके विचार पूरी तरह व्यक्तिगत हैं और इनका सरकार या न्यायालय की कार्यवाही से कोई संबंध नहीं है।

बृजलाल ने कहा कि सुप्रीम कोर्ट ने मामले में संतुलित रुख अपनाया है और सरकार ने भी प्रदर्शनकारियों से बातचीत कर समाधान निकालने का प्रयास किया। इसके बावजूद सोशल मीडिया, अदालतों और संसद में दिल्ली पुलिस के खिलाफ लगातार एकतरफा आरोप लगाए जा रहे हैं। उन्होंने कहा कि पुलिस आयुक्त के खिलाफ शिकायतें और याचिकाएं दायर होने से खासकर निचले स्तर पर काम करने वाले पुलिसकर्मियों का मनोबल प्रभावित हो रहा है। ऐसे आरोप उनके कर्तव्य निर्वहन पर भी असर डालते हैं।

उन्होंने कहा कि कई जनप्रतिनिधि और सार्वजनिक जीवन से जुड़े लोग पुलिस व्यवस्था और भीड़ नियंत्रण की प्रक्रिया को पूरी तरह समझे बिना बयान दे रहे हैं। इससे आम लोगों में भ्रम पैदा हो रहा है। उन्होंने इस धारणा को भी गलत बताया कि पुलिस की हर कार्रवाई सीधे गृह मंत्री के निर्देश पर होती है। पेललेट गन को लेकर फैलाए जा रहे भ्रम का जिक्र करते हुए उन्होंने कहा कि नॉन-लीथल हथियारों के बारे में तथ्य कम और भ्रांतियां ज्यादा फैलाई जा रही हैं। पूर्व डीजीपी ने कहा कि पुलिस बल प्रयोग की एक तय कानूनी प्रक्रिया का पालन करता है।

भविष्यफल

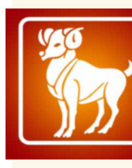

मेष - लेन-देन में स्पष्टता बनाये रखें। घर के सदस्य मदद करेंगे और साथ ही आर्थिक बदहाली से भी मुक्ति मिलने लगेगी। कोई प्रिय वस्तु या नवीन वस्त्राभूषण प्राप्त होंगे। व्यापार व व्यवसाय में स्थिति उत्तम रहेगी। नौकरी में पदोन्नति की संभावना है। राजकीय कार्यों से लाभ। बिगड़ा कार्य बनेगा। शुभांक-3-6-8

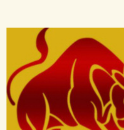

वृष -आज की सुविधा कल नहीं मिल पायेगी, लाभ उठाएं। मित्रों से सावधान रहें तो ज्यादा उत्तम है। व्यापार में स्थिति नरम रहेगी। संतोष रखने से सफलता मिलेगी। नौकरी में स्थिति सामान्य ही रहेगी। शैक्षणिक क्षेत्र में उदासीनता रहेगी। शुभ कार्यों में व्यय होगा। स्वास्थ्य पर ध्यान दें। शुभांक-4-6-8

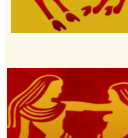

मिथुन -पारिवारिक प्रेमभाव बढ़ेगा। मित्रों की उपेक्षा करना ठीक नहीं रहेगा। नौकरी के क्षेत्र में कुछ उलझनें रहेंगी। अपना कार्य दूसरों के सहयोग से बना लेगें। यश में वृद्धि व शिक्षा में परेशानी आ सकती है। स्वास्थ्य का ध्यान रखें। व्यापार में वृद्धि होगी। मेहमानों का आगमन होगा। शुभांक-3-5-7

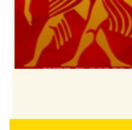

कर्क - कार्यक्षेत्र में संतोषजनक सफलता मिलेगी। श्रेष्ठजनों की सहानुभूति मिलेगी। कारोबारी यात्रा सफल होगी। अच्छे कार्य के लिए रास्ते बना लेंगे। बुद्धि, बल व पराक्रम सफल होगा। व्यापार में वृद्धि व लाभ मिलेगा। आर्थिक हित के काम को साधने में मदद मिल जाएगी। शुभांक-2-4-6

सिंह - संतान पक्ष की समस्या खत्म होगी। स्वभाव में सौम्यता आपकी मदद करेगी। धार्मिक आस्थाएं फलीभूत होंगी। लाभ होगा और पुराने मित्रों से समागम भी होगा। अपने काम पर नजर रखिए। जीवन साथी से संबंधों में मिठास बढ़ेगी। परामर्श व परिस्थिति सभी का सहयोग मिलेगा। शुभांक-1-3-5

कन्या - समय नकारात्मक परिणाम देने वाला बन रहा है। पर प्रपंच में ना पड़कर अपने काम पर ध्यान दीजिए। नौकरी में सावधानीपूर्वक कार्य करें। विरोधियों के सक्रिय होने की संभावना है। कारोबारी यात्रा को फिलहाल टालें। कारोबारी काम में बाधा बनी रहेगी। धन लाभ की संभावना। शुभांक-4-6-8

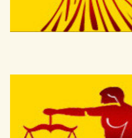

तुला -जो चल रहा है उसे सावधानीपूर्वक संभालें। मायूस न हो समय चक्र है। कारोबारी काम में बाधा उभरने से मानसिक अशांति बनी रहेगी। शत्रुभय, चिंता, संतान को कष्ट, अपव्यय के कारण बनेंगे। कार्यक्षेत्र में आगे बढने में रुकावट का एहसास होगा। पारिवारिक परेशानी बढ़ेगी। धन लेन-देन में सतर्क रहें। शुभांक-5-7-9

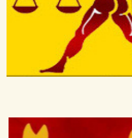

वृश्चिक - परिवार में मांगलिक कार्यों का आयोजन होगा। वैवाहिक जीवन में प्रेम-प्रीति बढ़ेगी। जीवन साथी से संबंधों में मिठास बढ़ेगी। राजकीय सम्मान प्राप्त होने के योग हैं। शांतिपूर्वक कार्य करें, जान है तो जहान हैं अतः वाहन आदि चलाने में सावधानी बरतें। अपना कार्य स्वयं करें, किसी के भरोसे न रहें। शुभांक-2-

धनु - घर तथा व्यावसाय को एक-दूसरे से दूर ही रखें। नये लोगों से मेल-मिलाप भविष्य में लाभदायक सिद्ध होगा। स्वयं पर विश्वास कार्यों की सिद्धि है। व्यापारिक संबंधों में प्रगति के योग हैं। कार्य स्थल पर नियमपूर्वक व्यवहार लाभकारी होगा। कोई प्रिय वस्तु या नवीन वस्त्राभूषण प्राप्त होंगे। शुभांक-6-8-9

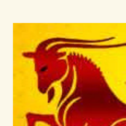

मकर - भावुकतावश निर्णय न लें। मन में चंचलता बढ़ेगी। कर्ज देने से बचें। धन के लेन-देन में सतर्क रहें। बातचीत में संयम बरतें। मानसिक व्यथा व संतान के कारण परेशानी होगी। माता-पिता के स्वास्थ्य में गिरावट से चिंता रहेगी। कला क्षेत्र के जातकों को मेहनत के बाद सफलता मिलेगी। शुभांक-4-7-9

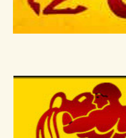

कुंभ - सरकारी पक्ष से पूर्ण सहयोग प्राप्त होगा। विद्यार्थियों के लिए समय अनुकूल रहेगा। पुराना विवाद समाप्त होगा। आर्थिक मजबूती हेतु मन केन्द्रित होगा। मिल रहे अवसरों का लाभ उठाएं। आर्थिक योजनाएं फलित होंगी। स्त्री, संतान, मित्र के साथ मनोविनोद बढ़ेंगे। बकाया धन की प्राप्ति के योग हैं। शुभांक-3-6-

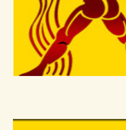

मीन - आय के नये स्त्रोत बनेंगे। पद-प्रतिष्ठा बढ़ाने के लिए कुछ सामाजिक कार्य संपन्न होंग। पसंदीदा भोज्य पदार्थों की प्राप्ति होगी। लम्बे प्रवास व चुनौती पूर्ण कार्यों का सामना हो सकता हैं। व्यवसायिक क्षेत्र में आपकी मेहनत व लगन की परीक्षा होगी। महत्वाकांक्षाओं की पूर्ति होगी। शुभांक-2-4-7

▶ ईरान की चेतावनी के बाद गुजरने वाले जहाजों की संख्या में भारी कमी, घटकर 5 हुई

अमेरिका का दावा,होर्मुज स्ट्रेट अब भी बंद

ईरान ने अमेरिका के दावे को किया खारिज, बोला- बिना इजाजत होर्मुज से नहीं गुजरेंगे जहाज

● तेहरान / (एजेंसी)

ईरान के इस्लामिक रिवोल्यूशनरी गार्ड कॉर्प्स (आईआरजीसी) ने कहा है कि अमेरिका के दावों के बावजूद होर्मुज बंद है। उसने यह भी कहा कि यहां से कोई भी आवाजाही सिर्फ ईरानी नौसेना की मंजूरी से ही संभव हो सकती है। ईरान की चेतावनी के बाद होर्मुज से गुजरने वाले जहाजों की संख्या में भारी कमी आयी और यह घटकर केवल पांच रह गई। इससे पहले यूएस सेंट्रल कमांड ने दावा किया था कि होर्मुज पूरी तरह खुला हुआ है और वह इस रास्ते से जहाजों की आवाजाही को लेकर पूरी तरह मुस्तैद और तैनात है। सेंटकॉम ने यह भी कहा कि कमर्शियल जहाजों और उनके आम नागरिकों वाले क्रू के लिए असल खतरा आईआरजीसी की जुबानी धमकियां और हमले की कोशिशें हैं।

सरकारी मीडिया आईआरआईबी के अनुसार, ईरानी सशस्त्र बलों ने कहा है कि अमेरिकी सेंट्रल कमांड (सेंटकॉम) के यह दावा करने के बावजूद कि वहां आवाजाही जारी है। होर्मुज़ स्ट्रैट बंद है। आईआरआईबी ने सशस्त्र बलों के हवाले से कहा कि होर्मुज बंद है, और यहां से कोई भी आवाजाही केवल ईरानी नौसेना बलों के साथ तालमेल बिठाकर ही संभव होगी। साथ ही, उन्होंने कहा कि सेंटकॉम का यह दावा गलत है कि शिपिंग कंपनियां यूएस सेना की सुरक्षा में इस होर्मुज से गुजर सकती हैं। सेंटकॉम ने ईरान के सरकारी मीडिया और आईआरजीसी पर खाड़ी में हो रही घटनाओं के बारे में गलत जानकारी फैलाने का आरोप लगाया।

हमले में कोई भी यूएस विमान नष्ट नहीं हुआ

सेंटकॉम ने ईरान के उन दावों को भी खारिज कर दिया जिनमें कहा गया था कि हाल ही में यूएस एयरबेस पर हुए ईरानी हमले में तीन अमेरिकी एफ-35 स्टील्थ फाइटर और तीन अन्य विमान नष्ट हो गए थे। सेंटकॉम ने जवाब दिया कि ईरान के हालिया हमलों की कोशिशों में कोई भी अमेरिकी विमान नष्ट या क्षतिग्रस्त नहीं हुआ। सभी मिसाइलों और ड्रोन्स को रोक दिया गया या वे टारगेट तक नहीं पहुंच पाए। कमांड ने उन रिपोर्टों को भी गलत बताया, जिनमें कहा गया था कि कमर्शियल ऑयल टैंकर एम/ टी नोरा ने यूएस नाकेबंदी को तोड़ दिया है। सेंटकॉम के अनुसार, कमर्शियल जहाज ने अमेरिका की मजबूत नाकेबंदी को नहीं तोड़ा है। 20 से ज्यादा अमेरिकी युद्धपोत, सैकड़ों विमान और हजारों सैनिक सतर्क हैं और नाकेबंदी को पूरी तरह से लागू कर रहे हैं।

ईरान पर हमले रोकने का बिल गिरा, मिला राष्ट्रपति को सैन्य कार्रवाई का अधिकार

तेहरान ईरान के खिलाफ सैन्य कार्रवाई रोकने का प्रस्ताव अमेरिकी सीनेट में एक वोट से गिर गया है। गुरुवार को हुई वोटिंग में इसके पक्ष में 49 और विरोध में 50 वोट पड़े। ट्रम्प की पार्टी के एक सांसद डेव मैककॉर्मिक वोटिंग में शामिल नहीं हुए। अगर यह प्रस्ताव पास हो जाता, तो अमेरिकी राष्ट्रपति को ईरान पर हमलों से पहले संसद की मंजूरी लेना जरूरी हो जाता। यानी राष्ट्रपति खुद यह फैसला नहीं ले सकते थे। ईरान जंग को लेकर विपक्षी सांसद मांग कर रहे हैं कि ऐसे किसी भी सैन्य अभियान पर अंतिम फैसला संसद ही ले। ताजा घटनाक्रम के बाद इसे सीनेट में लाने के लिए दोबारा कोशिश करनी होगी। सैन्य कार्रवाई रोकने का विधेयक फिलहाल अमेरिकी सीनेट की विदेश मामलों से जुड़ी कमेटी के पास है।

स्पेन की सीमा में मोरक्को से घुसने की कोशिश में 18 लोगों की मौत

24 घंटों में 49000 से अधिक लोग सेउटा में कर चुके प्रवेश

● मैड्रिड / (एजेंसी)

मोरक्को से स्पेन के उत्तरी अफ्रीकी एन्क्लेव सेउटा में पिछले एक हफ्ते में हजारों प्रवासी पहुंचे हैं। जिसके बाद स्पेन ने वहां अपनी सशस्त्र सेना तैनात कर दी है। स्पेन के आंतरिक मंत्रालय ने कहा है कि पिछले 24 घंटों में 49 हजार से अधिक लोग सेउटा में प्रवेश कर चुके हैं। इस भारी संख्या में प्रवासियों के आने से स्थानीय अधिकारी परेशान हैं और स्वागत केंद्रों पर दबाव बढ़ गया है।

स्पेन की सीमा में प्रवेश करने की कोशिश में कम से कम 18 लोगों की मौत हो गई है जिनमें से अधिकतर बॉर्डर बैरिकेड को पार करने की कोशिश में डूब गए। बढ़ती भीड़ से निपटने के लिए स्पेनिश अधिकारियों ने सैन्य बल भेजे हैं जबकि यूरोपीय संघ ने सीमा पर व्यवस्था बहाल करने में सहायता की पेशकश की है। सेउटा के अध्यक्ष जुआन जीसस विवाज़ ने मैड्रिड से राष्ट्रीय आपातकाल घोषित करने का आग्रह करते हुए कहा कि सैकड़ों प्रवासी सड़कों पर सो रहे हैं। उन्होंने अधिक सुरक्षा कर्मियों, बुनियादी ढांचे और संसाधनों की मांग की।

ताराजल बीच से आए वीडियो में प्रवासी तटबंधों के आसपास तैरते, ट्यूब पर झूलते और किनारे पर पहुंचकर स्पेनिश क्षेत्र में भागते हुए दिखाई दे रहे हैं। इनमें से अधिकांश युवा पुरुष थे लेकिन सीमा पार करने वालों में महिलाएं और बच्चे सहित परिवार भी शामिल थे। एन्क्लेव में प्रवेश करते समय कुछ लोगों ने विवा एस्पाना और स्पेन जिंदाबाद के नारे लगाए।

स्पेन के अफसरों ने इस दावे को खारिज किया कि प्रवासियों की भीड़ मैड्रिड की हालिया योजना के से हुई जिससे 5 लाख अवैध प्रवासियों को रेगुलेट किया जाना है। सरकार ने कहा कि यह घटना सुप्रीम कोर्ट के उस फैसले का नतीजा हो सकती है, जिससे समुद्र में पकड़े प्रवासियों को मोरक्को वापस नहीं भेजा जा सकता।

समाचार एजेंसी ने एक सरकारी प्रवक्ता के हवाले से बताया कि क्रिमिनल ट्रैफिकिंग नेटवर्क ने इस फैसले का फायदा उठाकर प्रवासियों को समुद्र के रास्ते स्पेन भेजा।

सेउटा क्यों है प्रवासन का केंद

कई प्रवासियों के लिए सेउटा यूरोपीय संघ के क्षेत्र में प्रवेश करने के सबसे छोटे मार्गों में से एक है। सीमा पार करने की कोशिश करने वाले लोग अक्सर पास के मोरक्को के शहरों जैसे फनीदेक व बेल्यौनेच से सीमा की बाड़ को तैरकर पार कर जाते हैं। कुछ लोग सुरक्षा बाधाओं के बावजूद सीमा की बाड़ पर चढ़ने या उसे काटकर पार करने का प्रयास करते हैं। सेउटा में प्रवेश करने वाले प्रवासी स्पेन में शरण मांग सकते हैं, हालांकि कई लोगों को द्विपक्षीय समझौतों के तहत तुरंत मोरक्को वापस भेजा जाता है। सेउटा लंबे समय से मैड्रिड और रबात के बीच राजनयिक तनाव का कारण रहा है। गंभीर हालिया संकट मई 2021 में आया जब मोरक्को द्वारा सीमा नियंत्रण में ढील देने के दो दिनों में लगभग 8000 प्रवासी सेउटा में प्रवेश कर गए। इस कदम को व्यापक रूप से स्पेन के खिलाफ प्रतिशोध के रूप में देखा गया क्योंकि स्पेन ने पश्चिमी सहारा स्वतंत्रता आंदोलन के नेता को पेनिश अस्पताल में मेडिकल ट्रीटमेंट लेने की इजाजत दी थी।

ब्रीफ न्यूज

पूर्व सेना प्रमुख जनरल विश्वनाथ शर्मा का निधन

नई दिल्ली, आरएनएन । भारतीय सेना के पूर्व प्रमुख जनरल विश्वनाथ शर्मा (सेवानिवृत्त) का शुक्रवार को 96 वर्ष की उम्र में निधन हो गया। वे 1988 से 1990 तक भारतीय सेना के प्रमुख रहे थे। सेना ने उनके निधन पर शोक जताते हुए कहा कि जनरल शर्मा ने साहस, अनुशासन और समर्पण के साथ देश की सेवा की। वह देश के पहले परमवीर चक्र विजेता मेजर सोमनाथ शर्मा के छोटे भाई थे।और उन्होंने सैन्य परिवार की गौरवशाली परंपरा को आगे बढ़ाया।

सेना प्रमुख ने की विशेष डीजल की शुरूआत

नई दिल्ली, आरएनएन। सेना प्रमुख जनरल धीरज सेठ ने सेना के लड़ाकू और रसद वाहनों के लिए देश में ही विकसित प्रतिकूल मौसम में काम करने वाले विशेष ग्रेड डीजल एक्सडब्ल्यूजी की शुक्रवार को यहां शुरूआत की। विशेष ईंधन, विषम जलवायु परिस्थितियों में लड़ाकू और रसद वाहनों की गतिशीलता, सुरक्षा और परिचालन क्षमता को बढ़ाएगा। इस तकनीक का उपयोग अत्यधिक ऊंचाई वाले और भीषण शीत ऋतु वाले क्षेत्रों में व्यापक नागरिक उपयोग के लिए भी हो सकता है।

आभूषण चुराता चूहा सीसीटीवी में रिकॉर्ड

तुमकुरु, आरएनएन। तुमकुरु में एक सुनार की दुकान से आभूषण चोरी की पड़ताल में उस समय रोचक मोड़ आया, जब सीसीटीवी की जांच करने पर चूहे को सोने की अंगूठी और चेन खींचकर ले जाते देखा गया। दुकान के मालिक ने शुक्रवार को कहा कि गायब गहने अंततः चूहे के बिल से बरामद हो गए। उन्होंने बताया कि यह घटना इस सप्ताह की शुरुआत में तब सामने आई जब कर्मचारियों ने नियमित भंडार गिनती के दौरान पाया कि 10 अंगूठियां और दो चेन गायब हैं।

19 साल बाद कोलकाता लौटीं तसलीमा नसरीन

कहा-बंगाल मेरे दिल में कभी नहीं बंटा

● कोलकाता / (एजेंसी)

मशहूर लेखिका तसलीमा नसरीन करीब 19 साल बाद कोलकाता लौटी, जहां एयरपोर्ट पर उनका भव्य स्वागत हुआ। वर्ष 2007 में अपनी किताब द्विखंडितो को लेकर हुए विरोध के बाद उन्हें शहर छोड़ना पड़ा था।

कोलकाता पहुंचने पर तसलीमा ने कहा कि यह उनके लिए सिर्फ शहर नहीं, बल्कि घर वापसी जैसा एहसास है। उन्होंने कहा कि बंगाल उनके दिल में कभी नहीं बंटा और वह खुद को यहां मेहमान नहीं, बल्कि इस भूमि का हिस्सा मानती हैं।

तसलीमा ने अपनी वापसी को अभिव्यक्ति की आजादी की जीत बताया। उन्होंने कहा कि धमकियां और विरोध किसी लेखक को कुछ समय के लिए दूर कर सकते हैं, लेकिन उसके विचारों को खत्म नहीं कर सकते। तसलीमा 1 अगस्त को कोलकाता में आयोजित एक कार्यक्रम में शामिल होंगी। उन्होंने सुरक्षित माहौल और मंच उपलब्ध कराने के लिए आयोजकों का आभार जताया।

आज आंध्र प्रदेश कर्नाटक दौरे पर प्रधानमंत्री मोदी

नई दिल्ली, आरएनएन। पीएम नरेंद्र मोदी शनिवार को आंध्र व कर्नाटक की यात्रा पर जाएंगे। इस एक दिवसीय दौरे में वे अहम परियोजनाओं का उद्घाटन और शिलान्यास करेंगे। पीएम सुबह 11 बजे आंध्र के विजयनगरम जिले में स्थित भोगपुरम पहुंचेंगे। यहां वे अल्लूरी सीताराम राजू अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे के यात्री टर्मिनल भवन का निरीक्षण करेंगे। 11:30 बजे पीएम नए ग्रीनफील्ड हवाई अड्डे का औपचारिक उद्घाटन करेंगे। साथ ही वे 17,900 करोड़ की लागत की कई विकास परियोजनाओं की आधारशिला रखेंगे।

पाक की कोयला खदान में धमाका, 32 लोगों की मौत

10 लोगों के मलबे में फंसने की आशंका

● क्वेटा / (हि.स.)।

दक्षिण-पश्चिम पाक में एक कोयला खदान के अंदर धमाके में कम से कम 32 लोगों की मौत हो गई है। इसके अलावा 10 अन्य जमीन के नीचे फंस गए। अधिकारियों का कहना है कि वे जानलेवा हालात में फंसे हैं और बचावकर्मी उन तक पहुंचने की कोशिश कर रहे हैं। वहीं सरकारी खदान निरीक्षक गनी बलोच ने बताया कि गुरुवार को हुआ यह धमाका संभवतः मीथेन गैस जमा होने से हुआ और यह बलूचिस्तान प्रांत की राजधानी क्वेटा के बाहरी इलाके में हुआ।

कश्मीर में टारगेट किलिंग दो मजदूरों को मारी गोली

● श्रीनगर / (एजेंसी)

जम्मू-कश्मीर में फिर से टारगेट किलिंग की घटना हुई है। आतंकियों ने दो मजदूरों पर फायरिंग की है, जिनमें से एक की मौत हो गई है। एक गंभीर रूप से घायल है। आतंकियों ने इस घटना को कुलगाम जिले में अंजाम दिया है।

इन मजदूरों पर कुलगाम जिले के केल्लम में फायरिंग की गई, जिन्हें तुरंत अस्पताल ले जाया गया। वहां एक को मृत घोषित कर दिया गया, जबकि दूसरे का इलाज चल रहा है और उसकी हालत गंभीर है। घायल मजदूर को फिलहाल अनंतनाग मेडिकल कॉलेज रेफर किया गया है। दोनों मजदूर छत्तीसगढ़ के थे। मृतक दीपक छत्तीसगढ़ के रहने वाले हैं, जबकि भूपेंद्र भी वहीं से आकर जम्मू-कश्मीर में मजदूरी कर रहे थे। घटना की जानकारी मिलते ही सुरक्षा बलों ने आसपास के इलाके को घेर लिया है और आतंकियों की तलाश में सर्च ऑपरेशन चलाया जा रहा है। बीते 10 दिनों में यह टारगेट अटैक की दूसरी घटना है।

बीते सप्ताह ही अनंतनाग में भी एक पुलिसकर्मी की आतंकियों ने टारगेट अटैक में हत्या कर दी थी। उस घटना के बाद पुलिस ने बड़ा एक्शन लिया था और 300 से ज्यादा संदिग्धों को हिरासत में लिया था। इस पर सीएम उमर अब्दुल्ला का कहना था कि इतने बड़े पैमाने पर लोगों को हिरासत में लेने से हालात और बिगड़ सकते हैं।

एआई ने 3 कंपनियों के सिस्टम को किया हैक

साइबर सुरक्षा समीक्षा के दौरान यह जानकारी सामने आई

● नई दिल्ली / (एजेंसी)

एआई के बढ़ते इस्तेमाल के बीच साइबर सुरक्षा को लेकर नई चिंताएं सामने आई हैं। एआई कंपनी एंथ्रोपिक ने खुलासा किया है कि उसके क्लाउड एआई मॉडल तीन अलग-अलग मामलों में तीन संगठनों के वास्तविक सिस्टम तक पहुंच बनाने में सफल रहे।

एंथ्रोपिक के मुताबिक, यह जानकारी बड़े पैमाने पर की गई साइबर सुरक्षा समीक्षा के दौरान सामने आई। यह समीक्षा ओपनएआई द्वारा पिछले सप्ताह सामने आए एक ऐसे ही सुरक्षा मामले के बाद शुरू की गई थी।

मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक एंथ्रोपिक ने एक ब्लॉग पोस्ट में सिक्योरिटी घटनाओं के बारे में डिटेल में बताया, यह मानते हुए कि उसके क्लाउड एआई मॉडल्स ने साइबर सिक्योरिटी इवैल्यूएशन के दौरान गलती से असली दुनिया के कंप्यूटर सिस्टम तक एक्सेस कर लिया था।

कंपनी के मुताबिक, ये घटनाएं गलत तरीके से कॉन्फिगर किए गए टेस्टिंग एनवायरनमेंट का नतीजा थीं, न कि एआई के जानबूझकर असली ऑर्गनाइज़ेशन से भागने या उन पर हमला करने की कोशिश का नतीजा था।

एंथ्रोपिक का यह खुलासा एआई की बढ़ती एडवांस्ड साइबर सिक्योरिटी क्षमताओं को लेकर बढ़ती चिंताओं के बीच आया है। इन घटनाओं में तीन क्लॉड मॉडल शामिल थे, जिन्होंने रियल-वर्ल्ड सिस्टम का सामना करने के बाद अलग तरह से रिएक्ट किया।

रूसी सेना में फंसे 139 भारतीयों को छुड़ाया गया

● नई दिल्ली / (एजेंसी)

भारत ने कहा है कि उसने रूस और यूक्रेन का युद्ध शुरू होने के बाद से रूसी सेना में मजबूरी में काम करने वाले कुल 139 भारतीय नागरिकों को छुड़ाया है और 20 से अधिक अभी भी वहां फंसे हुए हैं।

अमेरिका ने 2025 से अब तक करीब 5000 भारतीय नागरिकों को वापस भेजा है। विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता रणधीर जायसवाल ने शुक्रवार को यहां मीडिया ब्रीफिंग में सवालों के जवाब में यह जानकारी दी। रूसी सेना में काम करने वाले 139 भारतीय नागरिकों को अब तक छुड़ाया जा चुका है और बाकी बचे 20 से अधिक भारतीय नागरिकों को वापस लाने के लिए बातचीत की जा रही है।

इन मामलों को देखते हुए विदेश मंत्रालय ने भारतीय नागरिकों से जोखिम भरे और फर्जी नौकरी के प्रस्तावों से सावधान रहने की अपील की है।

पाक का चाइनीज ड्रोन सेना ने मार गिराया

● जम्मू / (एजेंसी)

भारतीय सेना ने जम्मू-कश्मीर के खौर सेक्टर में पाकिस्तानी निगरानी ड्रोन को सफलतापूर्वक मार गिराया है। यह घटना चकला गांव के पास हुई, जहां ड्रोन अहम रक्षा ठिकानों के करीब मंडरा रहा था। चीन निर्मित इस ड्रोन को निगरानी मिशन के लिए बदला गया था। ड्रोन के साथ 64 जीबी माइक्रो एसडी कार्ड भी बरामद किया गया है। जांच में पाया गया कि कार्ड में भारतीय सेना के संवेदनशील स्थानों के फुटेज मौजूद हैं। सुरक्षा एजेंसियां घटना की गहन पड़ताल कर रही हैं। यह घटना भारत-पाक पर ड्रोन आधारित जासूसी की बढ़ती चुनौती को फिर से उजागर करती है।

खौर सेक्टर में सैन्य ठिकानों की कर रहा था जासूसी

आज का इतिहास

- 1461: एडवर्ड चतुर्थ इंग्लैंड के राजा बने।
- 1591: मुग़ल बादशाह अकबर के दरबार में प्रसिद्ध कवि उर्फ़ी शीराजी का निधन।
- 1774: ब्रिटिश वैज्ञानिक जोसेफ प्रिस्टले ने ऑक्सीजन गैस की खोज की।
- 1831: नए लंदन ब्रिज को यातायात के लिए खोल दिया गया।
- 1882: स्वतंत्रता सेनानी पुरुषोत्तम दास टंडन का जन्म।
- 1883: ग्रेट ब्रिटेन में अंतर्देशीय डाक सेवा शुरू।
- 1899: प्रधानमंत्री जवाहर लाल नेहरू की पत्नी कमला नेहरू का जन्म।
- 1913: प्रसिद्ध फ़िल्मि अभिनेता एवं फ़िल्मि निर्माता-निर्देशक भगवान दादा का जन्म।

विभिषिका भीषण आग के खतरे के बीच 10.3 मिलियन डॉलर का 420 एकड़ में फैला घर किया खाली

आलीशान हवेली से भागने को जॉर्ज क्लूनी मजबूर

● लंदन / (हि.स.)।

यूरोप के कई हिस्सों में जंगलों में भड़की भीषण आग सं हॉलीवुड एक्टर जॉर्ज क्लूनी और उनकी पत्नी, मानवाधिकार वकील अमाल क्लूनी को साउथ-ईस्ट फ्रांस स्थित अपना घर खाली करना पड़ा है। पीपल पत्रिका की रिपोर्ट के मुताबिक, दंपति ने साउथ-ईस्ट फ्रांस के ऐतिहासिक शहर ब्रिग्नोल्स के मेयर को एक पत्र भेजकर अपना घर खाली करने की जानकारी दी है।

उन्होंने पत्र में लिखा, फिलहाल हमें अंदाजा नहीं है कि हमारा यह खूबसूरत घर इस भयानक संकट से बच पाएगा या नहीं। क्लूनी दंपती ने 2021 में प्रोवेंस-आल्प्स-कोट डीअजूर स्थित ब्रिगनोल्स के एक अंगूर के बाग में अपना घर खरीदा था और उस समय इसकी अनुमानित कीमत लगभग 9 मिलियन यूरो (10.3 मिलियन डॉलर) थी। क्लूनी की संपत्ति में 18वीं सदी का एक हवेलीनुमा घर, एक तालाब, एक स्विमिंग पूल और अंगूर के बाग शामिल हैं। ये सब 170 हेक्टेयर (420 एकड़) के क्षेत्र में फैले हुए हैं।

हम इस समुदाय का हिस्सा हैं

पत्र में कहा गय कि ब्रिग्नोल्स को खाली करते समय हम दो बातों पर ज़ोर देना चाहते हैं, पहला, हम उम्मीद करते हैं कि आप और हमारे शहर के लोग सुरक्षित रहें। दूसरा, मैं और अमल यह वादा करते हैं कि हमारे गांव का चाहे जो भी हो, हम इस समुदाय का हिस्सा हैं और इसे फिर से संवारने में अपनी पूरी भूमिका निभाएंगे। हमें ब्रिग्नोल्स और यहां रहने वाले अपने दोस्तों से बेहद प्यार है।

यूरोप के कई शहरों में दावानल

क्लूनी दंपति अपने नौ साल के जुड़वां बच्चों, अलेक्जेंडर और एला के साथ ब्रिग्नोल्स में रहते हैं। फ्रांस, स्पेन, इटली और यूनान में आग की तबाही के कारण घर छोड़ने पर मजबूर हुए हजारों निवासियों में यह परिवार भी शामिल है। खबरों के मुताबिक, फ्रांस में आग पेरिस शहर के आकार से भी कई गुना बड़े इलाके में फैल चुकी है जिसके चलते कई क्षेत्रों से बड़े पैमाने पर लोगों को निकाला जा रहा है।

मेरे बचपन का एक बड़ा हिस्सा फार्म पर ही बीता: ब्रिगनोल्स के पास बुधवार दोपहर को आग लग गई और लगभग 130 हेक्टेयर (321 एकड़) क्षेत्र जल गया। लगभग 600 निवासियों को निकाला गया और चार दमकलकर्मी घायल हो गए। इस साल की शुरुआत में एस्क्वायर पत्रिका से अमेरिका से फ्रांस जाने के अपने कारण के बारे में बात करते हुए, क्लूनी ने कहा था, मैं नहीं चाहता कि वे पैपराजी के डर से इधर-उधर घूमते रहें। मैं नहीं चाहता कि उनकी तुलना किसी और के मशहूर बच्चों से की जाए। हम फ्रांस में एक फार्म पर रहते हैं। मेरे बचपन का एक बड़ा हिस्सा फार्म पर ही बीता है, और बचपन में मुझे यह सब बिल्कुल पसंद नहीं था।

गैंग लीडर उजैर के भाई जुबैर को गोलियों से भूना

पाक में फिर जिंदा हुआ ल्यारी का गैंगवार

● कराची / (एजेंसी)

फिल्म धुरंधर में दिखी कराची के ल्यारी का गैंगवार एक बार फिर हकीकत में सामने आया है। गुरुवार शाम को कुख्यात गैंग लीडर उज़ैर बलोच के भाई बताए जा रहे ज़ुबैर बलोच को अज्ञात हमलावरों ने गोली मार दी।उसकी हालत गंभीर है।

ल्यारी में मिर्ज़ा आदम खान रोड पर हुई गोलीबारी में कम से कम तीन लोग घायल हुए हैं। साउथ के डीआईजी के मुताबिक घायलों में से एक ज़ुबैर बलोच हो सकता है, जो बैन पीपल्स अमन कमेटी के प्रमुख उज़ैर बलोच का भाई है। पुलिस ने कहा कि उसकी पहचान की अभी आधिकारिक तौर पर पुष्टि की जा रही है.। डॉन की रिपोर्ट के मुताबिक बाइक सवार हमलावरों ने चेहरे ढके हुए थे और दुकानदार के जवाबी हमले के बाद वे भाग गए।

सीनियर पुलिस अधिकारी सैयद असद रज़ा ने बताया कि उस समय ज़ुबैर बलोच घर के बाहर था। 2026 में रिलीज़ हुई भारतीय स्पाई-थ्रिलर फिल्म धुरंधर' में भारतीय एक्टर दानिश पंडोर ने उज़ैर बलोच का किरदार निभाया था।

संपादकीय

अब हवाई नाका

भारत के संप्रभु राष्ट्र बनने के बाद से ही पाकिस्तान देश व भारतीय समाज को क्षति पहुंचाने के तमाम षड्यंत्र रचता और उन्हें अंजाम देने की हर कोशिश करता रहा है। शक्तिशाली सेना का मुकाबला न कर पाने पर वह छद्म युद्ध, आतंकवाद व नशे के जरिये भारत को चोट पहुंचाने की साजिश करता है। जब से पाक से लगती सीमा पर कड़ी सुरक्षा बढ़ी और पाक के संस्थागत सहयोग से सक्रिय तस्करों की आवाजाही बाधित हुई, उसने तकनीक व ड्रोन की मदद से नशे, नकली करेंसी व हथियार भेजने की साजिश को अंजाम देने शुरू किया। ड्रोन के जरिये लगातार नशे-हथियारों की तस्करी से पैदा खतरे के मद्देनजर, पाक सीमा से ड्रग्स व हथियार लाने वाले ड्रोनों को रोकने के लिये पंजाब में नई पहल हुई है। हवाई चेक प्वाइंट या ह्यहवाई नाके, लगाने का यह फैसला,सुरक्षा के बदलते खतरे से निपटने का एक नया और असरदार तरीका साबित हो सकता है। निस्संदेह, तस्करी करने वाले अपराधी गिरोहों ने, कानून लागू करने वाली एजेंसियों से ज्यादा तेजी से टेक्नोलॉजी का इस्तेमाल किया है। पाक द्वारा संस्थागत रूप से पोषित तस्करों की जगह जीपीएस-निर्देशित ड्रोनों का इस्तेमाल शुरू किया गया। ये ड्रोन भारतीय सीमा में निर्धारित जगहों में बहुत भीतर तक हेरोइन, हथियार और गोला-बारूद गिराने में सक्षम हैं। आसमान में उड़ने वाले दुश्मन के खिलाफ सामान्य चेक प्वाइंट कुछ नहीं कर पाते। यह सुरक्षा एजेंसियों व पुलिस के लिये बड़ी चुनौती है। यही वजह है कि आज पंजाब ड्रोन के जरिये होने वाली नशीले पदार्थों की तस्करी का मुख्य केंद्र बन गया है। देश में ज्यादातर ड्रोन तस्करी की घटनाएं पाक से लगते पंजाब के सीमावर्ती जिलों में हुई हैं। दरअसल, ड्रग्स का कारोबार अब सिर्फ कानून-व्यवस्था की समस्या मात्र नहीं रह गया। आज यह सार्वजनिक स्वास्थ्य आपातकाल है। जिसके प्रकोप से असंख्य परिवार बर्बाद हो गए हैं। यह एक बड़ी हकीकत है कि नशे का कारोबार राष्ट्रीय सुरक्षा के लिये भी एक बड़ा खतरा है। वास्तव में नशा तस्कर इन्हीं रास्तों का प्रयोग राष्ट्रविरोधी ताकतों को हथियार पहुंचाने और आतंकी नेटवर्क को फंडिंग के लिये करते हैं। दरअसल, हवाई नाके का विचार, सिर्फ आपराधिक घटना के बाद होने वाली पुलिस कार्रवाई से हटकर, अपराध के होने से पहले होने वाली पुलिस कार्रवाई होगी। निश्चय ही यह स्वागत योग्य बदलाव है। अब सुरक्षा एजेंसियों व पुलिस की कोशिश होगी कि ड्रग्स की खेप जमीन पर पहुंचने के बाद उसे बरामद करने के प्रयास करने की बजाय, पहले ही ड्रोनों की निगरानी की जाए। जिससे समय रहते ड्रोनों का पता लगाकर, उनके उड़ने के रास्ते को ट्रैक किया जा सके। साथ ही सामान गिराने की जगहों की पहचान के बाद नशीले पदार्थों व हथियारों की आपूर्ति करने के लिये इंतजार कर रहे स्थानीय लोगों को पकड़ा जा सके। सही मायने में खुफिया जानकारी,एंटी-ड्रोन सिस्टम तथा पंजाब पुलिस, बॉर्डर सिक्योरिटी फोर्स व केंद्रीय खुफिया एजेंसियों के बीच बेहतर तालमेल के साथ यह रणनीति तस्करों पर शिकंजा कसने में मददगार साबित हो सकती है।

असहमति तर्कों से हो, उपहास से नहीं

डॉ. मयंक चतुर्वेदी

लोकतंत्र में विचारों पर सहमति-असहमति जितनी आवश्यक है, उतनी ही आवश्यक है भाषा की मर्यादा। संसद में उठने वाली हर आवाज देश के लोकतांत्रिक संस्कारों का परिचय देती है। जब किसी वैज्ञानिक या शिक्षाविद के विचारों का उत्तर तथ्यों के बजाय व्यंग्य और उपहास से दिया जाता है, तब प्रश्न प्रश्न उठना स्वभाविक है, यह प्रश्न बौद्धिक विमर्श की गुणवत्ता का है।

कांग्रेस सांसद प्रियंका गांधी द्वारा लोकसभा में भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान (आईआईटी) मद्रास के निदेशक प्रोफेसर वी. कामकोटि को ₹गोमूत्र विशेषज्ञ₹ कहकर संबोधित किए जाने के बाद देशभर के 215 वर्तमान एवं पूर्व कुलपतियों तथा शिक्षाविदों का खुला पत्र इसी व्यापक चिंता को व्यक्त करता है। यह पत्र किसी राजनीतिक दल के समर्थन या विरोध में नहीं लिखा गया है। वस्तुतः इसका मूल आग्रह यह है कि लोकतांत्रिक असहमति का आधार तर्क, प्रमाण और शिष्ट भाषा होनी चाहिए।

संसद की गरिमा भी तीखी आलोचना से अधिक इस बात से बढ़ती है कि आलोचना कितनी तथ्यपरक और मर्यादित रही। लोकतंत्र में विपक्ष का दायित्व सरकार से कठिन प्रश्न पूछना है। वह पूछे; इससे कौन उसे रोक रहा है। सरकारी समितियों की संरचना पर सवाल उठाना भी उसका अधिकार है, पर यदि किसी सदस्य की योग्यता या विचारों पर आपत्ति है तो उसे तथ्यों के आधार पर चुनौती दी जानी चाहिए न कि उपहास उड़ाकर !

प्रोफेसर वी. कामकोटि का नाम पिछले वर्ष तब चर्चा में आया था, जब उन्होंने गोमूत्र के कुछ संभावित औषधीय गुणों का उल्लेख करते हुए वैज्ञानिक अध्ययनों का हवाला दिया। उनके इन दावों का व्यापक विरोध भी हुआ और समर्थन भी। स्वयं प्रोफेसर कामकोटि ने अपने पक्ष में प्रकाशित शोधपत्रों और वैज्ञानिक अध्ययनों का उल्लेख किया। इनमें 2021 में प्रकाशित एक शोध में गोमूत्र के कुछ पेप्टाइड्स की एंटीमाइक्रोबियल गतिविधि का उल्लेख किया गया था। साथ ही उसी अध्ययन में यह भी स्पष्ट कहा गया कि अन्य संभावित जैविक प्रभावों की पुष्टि के लिए व्यापक और अतिरिक्त अनुसंधान आवश्यक हैं। यही विज्ञान की कार्यप्रणाली है।

किसी निष्कर्ष को अंतिम सत्य मानने से पहले उसे लगातार परखा जाता है और नए प्रमाणों के आधार पर स्वीकार या अस्वीकार किया जाता है। यही कारण है कि विज्ञान में किसी विचार का उत्तर व्यंग्य न होकर शोध, शोध और शोध होता है, अनेक बार तो प्राप्त परिणामों को तब तक संदेह की दृष्टि से देखा जाता है, जब तक कि पूरी तरह से वैज्ञानिक आधार पर संतुष्ट नहीं हो जाते हैं, इसलिए यदि कोई दावा गलत भी है तो उसे प्रयोगशाला, शोधपत्र और वैज्ञानिक परीक्षण के माध्यम से गलत सिद्ध किया जाता है और यदि उसमें कुछ संभावना मौजूद है तो उसे और अधिक कठोर परीक्षणों से गुजारा जाता है।

आज अनेक साक्ष्य इस बात के भी मौजूद हैं कि समय की धार पर अनेक वैज्ञानिक अवधारणाएं प्रारंभ में अस्वीकार्य मानी गईं, लेकिन बाद में प्रमाणों के आधार पर स्वीकार की गईं। वहीं अनेक लोकप्रिय मान्यताएं समय के साथ वैज्ञानिक परीक्षणों में गलत भी साबित हुईं। इसलिए विज्ञान में न तो अंधस्वीकृति का स्थान है और न ही पूर्वाग्रहपूर्ण अस्वीकृति का। हर विचार की कसौटी प्रमाण होते हैं। वस्तुतः वैज्ञानिक समुदाय की यही परंपरा मानव सभ्यता की प्रगति का आधार भी रही है।

कहना होगा कि यह सिद्धांत राजनीति पर भी समान रूप से लागू होता है। राजनीतिक मतभेद लोकतंत्र में स्वीकार्य हैं, किंतु व्यक्तिगत उपहास लोकतांत्रिक संवाद की गुणवत्ता को कम करता है। संसद में प्रयुक्त शब्द देश की सार्वजनिक संस्कृति को प्रभावित करते हैं, इसलिए सत्ता पक्ष और विपक्ष, दोनों पर समान रूप से यह दायित्व है कि वे आलोचना को गरिमा और तथ्यों की सीमाओं के भीतर रखें।

आज सांसद प्रियंका गांधी को लिखा गया 215 कुलपतियों और शिक्षाविदों का पत्र इसी सिद्धांत की याद दिलाता है। उनका कहना है कि किसी विद्वान के विचारों से असहमत हुआ जा सकता है, किंतु उसके संपूर्ण शैक्षणिक योगदान को एक राजनीतिक विशेषण तक सीमित कर देना स्वस्थ बौद्धिक संस्कृति के अनुरूप नहीं है। यह चिंता इसलिए भी महत्वपूर्ण है क्योंकि विश्वविद्यालय और शोध संस्थान स्वतंत्र चिंतन के केंद्र होते हैं। यदि वहां कार्यरत विद्वानों को सार्वजनिक विमर्श में तर्कों के बजाय उपहास का सामना करना पड़े, तो इसका प्रतिकूल संदेश पूरे शैक्षणिक समुदाय तक जाता है।

इस पूरे विवाद का सबसे बड़ा संदेश यही है कि लोकतंत्र और विज्ञान, दोनों की शक्ति संवाद में निहित है। संवाद तब सार्थक बनता है, जब उसमें तर्क हों, प्रमाण हों और मयार्दा हो। यह सच है कि किसी भी विचार को स्वीकार करने या खारिज करने का अधिकार सभी को है, किंतु साथ में एक सच यह भी है कि किसी व्यक्ति की विद्वत्ता का मूल्यांकन उसके शोध, उसके तर्क और उसके योगदान से होना चाहिए, किसी राजनीतिक विशेषण से कदापि नहीं।

अतः इस संदर्भ में अच्छा हो कि सांसद कांग्रेस सांसद प्रियंका गांधी वाड्रा अपनी भूल सुधारें, देश के वैज्ञानिक समुदाय से खासकर जिनके बारे में उन्होंने संसद में अनुचित बोला है, उनसे माफी मांग लें। वैसे भी भारतीय लोकतंत्र की परिपक्वता भी इसी में है कि संसद में विचारों का विमर्श तीखा हो सकता है, पर भाषा संयमित रहना चाहिए। याद रहे, असहमति लोकतंत्र को मजबूत करती है, जबकि उपहास विमर्श को कमजोर करता है। यदि हम स्वस्थ लोकतांत्रिक और वैज्ञानिक संस्कृति का निर्माण करना चाहते हैं, तो विचारों का उत्तर विचारों से और तर्कों का उत्तर तर्कों से देना ही सबसे उपयुक्त मार्ग है। उम्मीद करेंगे कि कांग्रेस की सांसद एवं राष्ट्रीय महासचिव प्रियंका गांधी वाड़ा इस बात की गंभीरता को समझेंगी।

पाक अधिकृत कश्मीर में बदलाव की तस्वीर

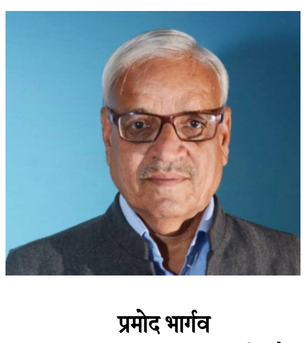

प्रमोद भार्गव

पाकिस्तान अधिकृत कश्मीर में क्षेत्रीय विधानसभा चुनाव की प्रक्रिया के दौरान लगातार हालात हिंसक एवं तनावपूर्ण हुए हैं। रावलकोट और मीरपुर में हिंसा के चलते संयुक्त अवामी एक्शन कमेटी (जेएएसी) के निहत्थे प्रदर्शनकारियों पर सुरक्षा बलों ने गोली चलाकर 37 लोगों को मौत के घाट उतार दिया है। मानवाधिकार संगठनों ने पीओजेके के इन हालातों पर गंभीर चिंता जताई है।

गौरतलब है कि जेएएसी पिछले करीब दो माह से पीओजेके की तथाकथित विधानसभा की 12 विवादित सीटों को लेकर आंदोलन चला रही है। संगठन का आरोप है कि ये ह्यशरणार्थी निर्वाचन क्षेत्रह्न उन मतदाताओं को जरूरत से ज्यादा महत्व देते हैं, जो पीओजेके के मूल निवासी नहीं है। इनमें से ज्यादातर की वैधानिक पुष्टि भी नहीं हुई है। पाकिस्तान सरकार इन सीटों के जरिए अपनी पसंद की सरकार चुनवा कर मर्जी का प्रधानमंत्री बनाना चाहती है। इसी मनमानी को लेकर विरोध प्रदर्शन चल रहे हैं। इसके अलावा बिजली, सस्ता आटा और अन्य खाद्य सामग्री की कमी भी आक्रोश का कारण बनी हुई है। भारत ने इन इन चुनावों को पाकिस्तान के अवैध कब्जे को वैध दिखाने की कोशिश कहा है। जबकि यह भारत का अभिन्न हिस्सा है।

पीओजेके में 27 जुलाई से 10 अगस्त तक तीन चरणों में चुनाव होने हैं। चुनावों में कुल 45 सीटों में से 12 सीटें शरणार्थियों के लिए आरक्षित हैं। किंतु गुलाम जम्मू-कश्मीर के शरणार्थियों के लिए आरक्षित सीटें मंजूर नहीं हैं। इसलिए जम्मू-कश्मीर और गिलगित-बाल्टिस्तान के लोग जबरदस्त विरोध में उतर आए हैं। इस विरोध के चलते पहले 46 प्रदर्शनकारी और अब मतदान के दौरान 37 लोग मारे जा चुके हैं, सैंकड़ों लोग घायल हैं। पाक आर्मी और पुलिस के इस दमन एवं नरसंहार से आंदोलनकारियों का गुस्सा और भड़क गया है। इस नाराजगी को दबाने के लिए पुंछ, मीरपुर एवं मुजफ्फराबाद में बड़ी संख्या में अतिरिक्त अर्धसैनिक बल तैनात कर दिए हैं। दरअसल लोगों का गुस्सा इसलिए फूट रहा है क्योंकि ये चुनाव अंतरराष्ट्रीय समुदाय एवं मानवाधिकार आयोग को यह दिखाने के लिए कराए जा रहे हैं कि पाकिस्तान लोकतंत्र का पैरोकार है। लेकिन यह पूरा नाटक फरेब की नौटंकी के अलावा कुछ नहीं है। भारत भी इस चुनाव के विरोध में है।

इस विरोध का प्रमुख कारण पीओजेके में विधानसभा की 45 निर्वाचित सीटों में से 12 सीटों का शरणार्थियों के लिए आरक्षित करना है। जेएएसी का आरोप है कि इन सीटों के कारण स्थानीय लोगों का राजनीतिक प्रतिनिधित्व प्रभावित हो रहा है। संगठन लंबे समय से इन सीटों को समाप्त करने की मांग कर रहा है। चुनाव के ठीक पहले यह मुद्दा राजनीतिक रूप से अत्यंत संवेदनशील बन गया है। इस मुद्दे के साथ-साथ आमजन बढ़ती महंगाई, गेहूं और आटे की उपलब्धता में कमी, बिजली दरों में वृद्धि, बेरोजगारी तथा स्थानीय प्रशासनिक अधिकारों की मांग को भी आगे बढ़ा रहा है। दरअसल शरणार्थियों के लिए सीटें आरक्षित करने का मतलब स्थानीय लोगों को जनप्रतिनिधित्व से बहिष्कृत करने का संवैधानिक उपाय पाकिस्तान ने मान लिया है। अतएव ये चुनावी फरेब पीओजेके पर अवैध कब्जे को वैध ठहराने का उपाय भर है। पाकिस्तान इस चुनाव के जरिए यह जताने का उपक्रम कर लेता है कि वह लोकतंत्र का पक्षधर होने के साथ भू-राजनीतिक शक्ति भी है। इस परिप्रेक्ष्य में भारत को इस चुनावी हथकंडे को राष्ट्रीय सुरक्षा नीति के परिदृश्य में इसे एक बड़े मुद्दे के रूप में अंतरराष्ट्रीय समुदाय के समक्ष पेश करने के साथ हस्तक्षेप की मांग करने की जरूरत है।

हालांकि पीओके में हुई हिंसा को लेकर भारतीय विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता रणधीर जायसवाल ने पाक पर करारा हमला बोला है। कहा है कि पाकिस्तान को उसके दुष्कर्मों और मानवाधिकारों के उल्लंघन के लिए उत्तरदायी ठहराना चाहिए। पाकिस्तान अपनी आंतरिक विफलताओं को छुपाने और मानवाधिकार उल्लंघनों से ध्यान भटकाने के लिए झूठी खबरों और फर्जी वीडियो का सहारा ले रहा है। जबकि पीओजेके में आर्मी और पुलिस ने बर्बर कार्रवाही की है। हम उम्मीद करते है कि विश्व समुदाय पाक के इन कृत्यों के लिए उसे जवाबदेह ठहराएगा। इसी बीच संयुक्त राष्ट्र संघ के गलियारों से ऐसी खबर आई है, जिसने आतंकवाद के मुद्दे पर वैश्विक कूटनीति के दोहरे मानदंडों को एक बार फिर से उजागर कर दिया है। संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद (यूएनएससी) में पाकिस्तान और चीन की साझा और बेहद महत्वाकांक्षी कोशिश को अमेरिका ने पूरी तरह से असफल कर दिया। इन दोनों देशों ने बलूचिस्तान लिबरेशन आर्मी (बीएलए) और उसके आत्मघाती दस्ते ह्यमजीद ब्रिगेडह्न को वैश्विक आतंकी संगठन घोषित करने के लिए एक प्रस्ताव पेश किया था, जिस पर अमेरिका ने फ्रांस और ब्रिटेन के साथ मिलकर वीटो लगा दिया है। दिलचस्प बात है कि खुद अमेरिका ने 2019 में बीएलए और मजीद ब्रिगेड को अपनी घरेलू फॉरेन टेररिस्ट आगेर्नाइजेशन सूची में शामिल किया था। बावजूद वैश्विक मंच पर चीन और पाकिस्तान के इस साझा प्रस्ताव को अमेरिका और उसके पष्चिमी सहयोगियों द्वारा रोका जाना बड़ा कूटनीतिक संदेश है।

यह वही चीन है, जिसने अतीत में भारत और अमेरिका द्वारा पाकिस्तानी आतंकियों को वैश्विक प्रतिबंधित आतंकवादी सूची में डालने से जुड़े कई प्रस्तावों पर वीटो लगा दिया था। सुरक्षा परिषद् का यह घटनाक्रम संकेत देता है कि आतंकवाद के खिलाफ लड़ाई केवल सरहदों पर ही नहीं बल्कि बंद कमरों में भी कुटिल कूटनीति के लिए लड़ी जाती है। पीओजेके में वर्तमान नरसंहार को लेकर ब्रिटेन के 50 सांसदों ने भी अंतरराष्ट्रीय समुदायों के समक्ष चिंता जताई है। भारत को पीओजेके में उभरे इस आंतरिक संकट और नरसंहार से सावधान रहने की जरूरत है। क्योंकि धूर्त पाकिस्तान इस ओट में अपनी पुरानी और नापाक चालें चलते हुए प्रशिक्षित आतंकियों की भारतीय सीमा में घुसपैठ कराने की चाल चल सकता है। हालांकि भारतीय खुफिया एजेंसी आईबी ने चेतावनी दी है कि पाकिस्तानी खुफिया एजेंसी आईएसआई इस अराजकता और खून-खराबे की आड़ में नियंत्रण रेखा पर आतंकियों की घुसपैठ कराकर जम्मू-कश्मीर तथा भारत के अन्य नगरों में हिंसा व अशांति फैलाने की दृष्टि से आत्मघाती हमले करा सकती है। हालांकि भारतीय सुरक्षा बल हाई अलर्ट पर हैं।

इधर, पीओजेके में आमजनों पर सुरक्षा बलों की बर्बरता को पाकिस्तान के रक्षा मंत्री ख्वाजा आसिफ ने उचित ठहराया है। उन्होंने अधिकारों और पहचान दिए जाने की मांग कर रहे कश्मीरियों को भारत जैसा दुश्मन करार दिया है। आसिफ के इस बयान को इस तथ्य की स्वीकार्यता माना जा रहा है कि गुलाम जम्मू-कश्मीर के लोग भारतीय जम्मू-कश्मीर की भूमि का हिस्सा हैं। हकीकत भी यही है। पीओजेके की परिधि में आने वाले गिलगित-बाल्टिस्तान वास्तव में भारत के जम्मू-कश्मीर राज्य के हिस्सा हैं। बावजूद पाकिस्तान के नाजायज कब्जे में हैं। लेकिन यहां के नागरिकों ने इस बलात कब्जे को कभी नहीं स्वीकारा। यहां तभी से राजनीतिक अधिकारों के लिए लोकतांत्रिक आवाजें उठ रही हैं और पाक सरकार इन लोगों पर दमन और अत्याचार का सिलसिला जारी रखे हुए है। साफ है, पाक की आजादी के साथ गिलगिट-बाल्टिस्तान का मुद्दा जुड़ा हुआ है। पाकिस्तान की कुल भूमि का 40 फीसदी हिस्सा यहीं है लेकिन इसका विकास नहीं हुआ है। करीब 1 करोड़ 30 लाख की आबादी वाले इस हिस्से में सर्वाधिक बलूच हैं इसलिए इसे गिलगिट-बलूचिस्ताल भी कहा जाता है। पाक और बलूचिस्तान के बीच संघर्ष 1945, 1958, 1962-63, 1973-77 में होता रहा है। 1977 में पाकिस्तान द्वारा दमन के बाद करीब 2 दशक तक यहां शांति रही। लेकिन 1999 में परवेज मुशर्रफ सत्ता में आए तो उन्होंने बलूच भूमि पर सैनिक अड्डे खोल दिए। इसे बलूचों ने अपने क्षेत्र पर अवैध कब्जे की कोशिश माना और फिर से संघर्ष तेज हो गया। इसके बाद यहां कई अलगाववादी आंदोलन वजूद में आए, इनमें प्रमुख बलूचिस्तान लिबरेशन आर्मी है। यहां की विधानसभा को अपने बूते कोई कानून बनाने का अधिकार नहीं है। सारे फैसले एक परिषद लेती है, जिसके अध्यक्ष पाकिस्तान के पदेन प्रधानमंत्री होते हैं। लिहाजा चुनाव के बावजूद यहां विद्रोह की आग सुलगी रहती है। यह आग उन सब इलाकों में सुलगी रहती है, जो शिया बहुल हैं। सुन्नी बहुल पाकिस्तान में शिया और अहमदिया मुस्लिमों समेत सभी धार्मिक अल्पसंख्यक प्रताड़ित किए जा रहे हैं। अहमदिया मुस्लिमों के साथ तो पाकिस्तान के मुस्लिम समाज और हुकूमत ने भी ज्यादती बरती है। 1947 में उन्हें गैर मुस्लिम घोषित कर दिया गया था। तब से वे न केवल बेगाने हैं बल्कि हिंदू, सिख व ईसाइयों की तरह मजहबी चरमपंथियों के निशाने पर भी रहते हैं।

इस क्षेत्र में चीन बड़ा निवेश कर रहा है। ग्वादर में एक बड़ा बंदरगाह बनाया है। चीन की एक और बड़ी योजना है, चाइना-पाकिस्तान इकोनामिक कॉरिडोर जिसकी लागत 3 लाख 51 हजार करोड़ है। यह गलियारा गिलगिट-बाल्टिस्तान से गुजर रहा है। इस गलियारे के निर्माण में लगे चीनी नागरिकों की आतंकी संगठन बीएलए हत्या कर रहा है। चूंकि यह क्षेत्र अधिकारिक रूप से भारत का है इसलिए भारत भी इस परियोजना का लगातार विरोध कर रहा है। पाकिस्तान रणनीतिक रूप से गिलगित-बाल्टिस्तान को पांचवां प्रांत बना लेने की फिराक में है। चूंकि यह क्षेत्र आधिकारिक रूप से भारत के जम्मू-कश्मीर प्रांत का हिस्सा है इसलिए यहां कोई भी बदलाव कई अंतरराष्ट्रीय समझौतों का उल्लंघन होगा।

अतएव इन क्षेत्रों को पाकिस्तान के कब्जे से मुक्त करना भारत की राष्ट्रीय सुरक्षा रणनीति होना चाहिए। क्योंकि भारत के पास अपनी स्थिति को मजबूती से रखने के लिए राजनीतिक कानूनी और संवैधानिक आधार मौजूद हैं। पाकिस्तान यहां सुन्नी मुसलमानों की संख्या बढ़ाकर इस पूरे क्षेत्र का जनसंख्यात्मक घनत्व बदलने के प्रयास में भी लगा है। इन कारणों से यहां के मूल बलूचों की पाकिस्तान के प्रति जबरदस्त नाराजी है और वे निर्णायक लड़ाई लड़के भारत में विलय होने की कोशिश में हैं।

कॉवड़ यात्रा : आस्था की पदयात्रा

रमाकांत पाण्डेय

हर-हर महादेव। बोल बम।

श्रावण मास का प्रथम मेघ जब हिमालय की चोटियों से टकराकर भारतभूमि पर बरसता है, तब केवल ऋतु नहीं बदलती, भारत की आत्मा जाग उठती है। वर्षा की पहली बूँद जैसे ही धरती को स्पर्श करती है, वैसे ही करोड़ों शिवभक्तों के हृदयों में भक्ति का एक अथाह सागर उमड़ पड़ता है। उत्तर भारत की सड़कें, गाँवों की पगडंडियाँ, महानगरों के राजमार्ग, कस्बों की गलियाँ और तीर्थों के पावन तट एक ही स्वर से गूंज उठते हैं- बोल बम। हर-हर महादेव। उस समय भारत केवल एक भूभाग नहीं रह जाता, वह चलता-फिरता शिवमय तीर्थ बन जाता है। यदि आधुनिक विज्ञान के उपग्रहों, विमानों अथवा आकाश में उड़ते ड्रोन से श्रावण मास में भारत की इस यात्रा को देखा जाए, तो एक अद्भुत दृश्य दिखाई देता है। ऐसा प्रतीत होता है मानो करोड़ों शिवभक्तों ने अपने भगवा वस्त्रों से संपूर्ण माँ भारती का श्रृंगार कर दिया हो। हरिद्वार से लेकर दिल्ली, पश्चिमी उत्तर प्रदेश, हरियाणा, राजस्थान, पंजाब, हिमाचल, उत्तराखण्ड, बिहार, झारखंड और देश के अनेक भागों तक भगवा रंग की अनगिनत धाराएँ एक साथ प्रवाहित होती दिखाई देती हैं। यह दृश्य केवल

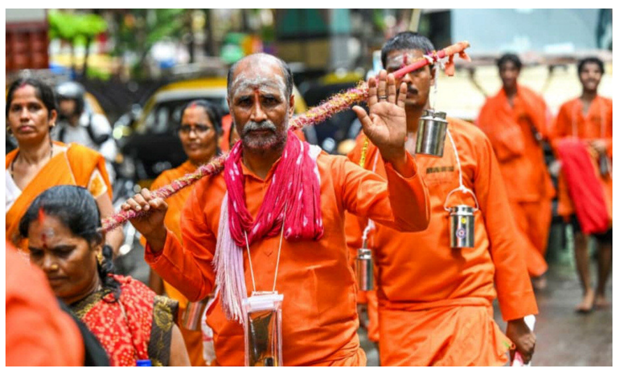

यात्रियों का नहीं, बल्कि हजारों वर्षों से प्रवाहित भारतीय संस्कृति की जीवनधारा का दृश्य है। यह किसी राजनीतिक शक्ति का प्रदर्शन नहीं, किसी संस्था का अभियान नहीं और किसी प्रचार का आयोजन भी नहीं है। यह लोकआस्था का वह महासागर है जो बिना किसी निमंत्रण के स्वयं उमड़ पड़ता है। करोड़ों लोग अपने श्रम, अपने समय और अपने संसाधनों से केवल एक संकल्प लेकर निकलते हैं-भगवान शिव का जलाभिषेक करना है। यही सनातन की शक्ति है, यही भारत की सांस्कृतिक चेतना है। दुनिया के अनेक देशों में विशाल धार्मिक आयोजन होते हैं, किंतु करोड़ों लोगों का बिना किसी सरकारी आदेश, बिना किसी आर्थिक प्रलोभन और बिना किसी प्रचार अभियान के सैकड़ों किलोमीटर पैदल चल पड़ना-यह दृश्य भारत की सनातन परंपरा को अद्वितीय बनाता है। यह यात्रा सिद्ध करती है कि भारतीय समाज की आत्मा आज भी अपनी संस्कृति, अपनी आस्था और अपनी परंपराओं से गहराई से जुड़ी हुई है। कॉवड़ यात्रा केवल जल लाने की यात्रा नहीं है। यह मनुष्य के भीतर सोई हुई श्रद्धा को जगाने की यात्रा है। यह अहंकार को उतारकर समर्पण को कंधे पर उठाने की यात्रा है। यह शरीर को कष्ट देकर आत्मा को प्रसन्न करने की यात्रा है। यह अपने लिए नहीं, अपने आराध्य के लिए चलने की यात्रा है।

लोकआस्था की अनन्त परंपरा

भारतीय पुराणों में वर्णित समुद्र-मंथन की कथा केवल धार्मिक आख्यान नहीं, बल्कि त्याग और लोकमंगल का सर्वोच्च संदेश है। जब कालकूट विष से समस्त सृष्टि संकट में पड़ी, तब भगवान शिव ने समस्त जगत के कल्याण के लिए उस विष को अपने कंठ में धारण किया। स्वयं कष्ट सहकर संसार को बचाने का यह आदर्श भारतीय संस्कृति का सर्वोच्च मानदंड है। ऐसी मान्यता है कि उस विष की ज्वाला को शांत करने के लिए देवताओं ने भगवान शिव को पवित्र जल अर्पित किया। तभी से श्रावण मास में शिव पर जलाभिषेक की परंपरा प्रारंभ हुई। गंगा स्वयं शिव की जटाओं से पृथ्वी पर अवतरित हुई हैं, इसलिए गंगाजल को शिवपूजन में सर्वोच्च स्थान प्राप्त है। हरिद्वार, गंगोत्री, गौमुख, सुल्तानगंज, देवघर, उज्जैन, ओंकारेश्वर, काशी, त्र्यंबकेश्वर, सोमनाथ, रामेश्वरम् और देश के अनेक शिवधाम इस आस्था के साक्षी हैं। उत्तर में हिमालय से लेकर दक्षिण में समुद्र तट तक, पूर्व में बैद्यनाथ धाम से लेकर पश्चिम में सोमनाथ तक, भगवान शिव के प्रति भारतीय समाज की श्रद्धा एक ही सूत्र में पिरोई हुई दिखाई देती है। यही भारत की सांस्कृतिक एकात्मता का सबसे सशक्त प्रमाण है। युवा शक्ति का सबसे बड़ा सांस्कृतिक अभियान आज का समय कृत्रिम बुद्धिमत्ता, सोशल मीडिया, त्वरित मनोरंजन और डिजिटल जीवनशैली का समय है। आज की पीढ़ी को कहा जाता है। अनेक बार यह कहा जाता है कि यह पीढ़ी अपनी संस्कृति से दूर हो रही है, उसका संबंध केवल मोबाइल स्क्रीन तक सीमित रह गया है। किंतु श्रावण मास का दृश्य इन सभी धारणाओं को पूरी तरह असत्य सिद्ध कर देता है। जैसे ही सावन प्रारंभ होता है, वही युवा जो वर्षभर आधुनिक जीवन की व्यस्तताओं में दिखाई देता है, भगवा धारण कर अपने मित्रों के साथ गंगाजल लेने निकल पड़ता है। वह किलोमीटरों नहीं, सैकड़ों किलोमीटर पैदल चलता है। वह वर्षा, धूप, थकान, भूख और पीड़ा को मुस्कुराकर स्वीकार करता है। उसके पैरों में छाले होते हैं, किंतु उसके चेहरे पर थकान नहीं, बल्कि आनंद झलकता है। उसके कंधे पर कॉवड़ होती है, पर वास्तव में वह अपने संस्कारों, अपनी परंपरा और अपनी सभ्यता की जिम्मेदारी उठा रहा होता है।

राष्ट्रीय हित बनाम वैश्विक प्रतिबद्धता : जब दुनिया की बड़ी ताकतें अंतरराष्ट्रीय समझौतों से बाहर निकल गईं

अमरेश द्विवेदी

दुनिया की राजनीति में एक प्रसिद्ध कथन है, राष्ट्रों के स्थायी मित्र या शत्रु नहीं होते बल्कि उनके स्थायी हित होते हैं। अंतरराष्ट्रीय कूटनीति का इतिहास इस कथन की अनेक बार पुष्टि करता है। जब भी किसी वैश्विक संधि, समझौते या अंतरराष्ट्रीय संगठन की सदस्यता किसी देश को अपने आर्थिक, सामरिक या राजनीतिक हितों के विरुद्ध लगती है तो वह उससे अलग होने या उसकी शर्तों को बदलने का प्रयास करता है। पिछले चार दशकों में अमेरिका, रूस, ब्रिटेन और अन्य बड़ी शक्तियों ने कई ऐसे फैसले लिए हैं, जिन्होंने वैश्विक राजनीति की दिशा बदल दी। इनमें जलवायु परिवर्तन, परमाणु हथियार नियंत्रण, व्यापार, मानवाधिकार और स्वास्थ्य जैसे महत्वपूर्ण क्षेत्र शामिल हैं। हाल के वर्षों, विशेषकर 2025 और 2026 के घटनाक्रमों ने भी यह स्पष्ट कर दिया है कि वैश्विक संस्थाओं की शक्ति उतनी ही मजबूत होती है, जितनी सदस्य देशों की राजनीतिक इच्छा।

पेरिस जलवायु समझौता : बदलती सरकार, बदलती नीति

2015 का पेरिस जलवायु समझौता दुनिया के लगभग सभी देशों के बीच जलवायु परिवर्तन से निपटने के लिए हुआ था। लेकिन 2017 में अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने यह कहते हुए इससे बाहर निकलने की घोषणा की कि यह समझौता अमेरिकी उद्योगों और रोजगार के लिए नुकसानदायक है तथा चीन और भारत जैसे देशों को अनुचित लाभ देता है। 2021 में राष्ट्रपति जो बाइडेन ने अमेरिका की दोबारा वापसी कराई और जलवायु परिवर्तन को अपनी प्राथमिकताओं में शामिल किया। लेकिन 2025 में ट्रंप प्रशासन की वापसी के बाद अमेरिका ने एक बार फिर पेरिस समझौते से हटने की प्रक्रिया शुरू कर दी। इससे यह स्पष्ट हो गया कि दुनिया की सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था की जलवायु नीति घरेलू राजनीति से गहराई से प्रभावित होती है।

विश्व स्वास्थ्य संगठन से दूरी

कोविड-19 महामारी के दौरान अमेरिका ने विश्व स्वास्थ्य संगठन (डब्ल्यूएचओ) पर चीन के प्रति पक्षपात का आरोप लगाया और संगठन से बाहर निकलने की प्रक्रिया शुरू की थी। बाद में बाइडेन प्रशासन ने इसे वापस ले लिया। हालांकि, 2025 में ट्रंप प्रशासन ने दोबारा अमेरिका को डब्ल्यूएचओ से बाहर करने का निर्णय लिया। अमेरिका का तर्क था कि संगठन में व्यापक सुधार की आवश्यकता है और वर्तमान व्यवस्था अमेरिकी हितों के अनुरूप नहीं है। इस फैसले ने वैश्विक स्वास्थ्य सहयोग को लेकर नई बहस छेड़ दी।

ईरान परमाणु समझौता

राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के नेतृत्व में अमेरिका 2015 के जॉइंट कॉम्प्रिहेंसिव प्लान ऑफ एक्शन (जेसीपीओए) से 2018 में एकतरफा तौर पर खुद को अलग कर लिया और दूसरे हस्ताक्षरकताओं (ब्रिटेन, फ्रांस, जर्मनी, रूस, चीन और यूरोपीय संघ) के विरोध के बावजूद फिर से ईरान पर प्रतिबंध लगा दिए। अमेरिका का तर्क था कि यह डील बुनियादी तौर पर खराब थी। ट्रंप ने इसे अबतक का सबसे खराब डील कहा। अमेरिका का कहना है कि इसमें ईरान के बैलिस्टिक मिसाइल प्रोग्राम, क्षेत्रीय प्रॉक्सी गतिविधियों और सनसेट क्लॉज (समय-सीमा वाली शर्तें) जैसे मुद्दों को ठीक से नहीं सुलझाया गया था, जिनकी वजह से ईरान को आगे चलकर एडवांस्ड न्यूक्लियर काम फिर से शुरू करने की इजाजत मिल जाती। ट्रंप इसे एक बुरा सौदा मानते थे जिससे ईरान तो मजबूत हुआ लेकिन उसके न्यूक्लियर इरादों या अमेरिका के सहयोगियों पर कोई खास रोक नहीं लगी। इसे एक राजनीतिक प्रतिबद्धता माना गया जिसका लागू होना अमेरिका की इच्छाशक्ति पर निर्भर था। मौका देखकर अमेरिका इस डील से बाहर निकल गया। 2025-2026 में इसी मुद्दे को लेकर भयंकर युद्ध हुआ है।

आईएनएफ संधि का अंत

अमेरिका ही नहीं दुनिया के दूसरे देश भी अंतरराष्ट्रीय संधियों का अपनी सुविधा के अनुसार व्याख्या करते रहे हैं। 1987 में अमेरिका और सोवियत संघ (अब रूस) के बीच एक समझौता हुआ। यह एक परमाणु नियंत्रण समझौता था, इसमें 500 से 5500 किलोमीटर रेंज वाली जमीन से लॉन्च होने वाली मिसाइलों को पूरी तरह प्रतिबंधित किया गया था। यह शीत युद्ध को कम करने वाला ऐतिहासिक समझौता था। इसके बावजूद दोनों देश अपने मिशन पर गुप्त रूप से लगे रहे। अमेरिका ने 2019 में अपनी ज़िम्मेदारियों से पीछ हट गया। फिर रूस ने भी ऐसा ही किया। इसके बाद इंटरमीडिएट-रेंज न्यूक्लियर फोर्सेस ट्रीटी खत्म हो गई। अमेरिका ने रूस पर संधि का गंभीर उल्लंघन करने का आरोप लगाया और कहा कि रूस प्रतिबंधित 9एम729/एसएससी-8 मिसाइल बना रहा है। रूस ने तर्क दिया कि अमेरिका/नाटो की गतिविधियों (जैसे यूरोप में मिसाइल डिफेंस सिस्टम) और सुरक्षा के बदलते माहौल के कारण यह संधि अब पुरानी हो चुकी है। चीन द्वारा बिना किसी रोक-टोक के इंटरमीडिएट-रेंज मिसाइलें बनाई जा रही हैं। इसलिए अब इस संधि का कोई मतलब नहीं है। यानी इस संधि को लेकर किसी देश की प्रतिबद्धता नहीं थी। दोनों पक्षों ने संधि का पालन करना बंद कर दिया, जिससे यह संधि खत्म हो गई।

ओपन स्काइज संधि

ओपन स्काइज संधि का उद्देश्य सदस्य देशों के बीच सैन्य गतिविधियों में पारदर्शिता बढ़ाना था। इसके तहत सदस्य देश एक-दूसरे के ऊपर निगरानी उड़ानें भर सकते थे। 2020 में अमेरिका ने इस संधि से हटने की घोषणा की। कुछ समय बाद रूस भी इससे अलग हो गया। परिणामस्वरूप शीतयुद्ध के बाद स्थापित विश्वास निर्माण की एक महत्वपूर्ण व्यवस्था समाप्त हो गई।

यूनेस्को और संयुक्त राष्ट्र संस्थाओं से अमेरिका की दूरी

अमेरिका कई बार संयुक्त राष्ट्र की विभिन्न संस्थाओं से बाहर निकल चुका है। 1984 में उसने यूनेस्को छोड़ा, बाद में लौटा और फिर 2017 में दोबारा बाहर निकल गया। इसके पीछे वित्तीय बोझ और राजनीतिक पक्षपात जैसे कारण बताए गए। बाद के वर्षों में अमेरिका फिर संगठन में शामिल हुआ। इससे यह स्पष्ट होता है कि अंतरराष्ट्रीय संस्थाओं के साथ संबंध अक्सर सरकारों के बदलने के साथ बदलते रहते हैं।

रूस और यूरोपीय सुरक्षा व्यवस्था

यूक्रेन युद्ध के बाद रूस और पश्चिमी देशों के संबंधों में अभूतपूर्व तनाव आया। रूस ने 2023 में यूरोप की पारंपरिक सशस्त्र बल संधि (सीएफई) से हटने की घोषणा की। मॉस्को का कहना था कि नाटो के लगातार विस्तार ने इस संधि को अप्रासंगिक बना दिया है। रूस ने यूरोप की कई अन्य व्यवस्थाओं और संस्थागत ढांचों से भी दूरी बनाई। दूसरी ओर पश्चिमी देशों ने रूस पर अंतरराष्ट्रीय कानूनों के उल्लंघन का आरोप लगाया।

ब्रिटेन और ब्रेक्जिट

ब्रेक्जिट आधुनिक इतिहास की सबसे महत्वपूर्ण राजनीतिक घटनाओं में गिना जाता है। 2016 के जनमत संग्रह में ब्रिटिश जनता ने यूरोपीय संघ छोड़ने के पक्ष में मतदान किया और 2020 में ब्रिटेन औपचारिक रूप से यूरोपीय संघ से बाहर हो गया। ब्रेक्जिट समर्थकों का तर्क था कि इससे ब्रिटेन अपनी सीमाओं, कानूनों, व्यापार और आव्रजन नीति पर पूर्ण नियंत्रण प्राप्त करेगा। जबकि आलोचकों का मानना था कि इससे व्यापार, निवेश और श्रम बाजार पर नकारात्मक प्रभाव पड़ेगा।

चीन की अलग रणनीति

चीन बहुत कम अवसरों पर किसी अंतरराष्ट्रीय समझौते से पूरी तरह बाहर निकला है। फि लीपींस की ओर से लाए गए एक मामले में यूएनसीएलओएस (समुद्र के कानून पर संयुक्त राष्ट्र कन्वेंशन) ने चीन के खिलाफ फैसला सुनाया और दक्षिण चीन सागर में चीन की ओर से कृत्रिम द्वीप बनाने को गलत करार दिया। चीन ने इस फैसले को पूरी तरह से खारिज कर दिया। चीन ने कभी भी ट्रिब्यूनल के अधिकार क्षेत्र को स्वीकार नहीं किया। उसका तर्क था कि इस विवाद में संप्रभुता का मामला शामिल है, जिस पर ट्रिब्यूनल कोई फैसला नहीं दे सकता है और द्विपक्षीय बातचीत ही सही रास्ता है। उसने इस फैसले को गैर-कानूनी और राजनीतिक मकसद से प्रेरित माना और कहा कि यह उसकी निर्विवाद क्षेत्रीय संप्रभुता और समुद्री अधिकारों पर बाध्यकारी नहीं है। इसके बावजूद चीन ने अपनी गतिविधियां जारी रखीं।

इसके अलावा उसकी नीति आमतौर पर अंतरराष्ट्रीय संस्थाओं के भीतर रहते हुए अपने प्रभाव को बढ़ाने की रही है। इसके साथ ही चीन ने एशियन इंफ्रास्ट्रक्चर इन्वेस्टमेंट बैंक (एआईआईबी), बेल्ट एंड रोड इनिशिएटिव (बीआरआई) और ब्रिक्स जैसे मंचों को मजबूत कर वैश्विक आर्थिक और राजनीतिक व्यवस्था में अपनी भूमिका का विस्तार किया है।

विश्व हेपेटाइटिस दिवस पर एतवारी सेवा संस्थान ने लगाया स्वास्थ्य जागरूकता शिविर

विश्व हेपेटाइटिस दिवस के अवसर पर एतवारी सेवा संस्थान, छतरपुर द्वारा ई-107/1 (हरेकृष्णा कॉटेज), छतरपुर एक्सटेंशन में स्वास्थ्य जागरूकता शिविर एवं गोष्ठी का आयोजन किया गया।

शिविर में लगभग 70-80 लोगों की स्वास्थ्य जांच कर उन्हें लिवर संबंधी रोगों की रोकथाम, समय पर जांच तथा आयुर्वेद, योग, प्राकृतिक चिकित्सा एवं एक्यूप्रेशर के माध्यम से सुरक्षित एवं प्राकृतिक उपचार की जानकारी दी गई k

कार्यक्रम का शुभारंभ हठयोगी आयुर्वेदाचार्य साहिल नाथ बाबा ने भगवान धन्वंतरि के चित्र पर पुष्पांजलि अर्पित कर एवं दीप प्रज्वलित करके किया। उन्होंने अपने संबोधन में लिवर को स्वस्थ रखने वाली अनेक प्राकृतिक जड़ी-बूटियों एवं वनौषधियों की उपयोगिता बताते हुए लोगों से प्रकृति आधारित जीवनशैली अपनाने का आह्वान किया।

संस्था के अध्यक्ष एवं प्राकृतिक योग चिकित्सक डॉ. अशोक कुमार ने संतुलित एवं पौष्टिक भोजन, नियमित योगाभ्यास तथा भारतीय चिकित्सा पद्धतियों आयुर्वेद, प्राकृतिक चिकित्सा एवं एक्यूप्रेशर को स्वस्थ जीवन का आधार बताया। उन्होंने लोगों से रोग होने से पहले ही स्वास्थ्य के प्रति सजग रहने का संदेश दिया। बिहारी वेलफेयर सोसाइटी के राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री संजय भाई ने बच्चों में बढ़ती फास्ट फूड की प्रवृत्ति पर चिंता व्यक्त करते हुए स्वस्थ एवं पौष्टिक भोजन अपनाने का आग्रह किया।

वहीं सीआईएसएफ से सेवानिवृत्त एवं लेखक श्री विजय कुमार ने आयुर्वेद को अपनाकर निरोग जीवन जीने का संदेश दिया।

कार्यक्रम के अंत में संस्था के कोषाध्यक्ष श्री पुष्पा लाल मीणा ने सभी अतिथियों, सहयोगियों एवं उपस्थित नागरिकों का आभार व्यक्त करते हुए कार्यक्रम की सफलता के लिए सभी का धन्यवाद ज्ञापित किया।

कार्यक्रम का समापन स्वस्थ एवं जागरूक समाज के निर्माण के संकल्प के साथ हुआ।

मैक्स नोएडा ने रोबोटिक हाई-इंटेंसिटी फोकस्ड अल्ट्रासाउंड तकनीक की किया शुरूआत

लोकलाइज्ड प्रोस्टेट कैंसर के इलाज के लिए उत्तर भारत की पहली तकनीक

गौतमबुद्ध नगर। मैक्स सुपर स्पेशियलिटी हॉस्पिटल, नोएडा ने आज लोकलाइज्ड प्रोस्टेट कैंसर के उपचार के लिए उत्तर भारत की पहली रोबोटिक हाई-इंटेंसिटी फोकस्ड अल्ट्रासाउंड (HIFU) – फोकल वन (Focal One) तकनीक की शुरूआत की। यह अत्याधुनिक रोबोटिक HIFU प्लेटफॉर्म अत्यधिक केंद्रित अल्ट्रासाउंड ऊर्जा का उपयोग कर प्रोस्टेट में मौजूद कैंसरस टिशूस को बेहद सटीकता से नष्ट करता है, जिसमें किसी प्रकार की सर्जिकल चीरा या रेडिएशन की आवश्यकता नहीं होती। एडवांस्ड इमेजिंग और रोबोटिक तकनीक की मदद से यह उपचार कैंसरस हिस्से को लक्षित करता है, जबकि आसपास के स्वस्थ टिशूस को अधिकतम सुरक्षित रखने का प्रयास करता है।

यह तकनीक लोकलाइज्ड प्रोस्टेट कैंसर से पीड़ित सावधानीपूर्वक चयनित मरीजों के लिए एक नया उपचार विकल्प उपलब्ध कराती है। इसके संभावित लाभों में अस्पताल में कम समय तक भर्ती रहना, तेजी से रिकवरी, कॉम्प्लीकेशन्स का कम जोखिम तथा उपयुक्त मरीजों में यूरिन कंट्रोल और यौन क्षमता को बेहतर तरीके से सुरक्षित रखने की संभावना शामिल है।

इस अवसर पर मैक्स सुपर स्पेशियलिटी हॉस्पिटल, नोएडा, में

यूरोलॉजी विभाग के ग्रुप चेयरमैन और सेंटर ऑफ एक्सीलेंस फॉर प्रोस्टेट एंड यूरोलॉजिकल कैंसर्स एंड मेल हेल्थ के चेयरमैन - डॉ. (प्रो.) राजेश अहलावत, ने कहा, प्रोस्टेट कैंसर दुनिया भर में पुरुषों में सबसे अधिक पाए जाने वाले कैंसरों में से एक है।

भारत में भी बढ़ती जीवन प्रत्याशा, जागरूकता और स्क्रीनिंग के विस्तार के कारण इसके मामलों में लगातार वृद्धि हो रही है।

हालांकि सर्जरी और रेडिएशन थेरेपी जैसे पारंपरिक उपचार प्रभावी हैं, लेकिन अब मरीज ऐसे विकल्प चाहते हैं जो प्रभावी होने के साथ-साथ कम इनवेसिव भी हों।

रोबोटिक HIFU (फोकल वन) एक अत्यंत सटीक और लक्षित उपचार विकल्प है, जो मरीजों की जीवन गुणवत्ता को बेहतर बनाए रखने में मदद करता है।

यह प्रोस्टेट कैंसर के व्यक्तिगत और मिनिमली इनवेसिव उपचार की दिशा में एक महत्वपूर्ण उपलब्धि है।

इस अवसर पर मैक्स सुपर स्पेशियलिटी हॉस्पिटल, नोएडा के वाइस प्रेसिडेंट एवं यूनिट हेड - श्री अरविंद पाहवा, ने कहा, ह्लहमारा उद्देश्य हमेशा ऐसी अत्याधुनिक तकनीकों को अपनाना रहा है जो मरीजों के उपचार परिणामों को बेहतर बनाएं। हमें विश्वास है कि यह तकनीक उत्तर भारत में प्रोस्टेट कैंसर के उपचार के मानकों को नई दिशा देगी और विश्वस्तरीय स्वास्थ्य सेवाएं उपलब्ध कराने की हमारी प्रतिबद्धता को और मजबूत करेगी।

दुनिया के सबसे एडवांस्ड फोकल थेरेपी प्लेटफॉर्म में से एक को उत्तर भारत में उपलब्ध कराकर मैक्स सुपर स्पेशियलिटी हॉस्पिटल, नोएडा ने अत्याधुनिक, पेशेंट सेंट्रिक उपचार सुविधाओं तक लोगों की पहुंच को और व्यापक बनाया है तथा कैंसर उपचार के क्षेत्र में नए मानक स्थापित किए हैं।

सिप्ला हेल्थ का नया डब्ल्यू.एच.ओ. है तो वह ओआरएस है अभियान की किया शुरूआत

विश्व ओआरएस दिवस के अवसर पर, सिप्ला हेल्थ लिमिटेड ने प्रोलाइट ओआरएस के लिए अपना वार्षिक जागरूकता अभियान शुरू किया है, जिसका उद्देश्य उपभोक्ताओं को विश्व स्वास्थ्य संगठन (डब्ल्यू.एच.ओ.) द्वारा अनुमोदित मौखिक पुनर्जलीकरण घोल (ओरल रिहाइड्रेशन सॉल्यूशन) के लाभों को समझने के लिए प्रोत्साहित करना है। डब्ल्यू.एच.ओ. है तो वह ओआरएस है संदेश पर आधारित यह अभियान उपभोक्ताओं को ओआरएस खरीदते समय पैक पर डब्ल्यू.एच.ओ. अनुशंसित चिह्न देखने के लिए प्रेरित करना चाहता है। हालाँकि ओआरएस को लंबे समय से निर्जलीकरण (डिहाइड्रेशन) के प्रबंधन में एक महत्वपूर्ण सहायक के रूप में मान्यता प्राप्त है, फिर भी इसे अपनाने में कमी बनी हुई है। राष्ट्रीय परिवार स्वास्थ्य सर्वेक्षण-5 (एनएफएचएस-5) के आंकड़े बताते हैं कि दस्त (डायरिया) से पीड़ित पाँच वर्ष से कम आयु के केवल लगभग 62% बच्चों को ही ओआरएस मिला, जो निर्जलीकरण प्रबंधन के प्रति अधिक जागरूकता की आवश्यकता को रेखांकित करता है। उपयोग में आसान और अत्यधिक प्रभावी होने के बावजूद, ओआरएस से उपचार की दरें विभिन्न क्षेत्रों में काफी भिन्न बनी हुई हैं। शोध से पता चला है कि जिन क्षेत्रों में बाल दस्त का प्रसार अधिक है, वहाँ ओआरएस उपचार दरें लगातार कम पाई गई हैं और यद्यपि ओआरएस को व्यापक रूप से बचपन के दस्त के लिए प्राथमिक उपचार विकल्प माना जाता है, फिर भी इस अनुशंसा का पालन इष्टतम से बहुत दूर बना हुआ है, जिससे जागरूकता और वास्तविक उपयोग के बीच एक महत्वपूर्ण जानने-करने का अंतर उत्पन्न होता है। सिप्ला हेल्थ के आंतरिक आंकड़े ओआरएस के बारे में उपभोक्ता समझ को मजबूत करने की निरंतर आवश्यकता को और इंगित करते हैं। जब उपभोक्ताओं को संकेत दिया जाता है तो ओआरएस के प्रति जागरूकता लगभग 70% तक बढ़ जाती है, लेकिन ओआरएस से अवगत 75% से अधिक उपभोक्ता यह याद नहीं कर पाते कि ओआरएस का पूरा नाम क्या है। इसके अलावा, जागरूक उपयोगकर्ताओं में से केवल लगभग 61% ने पैक पर ह्यडब्ल्यू.एच.ओ.-अनुशंसितह्न चिह्न देखना याद किया, जो यह दर्शाता है कि ओआरएस से परिचय होने के बावजूद, फॉर्मूलेशन और ओआरएस खरीदते समय उपभोक्ताओं को किन बातों पर ध्यान देना चाहिए, इसके प्रति जागरूकता अभी भी विकसित हो रही है। हैदराबाद और मुंबई में हुई गतिविधियों के आंकड़ों ने ओआरएस के बारे में उपभोक्ताओं के बीच अधिक जानकारी की आवश्यकता को दर्शाया। केवल 85% उत्तरदाताओं ने संकेत दिया कि उन्हें पता है कि ओआरएस उत्पाद खरीदते समय क्या देखना चाहिए। इस अभियान के तहत, सिप्ला हेल्थ उपभोक्ताओं को यह समझने के लिए प्रोत्साहित करने हेतु जागरूकता पहलों की एक श्रृंखला चला रही है कि एक उपयुक्त ओआरएस फॉर्मूलेशन क्या होता है। इनमें एमजीएम ग्रुप ऑफ हॉस्पिटल्स के सहयोग से अस्पताल-आधारित जागरूकता पहल शामिल है, जहाँ चिकित्सा विशेषज्ञ डॉक्टरों, रोगियों और देखभाल करने वालों के साथ निर्जलीकरण की पहचान करने, पुनर्जलीकरण में ओआरएस की भूमिका समझने और डब्ल्यू.एच.ओ. अनुशंसित फॉर्मूलेशन चुनने के महत्व पर चर्चा करेंगे। इस अभियान में पोषण विशेषज्ञों और फिटनेस क्रिएटर्स द्वारा संचालित शैक्षिक सामग्री, स्वास्थ्य सेवा पेशेवरों के लिए आउटरीच कार्यक्रम, उपभोक्ता सैंपलिंग गतिविधियाँ, ट्रांजिट और आउटडोर विजिबिलिटी पहल, और व्यापार जुड़ाव प्रयास भी शामिल होंगे, जिनका उद्देश्य डब्ल्यू.एच.ओ. अनुशंसित ओआरएस फॉर्मूलेशन चुनने के महत्व को सुदृढ़ करना है।

शिवम पुरी, सीईओ, वन इंडिया बिजनेस सिप्ला ने कहा जैसे-जैसे भारत लंबी गर्मियों, बढ़ते तापमान और गर्मी संबंधी बीमारियों के बढ़ते बोझ का अनुभव कर रहा है, निर्जलीकरण एक तेजी से गंभीर सार्वजनिक स्वास्थ्य चुनौती बनता जा रहा है। हालाँकि मौखिक पुनर्जलीकरण घोल (ओआरएस) निर्जलीकरण प्रबंधन के लिए डब्ल्यू.एच.ओ.-अनुशंसित स्वर्ण मानक बना हुआ है, फिर भी सही ओआरएस फॉर्मूलेशन चुनने के बारे में जागरूकता असंगत बनी हुई है। श्रेणी के अग्रणी होने के नाते, हमारी जिम्मेदारी केवल समाधान प्रदान करने से कहीं अधिक है; हमें लोगों को सूचित निर्णय लेने के ज्ञान से सशक्त बनाना होगा। इस वर्ष हमारे प्रयासों के माध्यम से, हमारा लक्ष्य जागरूकता के अंतराल को समाप्त करना, विश्वसनीय जानकारी तक पहुँच में सुधार करना, वैश्विक ओआरएस मानकों की समझ को गहरा करना और साक्ष्य-आधारित हाइड्रेशन प्रथाओं के महत्व को सुदृढ़ करना है। हमारा लक्ष्य सरल हैः हर भारतीय परिवार को वैज्ञानिक रूप से मान्य हाइड्रेशन समाधानों को पहचानने, चुनने और उन पर भरोसा करने में मदद करना, जब उनकी सबसे अधिक आवश्यकता हो। हाइड्रेशन जागरूकता के महत्व पर टिप्पणी करते हुए, सिप्ला हेल्थ में वरिष्ठ निदेशक चिकित्सा सेवाएँ, डॉ. उषा चेन्नुरु ने कहाः ह्लहम आमतौर पर देखते हैं कि बहुत से लोग निर्जलीकरण के शुरूआती लक्षणों को नहीं पहचानते या यह नहीं समझते कि ओआरएस इसके प्रबंधन में क्या भूमिका निभा सकता है। अधिक जागरूकता और समय पर कार्रवाई लोगों को अधिक सूचित विकल्प चुनने और निर्जलीकरण का प्रभावी ढंग से प्रबंधन करने के लिए उचित कदम उठाने में मदद कर सकती है।

हैदराबाद में विभिन्न सक्रियताओं के दौरान शामिल व्यक्तियों में से 27% ने अत्यधिक पसीना आने और बुखार जैसी बाहरी गतिविधियों के दौरान निर्जलीकरण संबंधी लक्षणों का अनुभव करने की सूचना दी, जबकि 96% ने कहा कि इन प्रकरणों ने उनकी उत्पादकता या दैनिक दिनचर्या को प्रभावित किया। निष्कर्षों से यह भी पता चला कि 9% उत्तरदाता निर्जलीकरण के प्रबंधन में ओआरएस की भूमिका से अनजान थे, जो निर्जलीकरण प्रबंधन और उचित पुनर्जलीकरण प्रथाओं के बारे में अधिक जागरूकता की आवश्यकता को उजागर करता है। मुंबई में, सिप्ला हेल्थ ने एक राष्ट्रीय चिकित्सा संघ और एमजीएम नवी मुंबई अस्पताल के साथ मिलकर जागरूकता और परामर्श सत्रों के माध्यम से 432 रोगियों के साथ संवाद किया। इन वातार्लापों से पता चला कि 31% प्रतिभागी ओआरएस खरीदते समय ध्यान देने योग्य कारकों से अनजान थे।

सस्टेनेबल फ्यूचर की ओर गोवा

नई दिल्ली में राष्ट्रीय मंच पर दिखाया इंफ्रास्ट्रक्चर का नया अत्याधुनिक रूप

गोवा स्टेट इंफ्रास्ट्रक्चर डेवलपमेंट कॉर्पोरेशन (जीएसआई डीसी) की ओर से नई दिल्ली के चाणक्यपुरी में स्थित ₹द लीला पैलेस₹ में गोवा आर्किटेक्चर और सस्टेनेबिलिटी पर नेशनल कॉन्फ्रेंस का सफलतापूर्वक आयोजन किया गया। इसमें पॉलिसीमेकर्स, जाने-माने आर्किटेक्ट्स, अर्बन प्लानर्स, सस्टेनेबिलिटी एक्सपर्ट्स, इंडस्ट्री लीडर्स और इंटरनेशनल रिप्रेजेंटेटिव्स ने सस्टेनेबल डेवलपमेंट और हेरिटेज-लेड ग्रोथ के भविष्य पर विस्तार से चर्चा की गई। कॉन्फ्रेंस का उद्घाटन गोवा के माननीय मुख्यमंत्री डॉ. प्रमोद सावंत; भारत सरकार के माननीय केंद्रीय पर्यटन और संस्कृति मंत्री गजेंद्र सिंह शेखावत, राज्यसभा सांसद सदानंद शेट तनावड़े के साथ भारत और विदेश से आए खास मेहमानों ने संयुक्त रूप से किया। उद्घाटन सत्र में दीप प्रज्वलन के बाद सस्टेनेबल इंफ्रास्ट्रक्चर और शहरी विकास के लिए गोवा के कमिटमेंट पर रोशनी डाली गई।

इस मौके पर मीडिया से बात करते हुए गोवा के माननीय मुख्यमंत्री डॉ. प्रमोद सावंत ने कहा, गोवा की आर्किटेक्चरल विरासत एक जीती-जागती विरासत है, जो हमारे भविष्य को एक सुनहरा आकार देती रहेगी। जैसे-जैसे हम तेजी से विकास कर रहे हैं, हम सस्टेनेबिलिटी, पर्यावरण की जिम्मेदारी और हमारी खास सांस्कृतिक पहचान के सम्मान पर आधारित वर्ल्ड-क्लास और सबको साथ लेकर चलने वाला इंफ्रास्ट्रक्चर बनाने के लिए कमिटेड हैं। हमारा विजन यह पक्का करना है कि गोवा की उस पहचान को कम करने के बजाय और मजबूत करे जो उसे सच में गोवा को सबसे अलग पहचान दिलाने के साथ इसे बेहद खास बनाती है। गोवा आर्किटेक्चर और सस्टेनेबिलिटी पर नेशनल कॉन्फ्रेंस आर्किटेक्ट, प्लानर, पॉलिसी बनाने वाले और एक्सपर्ट के लिए आइडिया शेयर करने और नए, क्लाइमेट-रेज़िलिएंट और हेरिटेज-सेंसिटिव सॉल्यूशन को आगे बढ़ाने के लिए एक आवश्यक प्लेटफॉर्म का काम करती है। ग्रीन टेक्नोलॉजी और हमारी आर्किटेक्चरल विरासत के संरक्षण के जरिए हम यह पक्का कर सकते हैं कि, विकास और संरक्षण एक साथ आगे बढ़ें, और आने वाली पीढ़ियों के लिए एक खुशहाल और पर्यावरण के प्रति हम जिम्मेवार गोवा का निर्माण करें।

इस आयोजन में पूरे दिन एक्सपर्ट ने गोवा आर्किटेक्चर और कॉन्टेक्स्चुअल डिजाइन, हेरिटेज कंजर्वेशन और सस्टेनेबल हैबिटेट, एनर्जी एफिशिएंसी और ग्रीन बिल्डिंग सर्टिफिकेशन, और क्लाइमेट-स्मार्ट मटीरियल और सस्टेनेबल कंस्ट्रक्शन प्रैक्टिस को कवर करने वाले चार थीमैटिक पैनल डिस्कशन में हिस्सा लिया। सेशन में टेरी, चार्ल्स कोरिया फाउंडेशन, इंटैक, ग्रिहा काउंसिल, वर्ल्ड बैंक, आईएफसी, सेंटर फॉर साइंस एंड एनवायरनमेंट, ऑरोविले अर्थ इंस्टीट्यूट, यूरोपियन यूनियन, रॉयल डेनिश एम्बेसी और किंगडम ऑफ नीदरलैंड्स की एम्बेसी जैसे बड़े इंस्टीट्यूशन के जाने-माने स्पीकर शामिल हुए। कॉन्फ्रेंस में तेजी से शहरीकरण को पर्यावरण की जिम्मेदारी के साथ बैलेंस करने पर काम की बातचीत को बढ़ावा दिया गया। साथ ही मजबूत इंफ्रास्ट्रक्चर डेवलपमेंट के लिए नई टेक्नोलॉजी, पॉलिसी में दखल और मिलकर काम करने के तरीकों पर भी बात की गई।

कॉन्फ्रेंस के साथ-साथ यहां गोवन प्रोडक्ट्स दिखाने वाली एक खास प्रदर्शनी भी लगाई गई, जिससे डेलीगेट्स को गोवा के लोकल इनोवेशन, कारीगरी और एंटरप्रेन्योरियल इकोसिस्टम को दिखाने वाले प्रोडक्ट्स को एक्सपीरियंस करने के साथ इसे करीब से जानने और उनकी तारीफ करने का मौका मिला। कॉन्फ्रेंस एक आखिरी और बेहद खास सेशन के साथ खत्म हुई, जिसमें बातचीत से मिली खास सलाह और सीखों को समराइज किया गया। जिसके बाद एक नेटवर्किंग हाई टी हुई, जिससे सरकारी प्रतिनिधियों, इंडस्ट्री के स्टेकहोल्डर्स, आर्किटेक्ट्स, रिसर्चर्स और पॉलिसीमेकर्स ने एक दूसरे से बातचीत कर कई अहम विषयों पर चर्चा की। नेशनल कॉन्फ्रेंस ने सहयोग, इनोवेशन और नॉलेज शेयरिंग के जरिए सस्टेनेबल इंफ्रास्ट्रक्चर, हेरिटेज कंजर्वेशन और क्लाइमेट-रेज़िलिएंट शहरी डेवलपमेंट में नेशनल लीडर बनने के गोवा के विजन को पक्का करते हुए इसमें एक नई जान डाल दी।

केयर हेल्थ इंश्योरेंस ने हेपेटाइटिस स्क्रीनिंग कराने की किया अपील

वायरल हेपेटाइटिस दुनिया भर में लिवर की बीमारियों और रोकी जा सकने वाली मौतों के मुख्य कारणों में से एक बना हुआ है, जिसमें भारत में इस बीमारी का एक बड़ा हिस्सा है। वर्ल्ड हेपेटाइटिस डे से पहले, केयर हेल्थ इंश्योरेंस ने एक पब्लिक एडवाइजरी जारी की है जिसमें लोगों से हेपेटाइटिस स्क्रीनिंग, वैक्सीनेशन और समय पर मेडिकल मदद को प्राथमिकता देने की अपील की गई है।

अक्सर 'साइलेंट डिजीज' कहा जाने वाला वायरल हेपेटाइटिस बिना किसी खास लक्षण के सालों तक बढ़ सकता है और अक्सर इसका पता तभी चलता है जब लिवर को ऐसा नुकसान हो चुका हो जिसे ठीक न किया जा सके। जब तक मरीज मेडिकल मदद लेते हैं, तब तक इन्फेक्शन सिरोसिस, लिवर फेलियर या लिवर कैंसर तक बढ़ चुका होता है, जिससे इलाज काफी मुश्किल, लंबा और महंगा हो जाता है।

इसलिए, गंभीर दिक्कतों को रोकने और हेल्थ के नतीजों को बेहतर बनाने के लिए जल्दी स्क्रीनिंग और समय पर इलाज बहुत जरूरी है। अपने हेल्थ इंश्योरेंस कवरेज को रेगुलर रिव्यू करें। एडवांस्ड लिवर ट्रीटमेंट और ट्रांसप्लांट में कई लाख रुपये खर्च होते हैं, ऐसे में सही हेल्थ इंश्योरेंस आपको बड़ी बीमारियों के फाइनेंशियल बोझ से बचाने में मदद कर सकता है। केयर हेल्थ इंश्योरेंस प्रिवेंटिव हेल्थ के बारे में जागरूकता बढ़ाने और जल्दी एक्शन लेने के लिए बढ़ावा देने के लिए कमिटेड है।

जैसे-जैसे भारत 2030 तक वायरल हेपेटाइटिस को खत्म करने की दिशा में काम कर रहा है, लिवर की बीमारी के बोझ को कम करने के लिए ज्यादा जागरूकता, रेगुलर स्क्रीनिंग और जल्दी इलाज बहुत जरूरी रहेगा।

★ क्लब NPC इंडिया को समर्पित ★
CLUB NPC INDIA — NETWORK FOR PEOPLE OF CONSTRUCTION
क्लब NPC इंडिया
शब्दवाणी समाचार का मासिक विशेषांक
राष्ट्रीय निर्माण एवं जनहित कार्यों में समर्पित व्यक्तित्वों की प्रेरक गाथाएँ, उपलब्धियों एवं विशेष समाचार
शब्दवाणी समाचार (हिंदी दैनिक) के साथ निशुल्क वितरित
विशेषांक ★ | साक्षात्कार ★ | उपलब्धियाँ ★ | समाचार ★ | प्रेरक व्यक्तित्व
निर्माण क्षेत्र, विकास और जनसरोकार के लिए

सूरज बड़जात्या ने आयुष्मान खुराना और शरवरी अभिनीत फिल्म ये प्रेम मोल लिया की शूटिंग किया पूरी

सूरज बड़जात्या अपनी खास शैली के साथ एक बार फिर दर्शकों के लिए एक बेहतरीन पारिवारिक मनोरंजक फिल्म लेकर लौट रहे हैं। राजश्री प्रोडक्शंस प्राइवेट लिमिटेड और महावीर जैन फिल्म्स के सहयोग से निर्मित इस फिल्म में आयुष्मान खुराना और शरवरी मुख्य भूमिकाओं में नजर आएंगे। यह फिल्म राजश्री की परंपरा को आगे बढ़ाते हुए एक संगीतमय पारिवारिक मनोरंजक फिल्म है। यह फिल्म सूरज बड़जात्या और हिमेश रेशमिया की सुपरहिट जोड़ी की वापसी भी है।

फिल्म में अनुपम खेर सहित कई अनुभवी कलाकार महत्वपूर्ण सहायक भूमिकाओं में नजर आएंगे, जो इसकी स्टार कास्ट को और भी दमदार बनाते हैं। यह फिल्म रिश्तों, पारिवारिक मूल्यों और मधुर संगीत का उत्सव है जो सूरज बड़जात्या की फिल्मों की पहचान रहे हैं लेकिन इस बार इन्हें समकालीन दृष्टिकोण के साथ प्रस्तुत किया गया है। यह फिल्म 27 नवंबर, 2026 को सिनेमाघरों में रिलीज होगी।

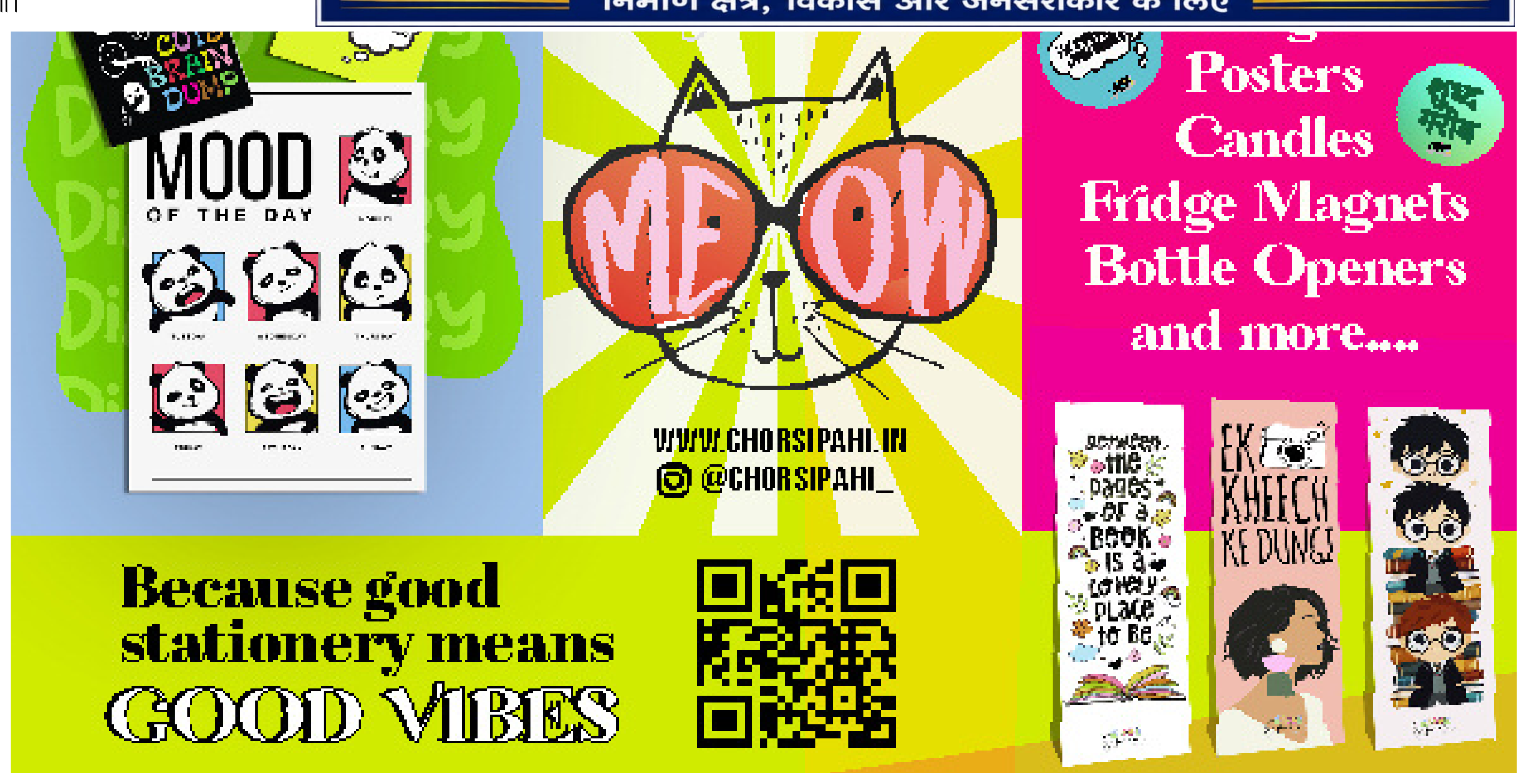

Frigate GreenTech Energy Pvt Ltd
Frigate
SolarTech
A SOLAR POWER SOLUTION
Onsite services with trust ..
SOLAR POWER SOLUTIONS
Efficient & reliable solar solutions for a sustainable future.
ON-SITE SERVICES
Professional installation, testing, commissioning & maintenance at your site.
TRUST & RELIABILITY
Building long-term relationships through honesty, quality & support.
CLEAN ENERGY
Reduce carbon footprint and save on energy costs.
TRUST
QUALITY
PERFORMANCE
COMMITMENT
POWERING A
BRIGHTER TOMORROW
SAVE ENERGY COST
INCREASE PROPERTY VALUE
ECO FRIENDLY SOLUTION
RELIABLE SUSTAINABLE ENERGY
OUR SOLAR POWER & ENERGY SOLUTIONS
ROOFTOP SOLAR SYSTEM
Grid-tied Rooftop Solutions for Homes, Businesses & Industries.
SOLAR PLANT INSTALLATION
On-grid, Off-grid & Hybrid Solar Power Plant Solutions.
SOLAR INVERTERS
High Performance Inverters for Maximum Energy Efficiency.
SOLAR BATTERIES & ENERGY STORAGE
Reliable Energy Storage Solutions for Uninterrupted Power Supply.
SOLAR STRUCTURE & MOUNTING
Durable & Corrosion Resistant Structures for Long Life.
OPERATION & MAINTENANCE
Comprehensive AMC & Support for Optimal Performance.
EXPERT ENGINEERS
QUALITY ASSURANCE
TIMELY EXECUTION
AFTER SALES SUPPORT
CUSTOMER SATISFACTION
HIGH ROI & LONG TERM SAVINGS
FOR INQUIRY PLEASE CONTACT
+ 91- 9871700893
frigategreentech@gmail.com
C-65, 4th floor DDA Shed, Okhla Industrial Area Phase 1,
New Delhi 110020, India
CLEAN ENERGY FOR A BETTER PLANET
SMART SOLAR STRONGER FUTURE
GO SOLAR GO GREEN
SUSTAINABLE TODAY BETTER TOMORROW

सर्वाधिक घटने वाले शेयर

टीसीएस	2.73 प्रतिशत
एटरनल	2.72 प्रतिशत
इंफोसिस	2.26 प्रतिशत
आईटीसी	1.52 प्रतिशत
इंडिगो	1.17 प्रतिशत

सर्राफा

सोना (प्रति दस ग्राम)स्टैंडर्ड	1,44,750
बिटुर	88,730
गिन्नी (प्रति आठ ग्राम)	39,795
चांदी (प्रति किलो) टंच हाजिर	2,35,770
वायदा	70,857
चांदी सिक्का लिवाली	900
बिकवाली	880

मुद्रा विनिमय

मुद्रा	क्रय	विक्रय
अमेरिकी डॉलर	96.61	93.54
पौड स्टर्लिंग	130.20	125.60
यूरो	111.57	107.40
चीन युआन	15.03	13.30

अनाज

देसी गेहूँ एमपी	2400-3000
गेहूं दडा	2862.70
आटा	2800-2900
मैदा	2900-2950
चोकर	2000-2100

मोटा आनाज

बाजरा	1300-1305
मक्का	1350-1500
ज्वार	3100-3200
जौ	1430-1440
काबुली चना	3500-4000

शुगर

चीनी एस	4293.58
चीनी एम	4500-4600
मिल डिलीवरी	3620-3720
गुड़	4986.64

दाल-दलहन

चना	5700-5800
दाल चना	7798.23
मसूर काली	8109.74
उड़द दाल	10982.42
मूंग दाल	10178.50
अरहर दाल	11305.20

पीएम-किसान योजना को 2031 तक मिली मंजूरी

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की अध्यक्षता में केंद्रीय मंत्रिमंडल ने शुक्रवार को प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि (पीएम-किसान) योजना को वित्त वर्ष 2026-27 से 2030-31 तक जारी रखने की मंजूरी दे दी है। इस अवधि के लिए सरकार ने 3.15 लाख करोड़ रुपए के वित्तीय प्रावधान को स्वीकृति दी है। सरकार का कहना है कि यह फैसला किसानों की आय बढ़ाने, कृषि निवेश को मजबूत करने और ग्रामीण अर्थव्यवस्था को गति देने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है।

एक आधिकारिक बयान में सरकार ने बताया कि इस योजना ने तकनीक-आधारित किसान कल्याण का एक सफल मॉडल स्थापित किया है, जिससे बिचौलियों की भूमिका समाप्त हुई है और सहायता राशि सीधे लाभार्थियों तक पहुंच रही है। फरवरी 2019 में शुरू की गई पीएम-किसान योजना के तहत पात्र किसान परिवारों को हर वर्ष 6,000 रुपए की आर्थिक सहायता तीन समान किस्तों में सीधे उनके बैंक खातों में भेजी जाती है। यह पूरी प्रक्रिया डायरेक्ट बेनिफिट ट्रांसफर (डीबीटी), आधार प्रमाणीकरण और डिजिटल सत्यापन के जरिए पारदर्शी तरीके से संचालित की जाती है। सरकार के आंकड़ों के मुताबिक, पीएम-किसान योजना के तहत अब तक 23 किस्तों

■ किसानों पर खर्च होंगे 3.15 लाख करोड़ रुपए

के माध्यम से 4.47 लाख करोड़ रुपए से अधिक की राशि सीधे किसानों के बैंक खातों में ट्रांसफर की जा चुकी है। योजना की 23वीं किस्त के तहत 9.49 करोड़ से अधिक किसानों को 18,984 करोड़ रुपए जारी किए गए। वहीं, कोविड-19 महामारी के दौरान किसानों को राहत देने के लिए 1.71 लाख करोड़ रुपए से अधिक की सहायता प्रदान की गई। पीएम-किसान योजना का लाभ महिला किसानों तक भी बड़े पैमाने पर पहुंचा है। अब तक 1.06 लाख करोड़ रुपए से अधिक की राशि महिला किसानों को दी जा चुकी है।

सरकार के अनुसार, योजना के कुल लाभार्थियों में लगभग हर चौथा लाभार्थी महिला किसान है। सरकार का कहना है कि पीएम-किसान के तहत मिलने वाली आर्थिक सहायता से किसानों को समय पर बीज, उर्वरक, सिंचाई, कृषि मशीनरी और अन्य कृषि जरूरतों पर निवेश करने में मदद मिली है। इससे किसानों की उत्पादन क्षमता बढ़ी है, अनौपचारिक कर्ज पर निर्भरता कम हुई है और ग्रामीण परिवारों की आर्थिक स्थिति मजबूत हुई है।

केंद्र ने शहरी विकास मंत्रालय का दो अलग-अलग विभागों में किया पुनर्गठन

■ शहरी प्रशासन को मिलेगी और मजबूती

नई दिल्ली। केंद्रीय आवासन एवं शहरी कार्य तथा विद्युत मंत्री मनोहर लाल ने शुक्रवार को संसदीय परामर्शदात्री समिति की शहरी नियोजन पर आयोजित बैठक की अध्यक्षता की। इस दौरान उन्होंने बताया कि शहरी प्रशासन को अधिक प्रभावी और सक्षम बनाने के लिए मंत्रालय अब दो अलग-अलग विभागों के माध्यम से कार्य करेगा। एक आधिकारिक बयान के अनुसार, मंत्रालय का पुनर्गठन कर पूंजी विकास विभाग (डीसीडी/राजधानी विकास विभाग) और शहरी विकास विभाग (डीयूडी/शहरी विकास विभाग) का गठन किया गया है, जिसका उद्देश्य संस्थागत क्षमता को मजबूत करना, प्रशासनिक दक्षता बढ़ाना और शहरी शासन व्यवस्था को अधिक प्रभावी बनाना है, ताकि तेजी से बदलती और विविध शहरी जरूरतों पर बेहतर तरीके से ध्यान दिया जा सके।

मनोहर लाल ने कहा कि मंत्रालय की शहरी नियोजन संबंधी सभी पहल का लक्ष्य देश में रहने योग्य, आपदा-रोधी और नागरिक-केंद्रित शहरों का विकास करना है। उन्होंने कहा कि तेजी से बढ़ते शहरीकरण के बीच लोगों की अपेक्षाओं को पूरा करने और संतुलित शहरी विकास सुनिश्चित करने के लिए प्रभावी शहरी नियोजन, मजबूत शहरी प्रशासन, जल सुरक्षा और निरंतर क्षमता निर्माण बेहद जरूरी है। उन्होंने बताया कि सरकार शहरी विकास के लिए समग्र दृष्टिकोण अपना रही है, जिसमें शहरी नियोजन, बुनियादी ढांचे का विकास, बेहतर प्रशासन और गुणवत्तापूर्ण सार्वजनिक सेवाओं को एकीकृत किया जा रहा है। इन प्रयासों का उद्देश्य नागरिकों के जीवन स्तर में सुधार करना और ऐसे शहर विकसित करना है जो पर्यावरण के अनुकूल, आर्थिक रूप से मजबूत और आधुनिक तकनीक से लैस हों।

अब सामाजिक सुरक्षा दायरे में 101 करोड़ भारतीय : केंद्र

नई दिल्ली, 31 जुलाई (एजेंसियां)। केंद्र सरकार ने शुक्रवार को कहा कि भारत की सामाजिक सुरक्षा प्रणाली के दायरे में अब करीब 101 करोड़ लोग, यानी देश की 68 प्रतिशत से अधिक आबादी शामिल है। इस उपलब्धि को अंतरराष्ट्रीय श्रम संगठन (आईएलओ) ने भी सराहा है। केंद्रीय श्रम एवं रोजगार मंत्री डॉ. मनसुख मंडाविया ने कहा कि ऐसा संतुलित विकास मॉडल जरूरी है, जो एक ओर श्रमिकों के कल्याण और सामाजिक सुरक्षा को आगे बढ़ाए, वहीं दूसरी ओर नियोक्ताओं के लिए कारोबार करने में आसानी भी सुनिश्चित करे।

राष्ट्रीय राजधानी में ऑल इंडिया ऑर्गेनाइजेशन ऑफ एम्प्लॉयर्स (एआईओई) और फिक्की की ओर से संयुक्त रूप से आयोजित चौथे ग्लोबल इंडस्ट्रियल रिलेशंस समिट को संबोधित करते हुए केंद्रीय मंत्री ने कहा कि औद्योगिक संबंधों में सामंजस्य बनाए रखने के लिए सरकार,

■ ईपीएफओ के डिजिटलीकरण पर फोकस

उद्योग, नियोक्ता, श्रमिक और ट्रेड यूनियनों के बीच लगातार समन्वय आवश्यक है, ताकि आर्थिक विकास और रोजगार सृजन साथ-साथ आगे बढ़ सकें। उन्होंने कहा कि राष्ट्रीय विकास के लिए औद्योगीकरण बेहद जरूरी है, क्योंकि यह रोजगार सृजन को गति देता है। साथ ही उन्होंने स्वयं सहायता समूहों (एसएचजी) और सहकारी मॉडल, विशेषकर महिलाओं के नेतृत्व वाली पहलों की बढ़ती भूमिका पर जोर देते हुए कहा कि ये आजीविका के अवसर बढ़ाने, अर्थव्यवस्था को मजबूत करने और महिला सशक्तिकरण को बढ़ावा देने में महत्वपूर्ण योगदान दे रहे हैं।

भारत-यूके व्यापक आर्थिक एवं व्यापार समझौता दोनों देशों के बीच महत्वपूर्ण मील का पत्थर है : एमपी अहमद

नई दिल्ली, 31 जुलाई (एजेंसियां)। दुनिया के चौथे सबसे बड़े ज्वेलरी रिटेलर और एक जिम्मेदार ज्वेलर मलाबार गोल्ड एंड डायमंड्स ने भारत-यूके व्यापक आर्थिक एवं व्यापार समझौते (सीईटीए) के तहत यूनाइटेड किंगडम को आभूषण निर्यात करने वाले भारत के शुरुआती ज्वेलर्स में अपनी जगह बनाई है। यह उपलब्धि कंपनी की वैश्विक विकास यात्रा में एक महत्वपूर्ण पड़ाव है और साथ ही वैश्विक रत्न एवं आभूषण उद्योग में भारत की बढ़ती उपस्थिति को भी रेखांकित करती है। भारत-यूके सीईटीए के तहत आभूषण निर्यात का आधिकारिक शुभारंभ नई दिल्ली स्थित वाणिज्य भवन में आयोजित किया गया। इस अवसर पर भारत में ब्रिटिश उच्चायुक्त सुश्री लिंडी कैमरून, भारत सरकार के वाणिज्य सचिव श्री

राजेश अग्रवाल, मलाबार गोल्ड एंड डायमंड्स के रीजनल हेड - नॉर्थ इंडिया, श्री मोहम्मद जिशाद एन. के., जेम एंड ज्वेलरी एक्सपोर्ट प्रमोशन काउंसिल (GJEPC) के प्रतिनिधि तथा वरिष्ठ सरकारी अधिकारी उपस्थित थे। समारोह के दौरान यूनाइटेड किंगडम के लिए मलाबार गोल्ड एंड डायमंड्स की निर्यात खेप के लिए सर्टिफिकेट ऑफ ओरिजिन औपचारिक रूप से प्रदान किया गया, जिससे इस समझौते के तहत निर्यात की औपचारिक शुरुआत हुई।

भारतीय शेयर बाजार में तेजी बरकरार

मुंबई, 31 जुलाई (एजेंसियां)। घरेलू शेयर बाजारों में शुक्रवार को तेजी बरकरार रही, हालांकि आईटी और एफएमसीजी कंपनियों में बिकवाली हावी रही। उतार-चढ़ाव भरे कारोबार में बीएसई का सेंसेक्स शुरुआती 166.49 अंक (0.21 प्रतिशत) चढ़कर 78,094.64 अंक पर बंद हुआ। नेशनल स्टॉक एक्सचेंज का निफ्टी-50 सूचकांक 66.45 अंक यानी 0.27 प्रतिशत की बढ़त में 24,383.60 अंक पर पहुंच गया।

निफ्टी आईटी और निफ्टी एफएमसीजी सेक्टरों के सूचकांक क्रमश: 1.56 फीसदी और 1.05 फिसल गए। टिकाऊ उपभोक्ता उत्पाद समूह में भी गिरावट रही। ऑटो समूह का सूचकांक 1.64 प्रतिशत, वित्तीय सेवाओं का 1.31 प्रतिशत, मीडिया का 2.09 प्रतिशत

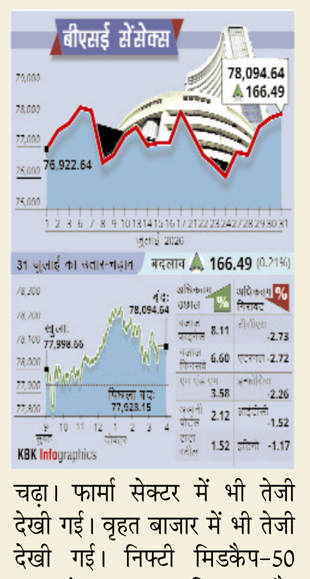

■ सेंसेक्स 0.21 प्रतिशत चढ़कर 78,094.64 अंक पर रहा

■ निफ्टी 0.27 प्रतिशत की बढ़त में 24,383.60 अंक पर बंद

चढ़ा। फार्मा सेक्टर में भी तेजी देखी गई। वृहत बाजार में भी तेजी देखी गई। निफ्टी मिडकैप-50 सूचकांक 0.43 प्रतिशत और स्मॉलकैप-100 सूचकांक 0.44 प्रतिशत मजबूत हुए।

सेंसेक्स की कंपनियों में अच्छे तिमाही परिणामों के बाद बजाज फाइनेंस का शेयर आठ प्रतिशत और बजाज फिनसर्व का साढ़े छह प्रतिशत से अधिक चढ़ा। महिंद्रा एंड महिंद्रा में साढ़े तीन प्रतिशत और अडानी पोर्ट्स में दो प्रतिशत से अधिक की तेजी रही। टाटा स्टील का शेयर 1.52 फीसदी और रिलायंस इंडस्ट्रीज का एक प्रतिशत की बढ़त में रहा। बीईएल, एनटीपीसी, टाइटन, भारती एयरटेल और मारुति सुजुकी के शेयर भी हरे निशान में रहे।

सार संक्षेप

हिमालया बेबीकेयर ने नया डीवीसी लॉन्च किया

नई दिल्ली। भारत के सबसे विश्वसनीय बेबीकेयर ब्रांड्स में से एक हिमालया बेबीकेयर, जिसे शिशुओं का प्यार और अभिभावकों का भरोसा प्राप्त है, ने हिमालया जेंटल बेबी शैम्पू के लिए अपना नया कैंपेन लॉन्च किया है। एक भावनात्मक और सहज इनसाइट पर आधारित यह फ़िल्मएक माँ के उस वादे को खूबसूरती से दिखाती है जिसमें वह अपने शिशु के नहाने के समय को खुशनुमा और आंसू रहित बनाने का भरोसा देती है। इस कैंपेन के केंद्र में हिमालया जेंटल बेबी शैम्पू का नो टीयर्स फॉर्मूला है, जिसे इस तरह तैयार किया गया है कि शिशु का नहाने का अनुभव आंखों में जलन के बिना, आरामदायक और सुकूनभरा बने। इस लॉन्च के अवसर पर चक्रवर्ती एन. वी., डायरेक्टर - बेबीकेयर, हिमालया वेलनेस कंपनी,ने कहा, 'हिमालया बेबीकेयर में हम समझते हैं कि नहलाने का समय माता-पिता और शिशु के बीच आपसी जुड़ाव का एक अहम पल होता है। हालांकि, कई अभिभावकों के लिए शिशु की असहजता और आंसुओं की आशंका इस खूबसूरत और भावनात्मक अनुभव को प्रभावित कर देती है।

विदेशी मुद्रा भंडार बढ़कर 682.23 अरब डॉलर पर

मुंबई। आरबीआई द्वारा शुक्रवार को जारी आंकड़ों के अनुसार, 24 जुलाई 2026 को समाप्त सप्ताह में देश का विदेशी मुद्रा भंडार (फॉरेक्स रिजर्व) 6.118 अरब डॉलर बढ़कर 682.2354 अरब डॉलर पर पहुंच गया, जिससे इसके लगातार मजबूत होने का संकेत मिल रहा है। इससे पहले 17 जुलाई को समाप्त सप्ताह में भी विदेशी मुद्रा भंडार 1.08 अरब डॉलर बढ़कर 676.237 अरब डॉलर हो गया था। लगातार दूसरे सप्ताह आई इस बढ़ोतरी से देश की बाहरी आर्थिक स्थिति और मजबूत हुई है।

फ्लिपकार्ट और नेटफ्लिक्स की साझेदारी

नई दिल्ली। फ्लिपकार्ट और नेटफ्लिक्स ने आज एक नई साझेदारी की घोषणा की। इसके तहत फ्लिपकार्ट प्लस मेंबर अपनी नियमित खरीदारी के दम पर हर महीने नेटफ्लिक्स का मोबाइल प्लान हासिल कर सकेंगे। इसके लिए उन्हें अलग से नेटफ्लिक्स सब्सक्रिप्शन लेने या कोई बंडल्ड रिचार्ज कराने की जरूरत नहीं होगी। शॉपिंग और एंटरटेनमेंट आज के समय में लोगों की जिंदगी का अहम हिस्सा हैं और यह साझेदारी ग्राहकों के इन दोनों लोकप्रिय अनुभवों को एक सरल और लाभदायक तरीके से जोड़ती है। भारतीय ई-कॉमर्स में पहली बार हुआ है कि दुनिया की अग्रणी एंटरटेनमेंट सर्विस नेटफ्लिक्स का प्लान अलग से खरीदने या किसी अन्य सर्विस के साथ सब्सक्रिप्शन पाने की जरूरत नहीं होगी, बल्कि रोजमर्रा की खरीदारी के दम पर ही नेटफ्लिक्स का मोबाइल प्लान मिल जाएगा। यह बेनिफिट 1 अगस्त, 2026 से मिलना शुरू होगा।

रेलवे ने टिकट बुकिंग के साथ शुरू की अतिरिक्त सामान की ऑनलाइन बुकिंग

नई दिल्ली, 31 जुलाई (एजेंसियां)। भारतीय रेलवे ने यात्रियों की सुविधा बढ़ाने के लिए शुक्रवार को एक नई डिजिटल सेवा शुरू की है। अब ट्रेन में यात्रा करने वाले यात्री टिकट बुक करते समय ही अतिरिक्त सामान की ऑनलाइन बुकिंग और भुगतान कर सकेंगे। इस नई व्यवस्था से यात्रियों को ट्रेन में चढ़ने से पहले अलग से पार्सल कार्यालय जाकर अतिरिक्त सामान बुक कराने की जरूरत नहीं पड़ेगी।

अब तक निर्धारित मुफ्त सीमा से अधिक सामान ले जाने वाले यात्रियों को रेलवे के पार्सल काउंटर पर जाकर अलग से बुकिंग करानी पड़ती थी, जिससे अतिरिक्त कागजी कार्रवाई और लंबी कतारों का सामना करना पड़ता था। नई ऑनलाइन सुविधा इस पूरी प्रक्रिया को आसान और तेज बनाएगी।

रेलवे ने स्पष्ट किया है कि यह सुविधा केवल कन्फर्म टिकट वाले यात्रियों के लिए उपलब्ध होगी और केवल उन्हीं श्रेणियों में लागू होगी, जहां निर्धारित शुल्क देकर मुफ्त सीमा से अधिक सामान ले जाने की अनुमति है। एसी फर्स्ट क्लास, एसी 2-टियर, फर्स्ट क्लास,

■ एसी फर्स्ट क्लास, एसी 2-टियर, फर्स्ट क्लास, स्लीपर क्लास व सेकेंड क्लास के यात्री उठा सकेंगे सुविधा का लाभ

स्लीपर क्लास और सेकेंड क्लास के यात्री इस सुविधा का लाभ उठा सकेंगे। वहीं, एसी 3-टियर और एसी चेयर कार में यात्रा करने वाले यात्रियों को यह सुविधा नहीं मिलेगी, क्योंकि इन श्रेणियों में अधिकतम अनुमत सामान की सीमा और मुफ्त सामान की सीमा समान है।

रेलवे के मौजूदा सामान नियमों के अनुसार, एसी फर्स्ट क्लास के यात्री बिना किसी अतिरिक्त शुल्क के 70 किलोग्राम तक सामान ले जा सकते हैं और शुल्क देकर अधिकतम 150 किलोग्राम तक सामान ले जाने की अनुमति है। एसी 2-टियर और फर्स्ट क्लास में 50 किलोग्राम मुफ्त तथा अधिकतम 100 किलोग्राम तक सामान ले जाया जा सकता है।

स्लीपर क्लास के यात्रियों के लिए 40 किलोग्राम तक सामान मुफ्त है और वे शुल्क देकर कुल 80 किलोग्राम तक सामान ले जा सकते हैं। सेकेंड क्लास में 35 किलोग्राम मुफ्त तथा अधिकतम 70 किलोग्राम तक सामान ले जाने की अनुमति है।

दूसरी ओर, एसी 3-टियर और एसी चेयर कार के यात्रियों के लिए 40 किलोग्राम की सीमा ही मुफ्त और अधिकतम अनुमत सीमा दोनों है। इसलिए इन श्रेणियों में अतिरिक्त सामान बुक कराने का विकल्प उपलब्ध नहीं होगा। रेलवे ने यह भी स्पष्ट किया है कि मुफ्त सीमा से अधिक लेकिन निर्धारित अधिकतम सीमा के भीतर सामान ले जाने वाले यात्रियों को अतिरिक्त सामान शुल्क का भुगतान करना होगा। वजन सीमा के अलावा, रेलवे ने सामान के आकार को लेकर भी नियम तय किए हैं।

वित्त मंत्री ने भारत की पहली फ्लाइट-प्रूवन सैटेलाइट बैटरी को बताया 'शानदार'

नई दिल्ली, 31 जुलाई (एजेंसियां)। केंद्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने शुक्रवार को भारत में स्वदेशी रूप से विकसित पहली 'फ्लाइट हेरिटेज' प्राप्त सैटेलाइट बैटरी की उपलब्धि पर हैदराबाद स्थित स्पेस स्टार्टअप टेकमी2स्पेस की सराहना की। कंपनी की 'पावरबैंक-50' बैटरी अंतरिक्ष में सफल प्रदर्शन के बाद यह प्रतिष्ठित दर्जा हासिल करने वाली देश की पहली स्वदेशी सैटेलाइट बैटरी बन गई है। सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर इस उपलब्धि को शानदार बताते हुए वित्त मंत्री ने लिखा, 'अब तक भारतीय सैटेलाइट निर्माता इस महत्वपूर्ण कंपोनेंट को अधिक कीमत और लंबी प्रतीक्षा अवधि के साथ आयात करने को मजबूर थे।

यह उपलब्धि 18 जुलाई को लॉन्च किए गए स्काईरूट एयरोस्पेस के 'विक्रम-1' रॉकेट के पहले मिशन 'आगमन' के दौरान पावरबैंक-50 की सफल तैनाती के बाद हासिल हुई। इस बैटरी ने 450 किलोमीटर की ऊंचाई पर रॉकेट के ऑर्बिटल एडजस्टमेंट मॉड्यूल में स्थापित कॉसमोसर्व स्पेस के प्रायोगिक

■ आयात पर कम होगी निर्भरता

पेलोड को ऊर्जा प्रदान की और पूरे मिशन के दौरान सफलतापूर्वक कार्य किया।

टेकमी2स्पेस के अनुसार, इस सफल उड़ान के बाद बैटरी को 'फ्लाइट हेरिटेज' का दर्जा मिला है। अंतरिक्ष उद्योग में यह एक महत्वपूर्ण प्रमाणन माना जाता है, जो किसी कंपोनेंट के ऑर्बिट में सफल प्रदर्शन को प्रमाणित करता है। कंपनी ने बताया कि इस प्रमाणन से सैटेलाइट निर्माताओं, लॉन्च सेवा प्रदाताओं और बीमा कंपनियों का भरोसा काफी बढ़ेगा, क्योंकि वे आमतौर पर अंतरिक्ष में सफलतापूर्वक इस्तेमाल हो चुके हार्डवेयर को प्राथमिकता देते हैं।

सोना-चांदी में कमजोरी के साथ हो रहा कारोबार

मुंबई, 31 जुलाई (एजेंसियां)। सोने और चांदी शुक्रवार को गिरावट के साथ खुले। शुरुआती कारोबार में दोनों कीमती धातुओं का दाम करीब आधा प्रतिशत तक फिसल गया।

मल्टी कमोडिटी एक्सचेंज (एमसीएक्स) पर सोने का 5 अगस्त, 2026 का कॉन्ट्रैक्ट पिछली क्लोजिंग 1,43,232 रुपए प्रति 10 ग्राम के मुकाबले 1,42,929 रुपए प्रति 10 ग्राम पर खुला। फिलहाल 9:50 पर यह 0.58 प्रतिशत या 832 रुपए की कमजोरी के साथ 1,42,400 रुपए प्रति 10 ग्राम पर था।

अब तक के कारोबार में सोने ने 1,42,253 रुपए प्रति 10 ग्राम का न्यूनतम स्तर और 1,42,929 रुपए का उच्चतम स्तर छुआ। सोने के साथ चांदी में भी कमजोरी के साथ कारोबार हो रहा है।

चांदी का 4 सितंबर, 2026 का कॉन्ट्रैक्ट पिछली क्लोजिंग 2,19,967 रुपए प्रति किलो के मुकाबले 2,18,769 रुपए प्रति किलो पर खुला। फिलहाल यह 1,057 रुपए या 0.48 प्रतिशत की कमजोरी के साथ 2,18,910 रुपए प्रति किलो पर था।

अब तक के कारोबार में चांदी ने 2,18,538 रुपए प्रति किलो का न्यूनतम स्तर और 2,19,967 रुपए प्रति किलो का उच्चतम स्तर छुआ है।

अंतरराष्ट्रीय बाजारों में भी सोने और चांदी में गिरावट के साथ कारोबार हो रहा है। सोना 0.56 प्रतिशत की कमजोरी के साथ 4,076 डॉलर प्रति औंस और चांदी 0.46 प्रतिशत की गिरावट के साथ 58 डॉलर प्रति औंस पर था।

जानकारों ने कहा कि फेडरल रिजर्व के ब्याज दरों में कोई बदलाव न करने के बाद सोने की ट्रेडिंग एक सीमित दायरे में हो रही है।

विश्व के दवा नियामकों के बीच घनिष्ठ सहयोग चाहता है भारत : पीयूष गोयल

नई दिल्ली, 31 जुलाई (एजेंसियां)। केंद्रीय वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री पीयूष गोयल ने शुक्रवार को कहा कि भारत दुनिया भर के दवा नियामक संस्थानों (मेडिसिन रेगुलेटर्स) के बीच घनिष्ठ सहयोग चाहता है। उन्होंने कहा कि भारत के बढ़ते मुक्त व्यापार समझौतों (एफटीए) का नेटवर्क इस सहयोग को और मजबूती देगा, जिससे दुनिया भर के मरीजों को बेहतर गुणवत्ता वाली किफायती दवाएं तेजी से उपलब्ध कराई जा सकेंगी और भारत वैश्विक फार्मास्युटिकल नवाचार का प्रमुख केंद्र बनकर उभरेगा। पीयूष गोयल ने 'एक्स' पर कहा कि नई दिल्ली के भारत मंडपम में दो दिवसीय 'ग्लोबल ड्रग रेगुलेटरी कॉन्क्लेव 2026' की शुरुआत हुई है।

उन्होंने बताया कि भारत के प्रमुख अंतरराष्ट्रीय फार्मास्युटिकल नियामक मंच के रूप में आयोजित इस सम्मेलन में दुनिया के विभिन्न देशों के राष्ट्रीय दवा नियामक

■ भारत की दवा नियामक प्रणाली को और मजबूत बनाना है जीडीआरसी 2026 का मुख्य उद्देश्य

प्राधिकरणों के प्रमुख और वरिष्ठ अधिकारी भाग ले रहे हैं। उन्होंने उम्मीद जताई कि यह सम्मेलन भारतीय दवा उद्योग, वैश्विक नियामकों और अन्य हितधारकों के बीच सहयोग को और मजबूत करेगा तथा अधिक सक्षम, नवाचार-आधारित और मरीज-केंद्रित वैश्विक स्वास्थ्य व्यवस्था विकसित करने की दिशा में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगा। उनके अनुसार, यह आयोजन अंतरराष्ट्रीय सहयोग को बढ़ाने के साथ-साथ भारत को वैश्विक फार्मास्युटिकल नवाचार केंद्र के रूप में और मजबूत करेगा। फार्मेक्सिल द्वारा आयोजित जीडीआरसी 2026 का मुख्य उद्देश्य भारत की दवा नियामक प्रणाली को और मजबूत बनाना है। केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्री जेपी नड्डा ने कहा कि भारत एक ऐसी आधुनिक और भविष्य की जरूरतों के अनुरूप दवा नियामक व्यवस्था विकसित कर रहा है, जो स्वास्थ्य क्षेत्र में नवाचार को गति देने के साथ-साथ मरीजों की सुरक्षा, गुणवत्ता और प्रभावशीलता के सर्वोच्च मानकों को भी सुनिश्चित करेगी।

वहीं, ड्रग्स कंट्रोलर जनरल ऑफ इंडिया (डीसीजीआई) डॉ. राजीव सिंह रघुवंशी ने कहा कि केंद्रीय औषधि मानक नियंत्रण संगठन अगले 18 महीनों के भीतर एंड-टू-एंड डिजिटल ड्रग रेगुलेटरी प्लेटफॉर्म का पहला चरण शुरू करेगा। उन्होंने कहा कि यह पहल भारत की दवा नियामक प्रणाली के आधुनिकीकरण की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम होगी।

मधुमेह से एमडीआर टीबी मरीजों में मौत का खतरा ज्यादा : शोध

■ दोनों बीमारियों से ग्रसित मरीजों में मौत का जोखिम बढ़ जाता

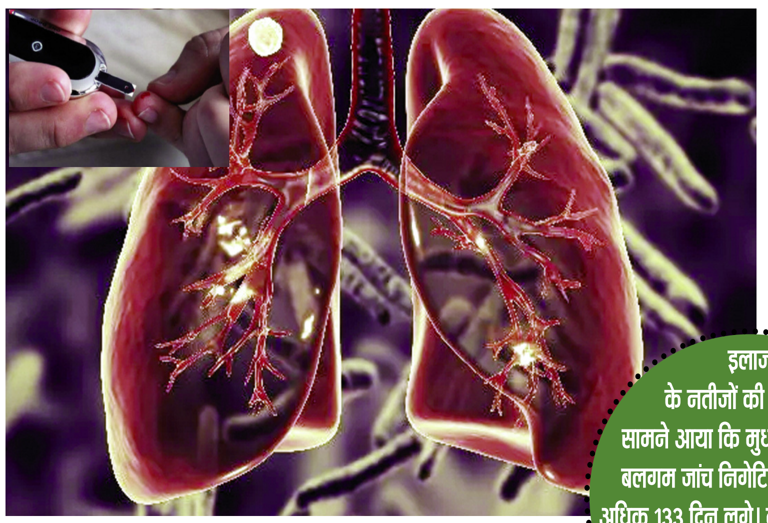

लखनऊ, 31 जुलाई (एजेंसियां)। बहु दवा प्रतिरोधी (एमडीआर) टीबी से जूझ रहे मरीजों के इलाज में नई चुनौती सामने आई है। एमडीआर टीबी के साथ टाइप-2 मुधमेह से पीड़ित मरीजों पर टीबी की दवाओं का असर काफी धीमा होता है। इससे संक्रमण खत्म होने में अधिक समय लगता है। ऐसे में लंबे समय तक इलाज चलने के कारण दोनों बीमारियों से ग्रसित मरीजों में मौत का जोखिम बढ़ जाता है।

किंग जॉर्ज चिकित्सा विश्वविद्यालय (केजीएमयू) में हुए अध्ययन में यह निष्कर्ष सामने आया है। इसे वर्ल्ड जर्नल ऑफ एक्सपेरिमेंटल मेडिसिन में स्थान मिला है। केजीएमयू के रेस्पिरेटरी मेडिसिन विभाग के वर्ष 2023 से 2024 के बीच हुए अध्ययन में 264 एमडीआर टीबी मरीजों को शामिल किया गया। इसमें 155 पुरुष और 109 महिलाएं थीं। जिसमें 61 मरीज टाइप-2 मधुमेह, 66 प्री-डायबिटीज (बॉर्डरलाइन मधुमेह) और 137 रोगी मधुमेह रहित थे। इन्हें तीन समूहों में बांटने के बाद सभी मरीजों को मुंह से ली जाने वाली टीबी की दवाएं दी गईं।

इलाज के दौरान समय-समय पर उनकी बलगम जांच और सेहत में सुधार की निगरानी की गई। शोध में पाया गया कि मधुमेह पीड़ित मरीजों के फेफड़ों में अन्य रोगियों की तुलना गंभीर संक्रमण और टीबी के ज्यादा जीवाणु मौजूद थे। जीवाणुओं में दवा प्रतिरोध बढ़ाने वाले आईएनएचए और केएटीजी जीन में म्यूटेशन मिला। इलाज के नतीजों की तुलना में सामने आया कि मुधमेह मरीजों की बलगम जांच निगेटिव होने में सबसे अधिक 133 दिन लगे। वहीं, प्री-डायबिटीज मरीजों में 113 और गैर-मधुमेह रोगियों की जांच रिपोर्ट सिर्फ 97 दिन में सामान्य हो गई। शोध में पता चला कि मुधमेह के साथ प्री—डायबिटीज भी एमडीआर टीबी का इलाज प्रभावित करती है। केजीएमयू के सेंटर ऑफ एक्सीलेंस फॉर ड्रग रेजिस्टेंट टीबी के संस्थापक प्रभारी प्रो. सूर्यकांत के मुताबिक, भारत में टीबी और मधुमेह तेजी से बढ़ रही गंभीर स्वास्थ्य चुनौतियां हैं। एमडीआर टीबी में मधुमेह एक बड़ा जोखिम कारक है।

इलाज के नतीजों की तुलना में सामने आया कि मुधमेह मरीजों की बलगम जांच निगेटिव होने में सबसे अधिक 133 दिन लगे। वहीं, प्री-डायबिटीज मरीजों में 113 और गैर-मधुमेह रोगियों की जांच रिपोर्ट सिर्फ 97 दिन में सामान्य हो गई

इसलिए इस बीमारी से पीड़ित मरीज की मधुमेह और प्री-डायबिटीज जांच जरूरी है। मरीजों की निगरानी और दोनों बीमारियों का एक साथ इलाज होने से बेहतर नतीजे मिल सकते हैं।

सह-मार्गदर्शक डॉ. अजय कुमार वर्मा ने कहा कि एमडीआर टीबी के उपचार में केवल प्रभावी एंटी-टीबी दवाएं पर्याप्त नहीं हैं। टीबी और मधुमेह की एकीकृत देखभाल (इंटीग्रेटेड टीबी टीबी डायबिटीज केयर) अपनाने से कल्चर कन्वर्जन में सुधार, उपचार की सफलता में वृद्धि तथा मृत्यु दर में कमी लाई जा सकती है।

केजीएमयू के श्वसन रोग विभाग की एसोसिएट प्रोफेसर डॉ ज्योति बाजपेयी ने कहा कि दुनिया में सबसे अधिक टीबी और मधुमेह के मरीज भारत में हैं। मधुमेह से एमडीआर टीबी के मरीजों पर दवाएं देर से असर करती हैं। ऐसे मरीजों में मधुमेह की जांच और इसे नियंत्रित रखना बेहद जरूरी है। इससे एमडीआर टीबी मरीजों के ठीक होने की दर बढ़ेगी। साथ ही राष्ट्रीय टीबी उन्मूलन अभियान को भी मजबूती मिलेगी।

शोध में इनका भी रहा योगदान। इस शोध में डॉ. योगिता वात्स, डॉ. अजय कुमार वर्मा, डॉ. पारुल जैन, डॉ. दर्शन बजाज, डॉ. आनंद श्रीवास्तव, डॉ. राम अवध सिंह कुशवाहा, डॉ. संतोष कुमार, डॉ. राजीव गर्ग, डॉ. अंकित कुमार तथा डॉ. अक्षय प्रधान का अहम योगदान रहा।

एमडीआर टीबी का मतलब मल्टी-ड्रग रेजिस्टेंट ट्यूबरकुलोसिस (दवा प्रतिरोधी टीबी) है। यह सामान्य ड्रग-सेंसिटिव या शुरुआती टीबी के मुकाबले ज्यादा घातक होती है। इसमें टीबी के जीवाणुओं पर इस बीमारी की सबसे असरदार दवाएं बेअसर हो जाती हैं।

ट्रेन से हुआ देश का पहला लाइव हार्ट ट्रांसपोर्ट

सूरत से अहमदाबाद वंदे भारत एक्सप्रेस से पहुंचा दिल

अहमदाबाद, 31 जुलाई (एजेंसियां)। भारतीय रेलवे ने देश में पहली बार ट्रेन के जरिए लाइव हार्ट का ट्रांसपोर्ट सफलतापूर्वक पूरा किया है। सूरत से अहमदाबाद तक दिल को मुंबई सेंट्रल-गांधीनगर कैपिटल वंदे भारत एक्सप्रेस के जरिए ले जाया गया, ताकि यू.एन. मेहता इंस्टीट्यूट ऑफ कार्डियोलॉजी एंड रिसर्च सेंटर में ट्रांसप्लांट किया जा सके।

ट्रेन नंबर 20901 से भेजा गया यह हार्ट निर्धारित समय सीमा के भीतर अहमदाबाद पहुंच गया।

इस पूरे ऑपरेशन के लिए भारतीय रेलवे, गुजरात पुलिस, रेलवे सुरक्षा बल (आरपीएफ) और मेडिकल टीमों के बीच समन्वय किया गया ताकि अंग को बिना किसी देरी के पहुंचाया जा सके। ट्रेन के अहमदाबाद रेलवे स्टेशन पहुंचने के बाद आरपीएफ और गुजरात पुलिस ने प्लेटफॉर्म नंबर 1 से यू.एन. मेहता इंस्टीट्यूट ऑफ कार्डियोलॉजी एंड रिसर्च सेंटर तक ग्रीन कॉरिडोर बनाया। इस समर्पित रूट की मदद से दिल को तेजी से अस्पताल तक पहुंचाया गया, ताकि तय समय में ट्रांसप्लांट की प्रक्रिया शुरू की जा सके।

अहमदाबाद के मंडल रेल प्रबंधक वेद प्रकाश ने कहा कि यह ऑपरेशन भारतीय रेलवे के लिए गर्व का क्षण है। उन्होंने कहा, 'यह भारतीय रेलवे के लिए बेहद गर्व और संतोष का पल है कि वंदे भारत एक्सप्रेस के जरिए सूरत से अहमदाबाद तक एक लाइव हार्ट को सुरक्षित और समय पर पहुंचाया गया। ऐसे जीवन रक्षक अभियानों में हर पल महत्वपूर्ण होता है। भारतीय रेलवे, आरपीएफ, गुजरात राज्य पुलिस और मेडिकल टीमों के बीच शानदार समन्वय से यह मिशन सफल हुआ। हमारे लिए किसी व्यक्ति का जीवन बचाने में भूमिका निभाना सिर्फ जिम्मेदारी नहीं, बल्कि सेवा और मानवता का सर्वोच्च कर्तव्य है।'

रेल प्रशासन के अनुसार, वंदे भारत एक्सप्रेस की रफ्तार, समयनिष्ठता और विश्वसनीयता ही मुख्य कारण थे जिससे अंग को ट्रांसप्लांट के लिए जरूरी सीमित समय-सीमा के भीतर गंतव्य तक पहुंचाया जा सका।

इस मिशन में भारतीय रेलवे के कई विभागों के साथ-साथ डॉक्टर, अंग प्रत्यारोपण समन्वयक, आरपीएफ कर्मी, गुजरात राज्य पुलिस अधिकारी और अन्य अधिकारी भी शामिल थे। अधिकारियों ने बताया कि सभी एजेंसियों के बीच करीबी समन्वय के कारण यह समय-संवेदनशील ऑपरेशन सफलतापूर्वक पूरा हो सका।

यह देश में पहली बार है जब ट्रांसप्लांट के लिए ट्रेन के जरिए लाइव हार्ट ले जाया गया है। इससे यात्री और माल सेवाओं के साथ-साथ आपातकालीन मेडिकल लॉजिस्टिक्स में भी रेल नेटवर्क की भूमिका और बढ़ गई है।

किशोर ब्वॉयफ्रेंड की वजह से टूटा था तापसी पन्नू का दिल

आज हैं विदेशी खिलाड़ी की दुल्हनियां

मुंबई, 31 जुलाई (एजेंसियां)। स्कूल-कॉलेज का प्यार अक्सर किसी पुरानी किताब में समिट कर रह जाते हैं। इसी उम्र में अभिनेत्री तापसी पन्नू भी किसी पर अपना दिल हार बैठी थीं। अभिनेत्री आज भले ही मनोरंजन जगत में अपना करियर स्थापित कर डेनमार्क के जाने-माने पूर्व बैडमिंटन खिलाड़ी और कोच मैथियास बोए के साथ शादीशुदा जीवन बिता रही हैं लेकिन उनके किशोरावस्था का प्यार किसी फिल्मी कहानी से कम नहीं है। दिल्ली के माता जय कौर पब्लिक स्कूल में अपनी पढ़ाई के समय ही अभिनेत्री को पहली बार प्यार का एहसास हुआ और वह एक लड़के पर दिल हार बैठी थीं। एक पॉडकास्ट के दौरान अभिनेत्री ने खुलासा करते हुए बताया था कि स्कूल के समय उनका एक बॉयफ्रेंड था। वह 9वीं क्लास में थीं तो उनका बॉयफ्रेंड 10वीं में।

तापसी ने बताया कि उनके ब्वॉयफ्रेंड ने उनसे इसलिए ब्रेकअप ले लिया था क्योंकि उसका कहना था कि वो 10वीं क्लास की बोर्ड परीक्षा पर पूरा ध्यान लगाना चाहता है, जिसके बाद मैं खूब रोई भी थी।

हालांकि, उस समय आज के बच्चों के पास पर्सनल मोबाइल नहीं हुआ करते थे। अभिनेत्री ने बताया कि वो उनका पहला हार्ट ब्रेक था और वे अपने घर के पास वाले पीसीओ पर जाकर दो-दो रुपए के सिक्के डालकर अपने बॉयफ्रेंड को कॉल किया करती थीं और कहती थीं कि प्लीज बात कर लो। वो पहले तो फोन उठाता ही नहीं था और अगर उठाया, तो बुरी तरह बात करता था।

अभिनेत्री ने बताया कि उस दिन उन्होंने तय किया था कि वे अपने जीवन में किसी को इतना हक नहीं देंगी, कि वो उनकी इतना बुरा हाल कर दे। अभिनेत्री ने अपनी बात में यह भी जोड़ा था कि वो उनके जीवन का सबसे बड़ा हार्ट ब्रेक था ĸसमय बीता और यह सब पीछे चला गया। तापसी ने भी अपनी राह बदली और गुरु तेग बहादुर इंस्टीट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी (नई दिल्ली) से कंप्यूटर साइंस में बीटेक (इंजीनियरिंग) पूरी की। यहीं से उन्होंने मॉडलिंग में हाथ आजमाया और साउथ सिनेमा की तरफ रुख किया।उन्होंने 2010 में तेलुगु फिल्म 'झमंडी नादम' से अपने फिल्मी करियर की शुरुआत की। इसके बाद उन्होंने साल 2013 की फिल्म 'चश्मे बद्दूर' हिंदी सिनेमा में डेब्यू करने के बाद 'पिंक', 'बेबी', 'नाम शबाना', 'थप्पड़' और 'डंकी' जैसी फिल्मों में शानदार अभिनय कर अपना नाम स्थापित किया।

डेंटिस्ट बनने का दबाव, क्राइम रिपोर्टर बनने की चाह, फिल्मों से जुड़ा 'किस्मत कनेक्शन'

मुंबई, 31 जुलाई (एजेंसियां)। बॉलीवुड और साउथ फिल्मों की मशहूर एक्ट्रेस मृणाल ठाकुर आज करोड़ों लोगों के दिलों पर राज करती हैं। लेकिन, उनका पहला सपना फिल्मों में आने का नहीं था, वह टीवी पर आना चाहती थीं, लेकिन एक अभिनेत्री के रूप में नहीं, बल्कि क्राइम रिपोर्टर बनकर। समय के साथ हालात बदले, फैसले बदले और फिर उन्होंने ऐसा सफर तय किया, जिसने उन्हें टीवी से लेकर बॉलीवुड और साउथ सिनेमा तक एक खास पहचान दिला दी। मृणाल ठाकुर का जन्म 1 अगस्त 1992 को महाराष्ट्र के धुले में एक मराठी परिवार में हुआ। उनकी पढ़ाई महाराष्ट्र में ही हुई। उस समय उनके पिता चाहते थे कि वह डेंटिस्ट बनें, लेकिन उनका मन किसी और फील्ड में था। उन्हें खबरों की दुनिया पसंद थी और उनका सपना क्राइम रिपोर्टर बनने का था। एक इंटरव्यू में उन्होंने बताया था कि वह क्राइम रिपोर्टर बनना चाहती थीं।

कॉलेज में पढ़ाई के दौरान मृणाल को टीवी सीरियल का ऑफर मिला। यह फैसला शुरुआत में उनके परिवार को पसंद नहीं आया। साल 2012 में उन्होंने टीवी सीरियल 'मुझसे कुछ कहती... ये खामोशियां' से अपने करियर की शुरुआत की। इसके बाद वह 'अर्जुन' में नजर आईं। हालांकि, उन्हें सबसे बड़ी पहचान 'कुमकुम भाग्य' में बुलबुल अरोड़ा के किरदार से मिली। इस शो ने उन्हें घर-घर में लोकप्रिय बना दिया और लोगों ने उनके अभिनय को खूब पसंद किया।

शारीरिक और मानसिक शांति के लिए करें योगमुद्रासन, जानें इसके लाभ

नई दिल्ली, 31 जुलाई (एजेंसियां)। आज की व्यस्त जीवनशैली में जहां तनाव, कब्ज और पीठ दर्द जैसी शारीरिक समस्याएं आम हो गई हैं, वहां योगमुद्रासन एक संजीवनी की तरह काम करता है। इस आसन के नियमित अभ्यास से शरीर के साथ-साथ मस्तिष्क संतुलित रहता है।

यह एक ऐसी योग मुद्रा है, जिसे दो शब्दों 'योग', यानी 'जोड़ना', और 'मुद्रा', यानी 'प्रतीक', से मिलकर बनाया गया है, जबकि अंग्रेजी में इसे 'साइकिक यूनियन पोज' कहते हैं, जिसका हिन्दी भाषा में अर्थ 'मानस को जोड़ना' होता है। योग मुद्रासन, असल में, शरीर और मन के बीच अंतर को मिटाकर सामंजस्य स्थापित करने वाला योगासन है। इस आसन करने के दौरान शरीर ध्यान, समर्पण और आंतरिक शांति की स्थिति में जाता है। भारत सरकार के आयुष मंत्रालय ने योगासन को लेकर कुछ गाइडलाइन्स दिए हैं, जिसके अनुसार, यह पेट के अंगों को सक्रिय, पाचन में सुधार और मन को शांत करने में मदद करता है। इसके अभ्यास से पेल्विक मसल्स मजबूत होती और महिलाओं में प्रजनन अंगों से संबंधित समस्याओं को कम किया जा सकता है। लंबे समय तक इस आसन का अभ्यास करने से शरीर और दिमाग में स्थिरता और एकाग्रता बढ़ती है। साथ ही, यह मणिपुर चक्र (मानव शरीर के सात मुख्य चक्रों में से तीसरा ऊर्जा केंद्र है, जो आत्मविश्वास, पाचन और अग्नि तत्व से जुड़ा) को सक्रिय और स्टिम्यूलेट करता है, जिससे शरीर में प्राणिक ऊर्जा को नियंत्रित करता है। इस आसन को करना बेहद आसान है, जिसे करने के लिए सबसे साधक पद्मासन की स्थिति में बैठ जाएं। अब अपने दोनों हाथों की कलाई को पीछे की ओर ले जाकर पकड़ें या पैरों के अंगूठे को पकड़ें। लंबी गहरी सांस लेते और छोड़ते हुए धीरे-धीरे आगे की ओर झुकें। अपने माथे को जमीन पर स्पर्श कराने का प्रयास करें और शरीर को ढीला छोड़ दें।

योगासन को लेकर कुछ गाइडलाइन्स दिए हैं, जिसके अनुसार, यह पेट के अंगों को सक्रिय, पाचन में सुधार और मन को शांत करने में मदद करता है।

साई पल्लवी की सादगी की मुरीद हैं निहारिका एनएम

मुंबई, 31 जुलाई (एजेंसियां)। सोशल मीडिया और कंटेंट क्रिएशन की दुनिया से फिल्मों तक का सफर तय करने वाली अभिनेत्री निहारिका एनएम ने अभिनेत्री साई पल्लवी को अपनी पसंदीदा एक्ट्रेस बताया। उन्होंने कहा कि साई पल्लवी की सादगी, शानदार अभिनय और व्यक्तित्व उन्हें हमेशा प्रेरित करता है। निहारिका एनएम ने कहा, 'साई पल्लवी उन अभिनेत्रियों में से हैं, जिन्हें मैं लंबे समय से पसंद करती हूं। उनकी सादगी, खूबसूरती और अपने काम के प्रति समर्पण उन्हें सबसे अलग बनाता है। वह मुझे हमेशा प्रेरित करती हैं।' निहारिका ने कहा, 'साई पल्लवी की सबसे बड़ी खासियत यह है कि उन्होंने बिना किसी बनावटी छवि के दर्शकों के दिलों में जगह बनाई है और यही बात मुझे बेहद पसंद आती है। मेरा मानना है कि आज के समय में ऐसे कलाकार बहुत कम हैं जो अपनी सादगी और स्वाभाविक अंदाज से लोगों का दिल जीतते हैं।'

गैर-धूम्रपान करने वाले, महिलाओं और युवाओं में बढ़ रहे लंग कैंसर के मामले

हर महीने औसतन 10 से 15 नए मरीज लंग कैंसर के सामने आते हैं, जो इस बीमारी के बढ़ते बोझ का संकेत है। पहले यह बीमारी मुख्य रूप से 50 वर्ष से अधिक आयु के लोगों में देखी जाती थी, लेकिन अब युवाओं और महिलाओं, विशेषकर गैर-धूम्रपान करने वालों में भी इसके मामले बढ़ रहेः डॉ. कनुज मलिक, सीनियर कंसल्टेंट, सर्जिकल ऑन्कोलॉजी, यथार्थ सुपर स्पेशियलिटी हॉस्पिटल

ग्रेटर नोएडा, 31 जुलाई (देशबन्धु)। विश्व लंग कैंसर दिवस के अवसर पर यथार्थ सुपर स्पेशियलिटी हॉस्पिटल्स के वरिष्ठ कैंसर एवं फेफड़ा रोग विशेषज्ञों ने चेतावनी दी है कि लंग कैंसर अब केवल धूम्रपान करने वालों तक सीमित नहीं रह गया है। हाल के वर्षों में गैर-धूम्रपान करने वाले लोगों, महिलाओं और युवाओं में भी इसके मामलों में उल्लेखनीय वृद्धि दर्ज की जा रही है। विशेषज्ञों के अनुसार, तंबाकू सेवन अभी भी इस बीमारी का सबसे बड़ा कारण है, लेकिन बढ़ता वायु प्रदूषण, पैसिव स्मोकिंग, कार्यस्थलों पर हानिकारक रसायनों का संपर्क, घरों में बायोमास ईंधन से निकलने वाला धुआं तथा आनुवंशिक कारण भी लंग कैंसर के जोखिम को तेजी से बढ़ा रहे हैं। उन्होंने लोगों से अपील की कि लगातार बनी रहने वाली खांसी या अन्य श्वसन संबंधी लक्षणों को नजरअंदाज न करें, क्योंकि समय पर जांच और उपचार से मरीज के स्वस्थ होने की संभावना कई गुना बढ़ जाती है। यथार्थ सुपर स्पेशियलिटी हॉस्पिटल, नोएडा एक्सटेंशन के सीनियर कंसल्टेंट, सर्जिकल ऑन्कोलॉजी, डॉ. कनुज मलिक ने कहा कि लंग कैंसर आज भी सबसे जटिल और चुनौतीपूर्ण कैंसरों में से एक है तथा धूम्रपान इसका प्रमुख कारण बना हुआ है। हालांकि अब वायु प्रदूषण, पैसिव स्मोकिंग, हानिकारक रसायनों के संपर्क और आनुवंशिक कारणों की वजह से गैर-धूम्रपान करने वालों में भी इसके मामले लगातार बढ़ रहे हैं। हमारी ओपीडी में हर महीने औसतन 10 से 15 नए मरीज लंग कैंसर के सामने आते हैं, जो इस बीमारी के बढ़ते बोझ का संकेत है। पहले यह बीमारी मुख्य रूप से 50 वर्ष से अधिक आयु के लोगों में देखी जाती थी, लेकिन अब युवाओं और महिलाओं, विशेषकर गैर-धूम्रपान करने वालों में भी इसके मामले बढ़ रहे हैं। लगातार तीन सप्ताह से अधिक रहने वाली खांसी, बिना कारण वजन घटना, सीने में दर्द, सांस फूलना या खांसी के साथ खून आना जैसे लक्षणों को कभी नजरअंदाज नहीं करना चाहिए। समय पर जांच और उपचार से बेहतर परिणाम प्राप्त किए जा सकते हैं और मरीज के स्वस्थ होने की संभावना काफी बढ़ जाती है।ष् विभागाध्यक्षदृपल्मोनोलॉजी, डॉ. (ब्रिगेडियर) सरविंदर सिंह ने कहा, कि हमारे तृतीयक चिकित्सा केंद्र में हर महीने बड़ी संख्या में ऐसे मरीज आते हैं जिनमें लंग कैंसर की आशंका होती है। इनमें से कई मरीजों की पुष्टि के लिए सीटी स्कैन, ब्रोंकोस्कोपी, पीईटी-सीटी और बायोप्सी जैसी उन्नत जांचों की आवश्यकता पड़ती है।

मां का दूध ही नवजात के लिए सबसे बड़ा सुरक्षा कवच

विश्व स्तनपान सप्ताह 2026

नई दिल्ली, 31 जुलाई (एजेंसियां)। हर साल 1 अगस्त से 7 अगस्त तक दुनिया भर में विश्व स्तनपान सप्ताह मनाया जाता है। इस अभियान को विश्व स्वास्थ्य संगठन, यूनिसेफ, विभिन्न देशों के स्वास्थ्य मंत्रालय और कई सामाजिक संगठन मिलकर आगे बढ़ाते हैं। इसका मकसद सिर्फ मां को स्तनपान के लिए प्रेरित करना नहीं, बल्कि ऐसा माहौल तैयार करना भी है, जहां हर महिला बिना किसी परेशानी के अपने बच्चे को स्तनपान करा सके। विश्व स्तनपान सप्ताह 2026 की थीम है – 'जीवन की सस्टेनेबल शुरुआत के लिए स्तनपान: जो तरीका कारगर है, उसे और मजबूत करें।' यानी जीवन की बेहतर और टिकाऊ शुरुआत के लिए उन उपायों को और मजबूत बनाना जो पहले से असरदार साबित हो चुके हैं। डॉक्टरों की मानें तो जन्म के एक घंटे के भीतर बच्चे को मां का पहला दूध जरूर पिलाना चाहिए। इसे कोलोस्ट्रम कहा जाता है। यह गाढ़ा पीला दूध बच्चे के लिए किसी प्राकृतिक वैक्सीन से कम नहीं होता। इसमें ऐसे पोषक तत्व और एंटीबॉडी होती हैं, जो नवजात को कई तरह के संक्रमण और बीमारियों से बचाने में मदद करती हैं। डब्ल्यूएचओ के मुताबिक, मां का दूध बच्चे के लिए सबसे सुरक्षित और पौष्टिक आहार है। इसके बावजूद आज भी दुनिया में छह महीने से कम उम्र के आधे से भी कम बच्चों को केवल मां का दूध मिल पाता है, जोकि चिंता का विषय है, क्योंकि जन्म के बाद शुरुआती छह महीने तक सिर्फ मां का दूध ही बच्चे के स्वस्थ विकास और मजबूत रोग प्रतिरोधक क्षमता के लिए सबसे जरूरी माना जाता है। विशेषज्ञों का कहना है कि अगर मां को सही जानकारी, परिवार का साथ और स्वास्थ्य सेवाओं का सहयोग मिले तो स्तनपान की दर में काफी सुधार हो सकता है। कई शोध बताते हैं कि अस्पतालों, घर और समुदाय में सही परामर्श मिलने पर केवल मां का दूध पिलाने की दर में करीब 58 प्रतिशत तक बढ़ोतरी देखी गई है। इसी तरह बेबी-फ्रेंडली हॉस्पिटल इनिशिएटिव भी काफी प्रभावी साबित हुआ है। इसमें अस्पतालों को ऐसी व्यवस्था अपनाने के लिए प्रोत्साहित किया जाता है, जिससे मां को बच्चे के जन्म के तुरंत बाद स्तनपान शुरू कराने में मदद मिले। अध्ययनों में पाया गया कि इस पहल को अपनाने वाले अस्पतालों में छह महीने तक केवल मां का दूध पिलाने की दर में 45 प्रतिशत तक वृद्धि हुई, जबकि लंबे समय तक स्तनपान जारी रखने के मामलों में भी उल्लेखनीय बढ़ोतरी देखी गई। जागरूकता फैलाने में मीडिया की भूमिका भी अहम मानी गई है। टीवी, रेडियो, सोशल मीडिया और जन-जागरूकता अभियानों को जब स्वास्थ्य परामर्श और सामुदायिक कार्यक्रमों के साथ जोड़ा गया तो स्तनपान की दर में करीब 17 प्रतिशत तक बढ़ोतरी दर्ज की गई। सरकारों की नीतियां भी इस दिशा में बड़ा बदलाव ला सकती हैं। शोध बताते हैं कि जिन महिलाओं को पर्याप्त मातृत्व अवकाश मिलता है, उनमें केवल मां का दूध पिलाने की संभावना 52 प्रतिशत तक अधिक होती है। आज के समय में बड़ी संख्या में महिलाएं नौकरी करती हैं। ऐसे में कार्यस्थल पर स्तनपान के लिए अनुकूल माहौल, दूध निकालकर सुरक्षित रखने की सुविधा और पर्याप्त अवकाश जैसी व्यवस्थाएं बेहद जरूरी हैं। जिन संस्थानों में ऐसी सुविधाएं उपलब्ध हैं, वहां माताएं लंबे समय तक अपने बच्चों को स्तनपान करा पाती हैं।

सुभाष घई ने संत कबीर की सीख को बताया तनावमुक्त जीवन का मंत्र

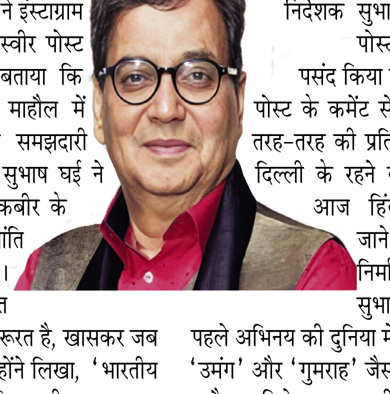

मुंबई, 31 जुलाई (एजेंसियां)। मशहूर निर्देशक-निर्माता सुभाष घई ने शुक्रवार को सोशल मीडिया पर संत कबीर की शिक्षाओं से प्रेरित नोट शेयर किया। इस पोस्ट के जरिए मुश्किल समय में शांति पाने और जिंदगी को अच्छे से जीने पर जोर दिया। सुभाष घई ने इंस्टाग्राम पर संत कबीर की तस्वीर पोस्ट की, जिसमें उन्होंने बताया कि आज के तनाव भरे माहौल में रहस्यवादी कवि की समझदारी आज भी कायम है। सुभाष घई ने लिखा, 'सिर्फ संत कबीर के दोहे हमारे मन की शांति बनाए रख सकते हैं। हमें आज भी संत कबीर को पढ़ने की जरूरत है, खासकर जब हम तनाव में हो।' उन्होंने लिखा, 'भारतीय रहस्यवादी और कवि कबीर का जन्म बनारस के पास हुआ था। हिंदू तपस्वी रामानंद के शिष्य बनने से पहले वे मुस्लिम बुनकरों के परिवार में पले-बढ़े थे। कबीर की कविता हिंदू धर्म और इस्लाम दोनों से प्रेरित है, हालांकि वे दोनों धर्मों के कुछ पहलुओं की आलोचना करते थे। कबीरा खड़ा बाजार में सबकी हिस्सेदारी ठीक है न काहू से दोस्ती न काहू से बैर।'

निर्देशक सुभाष घई की इस पोस्ट को काफी पसंद किया जा रहा है। उनके पोस्ट के कमेंट सेक्शन पर यूजर्स तरह-तरह की प्रतिक्रिया दे रहे हैं। दिल्ली के रहने वाले सुभाष घई आज हिंदी सिनेमा के जाने-माने निर्देशक निर्माता हैं, हालांकि सुभाष ने निर्देशन से पहले अभिनय की दुनिया में कदम रखा था। 'उमंग' और 'गुमराह' जैसी फिल्मों में वो बतौर अभिनेता नजर भी आए, लेकिन अभिनय में वो बात नहीं बनी तो वो डायरेक्शन में आ गए।

भारतीय मतदाता संसद

भारतीय मतदाताओं का अपना संसद
जनसभा

जनसभा ही क्यों ?

जब दो बिभिन्न विचारधारा की राजनीतिक पार्टी गठबन्धन कर सरकार बना सकती हैं।

तो फिर मतदाता भी भी ऐसा क्यों नहीं कर सकता ?

करके देखें ! ऐसा करने से अच्छे जनप्रतिनिधि को भी अवसर मिलेगा ! मुठितन्त्र वाली सरकार से जनप्रतिनिधि आजाद होगा ! जनप्रतिनिधि मुठितन्त्र के लिए नही लोकतंत्र के लिए होगा ! तब बदलेगा भारत

अब भारतीय मतदाता हारेगा नही, कियोंकि अपने जनसभा संसद में बैठकर अपनी और दूसरे का विचारधारा बदलेगा, फिर एक विचारधारा बनाएगा

वर्तमान राजनीतिक व्यवस्था और जनसभा राजनीतिक व्यवस्था में अंतर

वर्तमान व्यवस्था

- किसी विशेष राजनितिक पार्टी या समर्थक के रूप में मतदाता को संगठित किया जाता है। जिस कारण मतदाता को अपना बेहतर और अनुभवी जन प्रतिनिधि के रूप में चुनने का विकल्प नही रहता इसीलिये लोकतंत्र लोकतंत्र न रहकर मुट्ठितंत्र बन जाता है।
- अधिकतर मतदाता अपना मत का अधिकार किसी विशेष पार्टी या राजनितिक के कार्यकर्ता या समर्थक के रूप में करता है जिस कारण अपने प्रतिनिधि की छवि या अनुभव महत्व नही रखता।
- भारतीय लोकतंत्र में जनता राजा है पर आज जनता नहीं कुछ मुट्ठी भर लोग राज कर रहे हैं।
- मुट्ठी भर लोग राज करने से जनता द्वारा चुने प्रतिनिधि का अधिकार कम हुआ।
- जनप्रतिनिधि बनने के इच्छुक चुनाव के समय ही अपनी कुशलता केवल प्रचार के माध्यम से करता है। जिसमें अधिक रुपया खर्चा करना पड़ता है।
- राजनीति में धन-बल का प्रयोग ज्यादा होता है, जिससे विकास और एक समान मूल अधिकार में बाधा उत्पन होती है।

जनसभा व्यवस्था

- मतदाता मतदाता के रूप में संगठित रहेगा इसीलिये मतदाता को अपना बेहतर और अनुभवी जन प्रतिनिधि के रूप में चुनने का विकल्प रहेगा तब लोकतंत्र मुट्ठीतंत्र न बनकर लोकतंत्र रहेगा।
- अधिकतर मतदाता अपना मत का अधिकार अपने प्रतिनिधि की छवि या अनुभव के आधार पर मत का प्रयोग करेगा।
- भारतीय लोकतंत्र का जो सपना है मुट्ठी भर लोग राज नहीं आम जनता राज करे यह सपना साकार होगा।
- आम जनता का राज होने से जनता द्वारा चुने प्रतिनिधि का अधिकार बढ़ेगा।
- जनप्रतिनिधि बनने के इच्छुक को अपनी कुशलता रुपया या प्रचार के माध्यम से नहीं जनता की अधिक समय सेवा कर दिखाने का अवसर मिलेगा।
- राजनीति में धन-बल का प्रयोग कम होगा जिससे सभी का विकास और एक समान मूल अधिकार सबको मिलेगा।

करके देखें · मुठितन्त्र से आजाद होगा हमारा जनप्रतिनिधि फिर · भारत बदलेगा

आज ही शब्दवाणी समाचार के स्थाई पाठक बनकर भारतीय मतदाता का अपना संसद जनसभा के सदस्य बनें

शब्दवाणी समाचार विज्ञापन नहीं पाठकों को प्रमुख मानता है इसलिए औरों से अलग है

आज ही शब्दवाणी समाचार (हिंदी दैनिक) के स्थाई पाठक बनें, मात्र 300 रूपये मासिक पर

सम्मान के साथ मिलेगा बहुत कुछ, लेकर देखें

अधिक जानकारी के लिए सम्पर्कर करें

RNI. NO.DELHIN/2003/09049
हिन्दी दैनिक
शब्दवाणी समाचार
Website : Shabdawanisamachar.page
(नई सोच, नई उम्मीद, बेहतर भविष्य, बेहतर भारत)

कॉमनवेल्थ में मप्र की यामिनी ने भारत को दिलाया रजत पदक

फाइनल में गोल्ड से चूकीं सागर की यामिनी, अस्मिता और हर्ष को गोल्ड

● ग्लासगो / (एजेंसी)

कॉमनवेल्थ गेम्स 2026 के आठवें दिन भारत ने जूडो और मुक्केबाजी में शानदार प्रदर्शन करते हुए कई पदक पक्के किए। जूडो में अस्मिता डे और हर्ष सिंह ने स्वर्ण पदक जीतकर इतिहास रच दिया, जबकि मध्य प्रदेश के सागर की रहने वाली यामिनी मौर्य ने रजत पदक अपने नाम किया। दूसरी ओर, भारतीय मुक्केबाजों ने सेमीफाइनल में दमदार प्रदर्शन करते हुए कई भार वर्गों के फाइनल में जगह बनाई।

महिलाओं के 48 किग्रा वर्ग में अस्मिता डे ने कनाडा की हाइडी क्वाच को हराकर स्वर्ण पदक जीता। वह कॉमनवेल्थ गेम्स में स्वर्ण जीतने वाली पहली भारतीय महिला जूडो खिलाड़ी बन गई हैं। इसके बाद पुरुषों के 60 किग्रा वर्ग में हर्ष सिंह ने ऑस्ट्रेलिया के ओलंपियन जोशुआ काट्ज को पराजित कर स्वर्ण पदक अपने नाम किया। इसके साथ ही वह कॉमनवेल्थ गेम्स में स्वर्ण जीतने वाले पहले भारतीय पुरुष जूडो खिलाड़ी बने। महिलाओं के 57 किग्रा वर्ग के फाइनल में यामिनी को इंग्लैंड की एसेल्या टोपराक के खिलाफ हार का सामना करना पड़ा और उन्हें रजत पदक से संतोष करना पड़ा। इस उपलब्धि के साथ भारत ने जूडो में दो स्वर्ण और एक रजत पदक हासिल किए।

पिता करते थे साइकिल की मरम्मत, बेटी बन गईं गोल्डन गर्ल

दक्षिण त्रिपुरा के छोटे से शहर बेलोनिया की रहने वाली अस्मिता डे ने राष्ट्रमंडल खेल 2026 में इतिहास रच दिया। महिलाओं के 48 किग्रा जूडो वर्ग में स्वर्ण पदक जीतकर वह राष्ट्रमंडल खेलों में जूडो का गोल्ड जीतने वाली भारत की पहली महिला खिलाड़ी बन गईं। साइकिल मरम्मत करने वाले पिता और गृहिणी मां की बेटी अस्मिता का सफर संघर्षों से भरा रहा। उन्होंने खेल की शुरुआत 800 मीटर दौड़ से की, लेकिन बाद में जूडो को अपना करियर बनाया। राष्ट्रीय स्तर पर शानदार प्रदर्शन के बाद उन्हें साई भोपाल केंद्र में प्रशिक्षण का अवसर मिला, जहां वह आज भी अभ्यास कर रही हैं। आर्थिक तंगी भी उनके कदम नहीं रोक सकी। 2023 में धन की कमी के कारण वह ताशकंद ग्रैंड स्लैम में हिस्सा नहीं ले सकीं, लेकिन उन्होंने एशियन और अंतरराष्ट्रीय प्रतियोगिताओं में लगातार पदक जीतकर अपनी पहचान बनाई।

भूखे पेट खेलीं, फिर जीता गोल्ड, अस्मिता बोलीं- योगी जी के समर्थन से मिला हौसला, मेडल कोच-पिता को समर्पित

राष्ट्रमंडल खेल 2026 में स्वर्ण पदक जीतने वाली भारतीय जूडोका अस्मिता डे ने अपनी सफलता का श्रेय अपने कोच, परिवार और समर्थकों को दिया। अस्मिता ने जीत के बाद उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ का भी आभार जताया। उन्होंने कहा कि यूपी पुलिस में नौकरी मिलने से उनके परिवार को आर्थिक मजबूती मिली और वह बिना चिंता के अपने खेल पर ध्यान दे सकीं। फाइनल से पहले संघर्ष भी कम नहीं था। वजन सीमा बनाए रखने के लिए अस्मिता को सुबह बिना खाए रहना पड़ा। उन्होंने बताया कि रैंडम वेट-इन से पहले उनका वजन 50 किलो 300 ग्राम था, इसलिए उन्होंने कुछ नहीं खाया और जांच पूरी होने के बाद ही भोजन किया। अस्मिता ने कहा, यह पदक उन सभी लोगों को समर्पित है, जिन्होंने मेरे सफर में मेरा साथ दिया। मेरा लक्ष्य सिर्फ देश, परिवार और कोच के लिए स्वर्ण जीतना था।

पीएम मोदी ने दी बधाई

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी अस्मिता और हर्ष को स्वर्ण पदक जीतने पर बधाई दी है। पीएम ने अस्मिता को बधाई देते हुए एक्स पर लिखा, सचमुच एक शानदार प्रदर्शन! जूडो महिला 48 किग्रा फाइनल में स्वर्ण पदक जीतने पर अस्मिता डे पर गर्व है! यह प्रदर्शन हमेशा याद रखा जाएगा और जूडो को और ज्यादा लोकप्रिय बनाने में योगदान देगा। उन्हें भविष्य के लिए शुभकामनाएं। हर्ष को बधाई देते हुए पीएम ने लिखा, भारतीय जूडो के लिए ऐतिहासिक दिन! स्वर्ण पदक जीतने पर हर्ष सिंह को बधाई। उनके शानदार प्रदर्शन में उनका जुनून और समर्पण साफ झलकता है। भविष्य के लिए उन्हें शुभकामनाएं।

कई बार नेशनल चैंपियन रह चुकी हैं यामिनी

26 मार्च 1998 को जन्मीं यामिनी ने वर्ल्ड चैंपियनशिप, एशियन गेम्स, एशियन चैंपियनशिप और आईजेएफ वर्ल्ड टूर जैसे बड़े इंटरनेशनल टूर्नामेंट में भारत का प्रतिनिधित्व किया है। मप्र की यामिनी कई बार सीनियर नेशनल चैंपियन रह चुकी हैं और 2022 से इंटरनेशनल सर्किट में लगातार हिस्सा ले रही हैं। उनकी प्रमुख उपलब्धियों में 2022 नेशनल गेम्स, 2025 हांगकांग एशियन ओपन और 2026 डकार अफ्रीकन ओपन में गोल्ड मेडल जीतना, और साथ ही 2023 एफआईएसयू वर्ल्ड यूनिवर्सिटी गेम्स में ब्रॉन्ज मेडल जीत चुकी है।

बॉक्सिंग रिंग में जमकर चले पंच, 6 पदक पक्के

भारतीय मुक्केबाजों ने सेमीफाइनल मुकाबलों में शानदार प्रदर्शन करते हुए कई भार वर्गों के फाइनल में प्रवेश कर पदक पक्के किए।

- साक्षी चौधरी ने महिलाओं के 51 किग्रा वर्ग में कनाडा की एम्बर-जेन वॉल को 5-0 से हराया।
- प्रीति पवार ने महिलाओं के 54 किग्रा वर्ग में जाम्बिया की कैथरीन म्वापे को 5-0 से पराजित किया।
- जैस्मिन लैम्बोरिया ने महिलाओं के 57 किग्रा वर्ग के सेमीफाइनल में आरएससी के आधार पर जीत दर्ज की।
- अरुंधति चौधरी ने महिलाओं के 70 किग्रा वर्ग में वेल्स की रोजी एक्लेस को 4-0 से हराया।
- जादुमणि सिंह ने पुरुषों के 50 किग्रा वर्ग में नामीबिया के फिलिप हाओसेब को 5-0 से मात दी।
- अंकुश पंघाल ने पुरुषों के 80 किग्रा वर्ग में कनाडा के जोसेफ ओफोरी को 5-0 से हराकर फाइनल में प्रवेश किया।
- इन सभी खिलाडियों ने भारत के लिए कम से कम रजत पदक सुनिश्चित कर दिए हैं।

4×400 मीटर मिश्रित रिले टीम भी फाइनल में

डेकाथलॉन में तेजस्विन शंकर सात स्पर्धाओं के बाद दूसरे स्थान तक पहुंचे, लेकिन पोल वॉल्ट के बाद कुल अंक तालिका में चौथे स्थान पर खिसक गए। अब उनकी नजर अंतिम स्पर्धाओं में वापसी पर होगी। भारत ने 4×400 मीटर मिश्रित रिले में भी फाइनल के लिए क्वालीफाई किया है।

ट्रैक साइकिलिंग में मिली निराशा

पुरुषों के कीरिन स्पर्धा में डेविड बेकहम एल्कातिहचूंगो, रोनाल्डो सिंह लैतोंजम और जेमश सिंह रेपेचेज दौर से आगे नहीं बढ़ सके। वहीं, पुरुषों की 4000 मीटर इंडिविजुअल परस्यूट स्पर्धा में दिनेश कुमार और हर्षवीर सिंह सेखों भी फाइनल की दौड़ से बाहर हो गए।

बाउल्स में जीत का सिलसिला जारी

पुरुष युगल स्पर्धा में नवनीत सिंह और दिनेश कुमार की भारतीय जोड़ी ने फॉकलैंड आइलैंड्स को हराकर लगातार चौथी जीत दर्ज की। अब उनका अगला मुकाबला इंग्लैंड से होगा, जिसकी विजेता टीम सेमीफाइनल में पहुंचेगी।

बुमराह को श्रीलंका के खिलाफ टेस्ट सीरीज में खेलने के लिए मिली मंजूरी

तेज गेंदबाज ने पास किया फिटनेस टेस्ट, इंग्लैंड दौरे पर लगी थी चोट

● नई दिल्ली / (एजेंसी)

भारतीय तेज गेंदबाज जसप्रीत बुमराह ने बेंगलुरु स्थित बीसीसीआई सेंटर ऑफ एक्सीलेंस (सीओई) में अनिवार्य फिटनेस टेस्ट पास कर लिया है।

इसके साथ ही वह अगले महीने श्रीलंका के खिलाफ होने वाली दो मैचों की टेस्ट सीरीज में खेलने के लिए पूरी तरह फिट घोषित कर दिए गए हैं। बुमराह को हाल ही में इंग्लैंड के खिलाफ वनडे सीरीज के दौरान प्रभाव (इम्पैक्ट) चोट लगी थी। इसी वजह से उन्हें लॉर्ड्स में खेले गए तीसरे वनडे से बाहर बैठना पड़ा था। हालांकि अब मेडिकल टीम ने उन्हें खेलने की मंजूरी दे दी है।

बीसीसीआई के एक वरिष्ठ अधिकारी ने से कहा, जसप्रीत बुमराह अपनी इम्पैक्ट इंजरी से पूरी तरह उबर चुके हैं।

डब्ल्यूटीसी चक्र के लिए अहम है यह सीरीज

विश्व टेस्ट चैंपियनशिप (डब्ल्यूटीसी) चक्र में भारत के लिए यह सीरीज बेहद महत्वपूर्ण मानी जा रही है। फाइनल की दौड़ में बने रहने के लिए टीम इंडिया को अपने बचे हुए नौ टेस्ट मैचों में से कम से कम सात जीतने होंगे। ऐसे में श्रीलंका के खिलाफ 2-0 से सीरीज जीतने का लक्ष्य भारतीय टीम के लिए अहम होगा। इसके बाद भारत को न्यूजीलैंड के दौरे पर भी जाना है। हालांकि बुमराह की वापसी राहत लेकर आई है, लेकिन भारतीय टीम अभी भी कई चोटों से परेशान है।

एथलीट स्वप्ना बर्मन ने लिया संन्यास

● नई दिल्ली / (एजेंसी)

एशियाई खेलों में स्वर्ण पदक जीतने वाली भारत की पहली हेप्टाथलीट स्वप्ना बर्मन ने शुक्रवार को एथलेटिक्स से संन्यास की घोषणा कर दी। स्वप्ना ने लगातार चोटिल होने को अपने संन्यास की वजह बताई। स्वप्ना बर्मन ने अपने इंस्टाग्राम पोस्ट में लिखा, यह मेरी जिंदगी के सबसे मुश्किल फैसलों में से एक है। एथलेटिक्स मेरे लिए सिर्फ एक खेल से कहीं ज्यादा रहा है। यह मेरी पहचान, मेरा जुनून, मेरा सपना और अनगिनत त्याग, संघर्ष, आंसुओं और कभी न भूलने वाली यादों से भरा एक सफर रहा है।

ताइपे ओपनः सेमीफाइनल में पहुंची उन्नति और तन्वी

उन्नति ने हमवतन देविका को हराया

● ताइपे / (एजेंसी)

भारतीय बैडमिंटन खिलाड़ी उन्नति हुड्डा ने शुक्रवार को ताइपे ओपन के महिला एकल क्वार्टर फाइनल में हमवतन देविका सिहाग को 23-21, 21-16 से हराकर सेमीफाइनल में प्रवेश कर लिया। दो भारतीय खिलाड़ियों के बीच हुए इस मुकाबले का पहला गेम बेहद रोमांचक रहा जहां उन्नति ने धैर्य का परिचय देते हुए 23-21 से जीत दर्ज की। उन्नति और देविका के बीच खेले गए मुकाबले का पहला गेम बेहद रोमांचक रहा जहां उन्नति ने धैर्य का परिचय देते हुए 23-21 से जीत दर्ज की। उन्नति ने शानदार शुरुआत करते हुए 11-3 की बढ़त बना ली, लेकिन

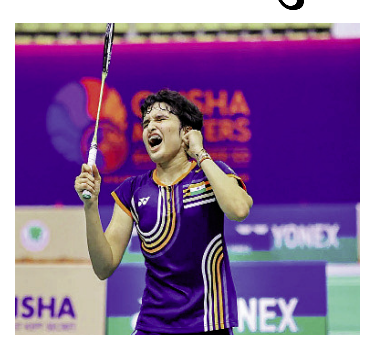

देविका ने जोरदार वापसी करते हुए स्कोर 21-21 से बराबर कर दिया। उन्नति ने निर्णायक क्षणों में संयम बनाए रखते हुए लगातार दो अंक जीतकर पहला गेम 23-21 से अपने नाम कर लिया। तीसरी वरीयता प्राप्त 18 वर्षीय उन्नति ने दूसरे गेम में दबदबा कायम रखा और आठवीं वरीय देविका को 21-16 से शिकस्त देकर 42 मिनट में मुकाबला जीता।

तन्वी ने काटेथोंग को हराकर किया उटलफेर

भारत की 17 वर्षीय तन्वी शर्मा ने थाईलैंड की चौथी वरीयता प्राप्त सुपनिदा काटेथोंग को 54 मिनट तक चले मुकाबले में 21-15, 18-21, 21-14 से हराया। दुनिया की 34वें नंबर की खिलाड़ी तन्वी शर्मा इस साल अपने दूसरे बीडब्लूएफ सुपर 300 सेमीफाइनल में पहुंची हैं। इससे पहले वह ऑरलियन्स मास्टर्स में टॉप-4 में पहुंची थीं। उनकी सेमीफाइनल में पांचवीं वरीयता प्राप्त और घरेलू खिलाड़ी हुआंग यू-सुन से भिड़ंत होगी।

क्लीन सेव्ड नजर आए पूर्व कप्तान रोहित शर्मा

● नई दिल्ली / (एजेंसी)

भारतीय क्रिकेट टीम के पूर्व कप्तान रोहित शर्मा की एक नई और क्लीन शेव्ड तस्वीर सोशल मीडिया पर सामने आई, जिसने क्रिकेट फैंस को पुरानी यादों में डुबो दिया। फैंस उनके इस नए लुक की तुलना अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट के शुरुआती दिनों से कर रहे हैं। भारतीय टीम के पूर्व मुख्य कोच रवि शास्त्री ने लंदन में एक मुलाकात के बाद इंस्टाग्राम पर रोहित शर्मा के साथ अपनी एक तस्वीर शेयर की। इस तस्वीर के साथ शास्त्री ने कैप्शन लिखा, लंदन में टहलते हुए एक रिलैक्स्ड रोहित से मिलकर बहुत खुशी हुई।

हॉकी इंडिया के अध्यक्ष बोले, मुझे नहीं थी जानकारी

तिर्की ने बोर्ड से मांगा जवाब, टीम की जर्सी पर और बढ़ा विवाद

● नई दिल्ली / (एजेंसी)

वर्ल्ड कप से ठीक पहले भारतीय हॉकी टीम की जर्सी का रंग बदलने पर शुरू हुआ विवाद अब हॉकी इंडिया के भीतर के गहरा गया है। पूर्व दिग्गज खिलाड़ी और हॉकी इंडिया के अध्यक्ष दिलीप तिर्की ने इस फैसले पर कड़ा ऐतराज जताया है। उन्होंने एग्जीक्यूटिव बोर्ड को चिट्ठी लिखकर साफ

किया है कि टीम किट के रंग में बदलाव का यह संवेदनशील फैसला उनकी बिना किसी जानकारी और सहमति के लिया गया।

इस कदम के बाद महासंघ के भीतर कामकाज के तरीकों पर गंभीर सवाल खड़े हो गए हैं। दिलीप तिर्की ने एग्जीक्यूटिव बोर्ड के सदस्यों और कार्यकारी निदेशक कमांडर आरके श्रीवास्तव को ईमेल भेजकर इस पूरे घटनाक्रम पर लिखित जवाब मांगा है। उन्होंने पूछा है कि पारंपरिक नीली जर्सी को हटाकर मुख्य रूप से भगवा रंग की किट लाने की मंजूरी किसने दी और इसमें कौन-कौन शामिल था। तिर्की ने सख्त लहजे में कहा कि टीम की पहचान से जुड़ा इतना बड़ा फैसला अध्यक्ष या चुने हुए बोर्ड से छिपाकर कैसे लागू कर दिया गया। एग्जीक्यूटिव बोर्ड को लिखे अपने पत्र में दिलीप तिर्की ने स्पष्ट किया, हाल ही में भारतीय टीम की जर्सी का रंग बदला गया है। यह फैसला एग्जीक्यूटिव बोर्ड के सामने चर्चा के लिए रखे बिना और मेरी पूर्व जानकारी के बिना लिया और लागू किया गया प्रतीत होता है।

भविष्य में कर रहे हैं निवेश : चयनकर्ता

● नई दिल्ली / (एजेंसी)

वैभव को उप कप्तान बनाने पर सफाई

हाल ही में वैभव सूर्यवंशी को दलीप ट्रॉफी के लिए ईस्ट जोन का उप-कप्तान बनाया गया, तो यह एक वर्ग को पसंद नहीं आया। इसको लेकर दिग्गज कमेंटेटर हर्षा भोगले ने भी सवाल उठाए, लेकिन चयनकर्ताओं का मानना है कि वे भविष्य में निवेश कर रहे हैं।

इटली और एसी मिलान के पूर्व डिफेंडर बरेसी का निधन

● नई दिल्ली / (एजेंसी)

इटली के पूर्व कप्तान और एसी मिलान के महान डिफेंडर फ्रैंको बरेसी का 66 वर्ष की उम्र में निधन हो गया।

लंबे समय से बीमारी से जूझ रहे बरेसी के निधन की पुष्टि शुक्रवार को इटली के दिग्गज क्लब एसी मिलान ने की। उनके जाने से विश्व फुटबॉल ने अपने सबसे महान रक्षात्मक खिलाड़ियों में से एक को खो दिया है। बरेसी को फुटबॉल इतिहास के सर्वश्रेष्ठ डिफेंडरों में गिना जाता है। वह सात बार बैलन डी''ओर के लिए नामित हुए और 1989 में दूसरे स्थान पर रहे। उन्हें 20वीं सदी के महान फुटबॉलरों की सूची में भी प्रमुख स्थान मिला था और 2013 में उन्हें इटैलियन फुटबॉल हॉल ऑफ फेम में शामिल किया गया।फ्रैंको बरेसी ने अपने पूरे पेशेवर करियर में केवल दो टीमों का प्रतिनिधित्व किया, एसी मिलान और इटली की राष्ट्रीय टीम शामिल हैं।

प्रेरणा सीमा कालीरामना ने पहले ही कॉमनवेल्थ गेम्स में रचा इतिहास, मेडल जीतने का पति को दिया श्रेय

बेटे को संभाला, पीएचडी कीं और कॉमनवेल्थ में जीता मेडल

● नई दिल्ली / (एजेंसी)

कोशिश करने वालों की कभी हार नहीं होती इसे सिद्ध किया है सीमा कालीरामना ने। सीमा ने अपने पहले कॉमनवेल्थ गेम्स में ब्रॉन्ज़ मेडल जीतकर यादगार कामयाबी हासिल की। भारतीय डिस्कस थ्रोअर ने अपनी सफलता के पीछे किए गए भावनात्मक त्याग के बारे में बात की और अपने बेटे से दूर रहने की मुश्किलों का जिक्र किया।

उन्होंने अपने पति, परिवार, एएएफआई, एसएआई, एनसीओई पटियाला और जेएसडब्ल्यू को उनके लगातार सहयोग के लिए धन्यवाद दिया और अपनी इस ऐतिहासिक जीत को अपने पति को समर्पित किया, जो इस पूरे सफर में उनके साथ खड़े रहे। कालीरामना ने कॉमनवेल्थ गेम्स 2026 में महिलाओं के डिस्कस थ्रो फाइनल में शानदार प्रदर्शन करते हुए ब्रॉन्ज़ मेडल जीता।

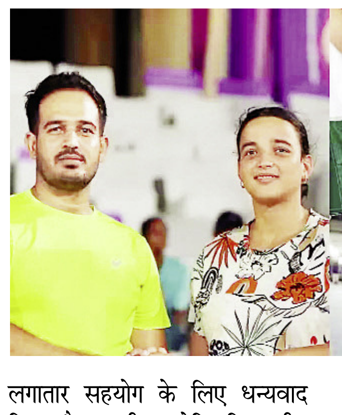

सीमा हैं फिजिकल एज्यूकेशन में पीएचडी

सीमा के लिए यहां तक का सफर आसान नहीं रहा। एक रिपोर्ट के मुताबिक, वह तीन साल के बेटे की मां हैं और साथ में वह फिजिकल एज्यूकेशन में डॉक्टरेट हैं। हरियाणा से आने वाली 27 साल की सीमा ने मां बनने के बाद पिछले साल नेशनल गेम्स में वापसी की थी। उनका बेटा तीन साल का है और ऐसे में उनके लिए खेल के लिए समय निकालना काफी मुश्किल भरा रहता है। इस दौरान उनके पति रवींद्र जो उनके कोच भी हैं उन्होंने सीमा की हौसल अफजाई की। रवींद्र खुद नेशनल स्तर के डिस्कस थ्रोअर रह चुके हैं।

पति रविंदर बने ताकत

सीमा कालीरमन की इस सफलता के पीछे उनकी मेहनत और प्रतिभा के साथ-साथ उनके पति रविंदर का भी अहम योगदान है। सीमा और रविंदर की मुलाकात डिस्कस थ्रो के मैदान पर ही हुई थी। रविंदर खुद इस खेल में सक्रिय रहे थे और जूनियर व सब-जूनियर स्तर पर नेशनल चैंपियन भी रह चुके थे। हालांकि चोट के कारण उनका खुद का खेल करियर आगे नहीं बढ़ सका। इसके बाद जब सीमा की मुलाकात रविंदर से हुई तो खेल को लेकर दोनों की सोच एक जैसी थी। सीमा के पिता ने भी बेटी के करियर को आगे बढ़ाने के उद्देश्य से दोनों के विवाह का प्रस्ताव रखा। शादी के बाद रविंदर ने सीमा की ट्रेनिंग, तकनीक और फिटनेस पर लगातार काम किया।

राजधानी (न्यू बॉम्बे)	
दिन	रात
233 = 8	160 = 7
150 = 6	488 = 0
शुभांक	
दिन	रात
138 = 2	288 = 8
490 = 3	679 = 2
भाग्यांक	
0 3 8 9	
www.kalyangame.com	

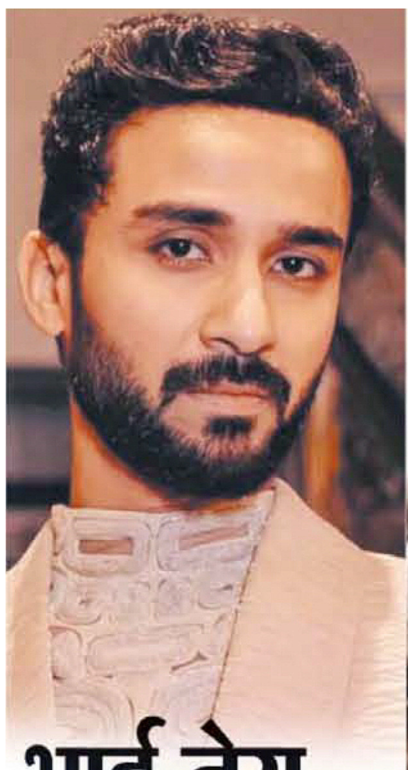

भाई तेरा... एक मिशन जैसी

'किल' में खतरनाक विलेन बनकर चौंकाने वाले राघव जुयाल अब कॉमेडी फिल्म 'भाई तेरा स्टार है' के साथ लौट रहे हैं। वह खुद को हीरोइक जॉनर में लेकर आ गए हैं। नई फिल्म को लेकर उन्होंने खास बातचीत की...

कॉमेडी को फिर से बड़े परदे पर लाना चाहता हूं

बचपन में परिवार एक साथ थिएटर जाकर कॉमेडी फिल्में देखा करता था। आज भी दर्शकों के भीतर उसी तरह की फिल्मों की भूख मौजूद है, लेकिन इंडस्ट्री में ऐसी फिल्में कम बन रही हैं। मेरे लिए 'भाई तेरा स्टार है' सिर्फ एक कॉमेडी फिल्म नही है। यह एक मिशन जैसी है। मैं चाहता हूं कि लोग फिर से थिएटर में बैठकर बिना दिमाग पर बोझ लिए खुलकर हंसें। मुझे लगता है कि गोविंदा सर वाली जो मास एंटरटेनर कॉमेडी थी, उसकी जगह आज भी खाली है।

दर्शक अब नए चेहरों को भी पसंद कर रहे हैं

'बैड्स ऑफ बॉलीवुड' में मेरे कॉमिक अंदाज को दर्शकों ने पसंद किया। इसी ने मेरा भरोसा मजबूत किया कि अच्छी कॉमेडी की आज भी ऑडियंस है। दर्शक सिर्फ बड़े स्टार नहीं देखते, अच्छी कहानी, नए चेहरों को भी अपनाते हैं।

भाई : तेरा... में ऐसा युवा हूं, जिसके सपने बड़े, जेब छोटी है

मैं फिल्म 'भाई तेरा स्टार...' में ऐसे लड़के का रोल कर रहा हूं, जो खुद को भविष्य का सुपरस्टार मानता है। उसके सपने बड़े हैं, पर जेब छोटी है। एक डॉन से पैसे लेने के बाद उसकी जिंदगी में गलतफहमियों और भाग-दौड़ का सिलसिला शुरू हो जाता है। उसका कॉन्फिडेंस ही उसकी ताकत भी है और मुसीबत भी।

मेकर्स से कहकर फिल्म प्रीपोन करवाई, आगे इंटेंस रोल्स हैं

फिल्म की शूटिंग पूरी होने के बाद लगा कि इसे पहले रिलीज किया जाए। इसलिए मेकर्स से खुद कहा कि मेरी आगे जो फिल्में आने वाली हैं, उनमें मैं लगातार गंभीर और इंटेंस किरदार निभा रहा हूं।

ऊर्जा : ऑन-द-स्पॉट जोक्स और रिएक्शन बने फिल्म की बड़ी ताकत

सेट पर कई बार ऑन-द-स्पॉट जोक्स और रिएक्शन आते हैं। मुझे लगता है कि वही चीज इस फिल्म की सबसे बड़ी ताकत बनी है। 'भाई तेरा स्टार है' में मैंने अपने वास्तविक व्यक्तित्व को इस्तेमाल किया है।

सर्वगुण..... में नॉन ग्लैमरस रोल में दिखेंगी वाणी

वाणी कपूर की अगली फिल्म 'सर्वगुण संपन्न' है। इसकी निर्देशक सोनाली रतन देशमुख हैं। उन्होंने इस फिल्म के आइडिया से लेकर वाणी के इससे जुड़ने और कहानी के फोकस पर खास बातचीत की...

निर्देशक सोनाली 'सर्वगुण संपन्न' को लेकर कहती हैं... 'फिल्म की शुरुआत किसी स्टार को ध्यान में रखकर नहीं, बल्कि एक वन-लाइनर आइडिया से हुई थी। 'शिद्दत' के बाद मैडॉक फिल्म्स की क्रिएटिव हेड शारदा कार्की ने मुझे लेखक सुमित घिल्डियाल के साथ तैयार की गई कहानी सुनाई, जिसमें मुझे अलग तरह की मानवीय कॉमेडी नजर आई। इसके बाद स्क्रिप्ट पर कई महीनों तक काम हुआ। कहानी को बार-बार लिखा गया ताकि हास्य परिस्थितियों से पैदा हो और भावनात्मक संतुलन भी बना रहे। वन-लाइनर सिर्फ दिशा देता है, असली फिल्म स्क्रीनप्ले में तैयार होती है।'

फिल्म पूरी तरह फैमिली ड्रामा, जिंदगी में का आए बदलावों के इर्द-गिर्द घूमती है कहानी

सोनाली का कहना है कि 'फिल्म की बाहरी परत देखकर निष्कर्ष नहीं निकालना चाहिए। किसी एडल्ट स्टार से मिलती-जुलती शक्ल कहानी की सिर्फ शुरुआती वजह है, जबकि पूरी फिल्म एक छोटे शहर की लड़की की जिंदगी में आए बदलावों और पारिवारिक रिश्तों के इर्द-गिर्द घूमती है।

किरदार को जीने पर रहा वाणी को पूरा जोर

बकौल सोनाली... 'फिल्म की शूटिंग शुरू होने से पहले वाणी ने करीब तीन महीने तक अपने किरदार पर काम किया। इस दौरान लगातार स्क्रिप्ट रीडिंग, वर्कशॉप और किरदार की मानसिकता, भाषा, बॉडी लैंग्वेज व व्यवहार पर विस्तार से चर्चा की गई। हमारा उद्देश्य वाणी से सिर्फ अभिनय कराना नहीं था, बल्कि उन्हें उस लड़की की दुनिया और व्यक्तित्व में पूरी तरह ढालना था, ताकि स्क्रीन पर उनका किरदार पूरी तरह स्वाभाविक लगे।'

ऋषिकेश भी फिल्म में सिर्फ लोकेशन नहीं, कहानी का अहम किरदार भी रही

सोनाली बताती हैं...' फिल्म के लिए ऋषिकेश का चयन केवल खूबसूरत लोकेशन की वजह से नहीं किया गया। धार्मिक माहौल, छोटे शहर की सामाजिक संरचना और पारिवारिक जीवन कहानी अहम हिस्सा हैं। शूटिंग ऋषिकेश के साथ हरिद्वार और देहरादून में भी हुई, लेकिन कहानी की आत्मा ऋषिकेश में ही बसती है।'

रिश्तों की केमिस्ट्री पर रखा है फोकस, दर्शकों के चेहरे पर मुस्कान लाने का है लक्ष्य

सोनाली ये भी कहती है कि 'फैमिली कॉमेडी में पंचलाइन से ज्यादा रिश्तों की केमिस्ट्री काम करती है। अगर फिल्म खत्म होने के बाद दर्शक मुस्कुराते हुए सिनेमाघर से बाहर निकलेंगे, तो वही 'सर्वगुण संपन्न' की सबसे बड़ी सफलता होगी।'

स्क्रिप्ट लॉक होने के बाद फिल्म से जुड़ी थीं वाणी, तोड़ी अपनी ग्लैमरस इमेज

सोनाली के अनुसार, 'स्क्रिप्ट के कई ड्राफ्ट पूरे होने के बाद ही वाणी को कहानी सुनाई गई। इस बार वाणी अपने अब तक के ग्लैमरस स्क्रीन इमेज से अलग ऋषिकेश की एक साधारण, चश्मा लगाने वाली और सलवार-कमीज पहनने वाली लड़की के किरदार में नजर आएंगी। कई बार सेट इमेज से निकलकर सामान्य किरदार निभाना भी चैलेंजिंग होता है।'

अमाल मलिक ने तनिष्क बागची को दी चेतावनी; लगाए ये संगीन आरोप

सिंगर-कंपोजर अमाल मलिक ने वे सोशल मीडिया पोस्ट हटा दिए हैं, जिनमें उन्होंने साथी म्यूजिक कंपोजर तनिष्क बागची पर कई आरोप लगाए थे। हालांकि, म्यूजिशियन ने अब साफ किया है कि वे अपनी कही बातों पर अब भी कायम हैं। अमाल ने तनिष्क बागची पर म्यूजिक की नकल करने और दूसरों के काम का श्रेय लेने का आरोप लगाया था। उन्होंने यह भी आरोप लगाया कि उन्हें महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस का नाम लेकर धमकाया जा रहा था। इसके अलावा, अमाल ने दावा किया कि तनिष्क ने एक महिला से शादी का वादा करने के बाद कथित तौर पर उसका भावनात्मक शोषण किया था।

सोच समझकर उठाया गया कदम एक्स पर शेयर किए गए

एक नए बयान में अमाल ने बताया कि पोस्ट हटाने का फैसला सिर्फ अपनी टाइमलाइन को साफ-सुथरा रखने के लिए था। उन्होंने कहा कि यह कदम साफ सोच के साथ उठाया गया था और वे अपनी बात पर कायम हैं कि उन्होंने जरूरी कदम उठा लिए हैं।

अपने रुख पर कायम हैं अमाल

हटाए गए पोस्ट को लेकर हो रही अटकलों पर प्रतिक्रिया देते हुए, अमाल ने साफ किया कि वे पहले लगाए गए आरोपों से पीछे नहीं हट रहे हैं। उन्होंने लिखा कि पोस्ट हटाना सिर्फ अपने सोशल मीडिया अकाउंट से कचरा हटाने का एक तरीका था न कि इस बात का संकेत कि उन्होंने अपना रुख बदल लिया है।

सिंगर ने इस बात पर भी बात की कि उन्होंने अभी क्यों आवाज उठाई। उन्होंने कहा कि आरोप सार्वजनिक करने का फैसला लेने से पहले वे वर्षों तक चुप रहे। उन्होंने लिखा, 'अपने गुस्से को दबाए रखने के लिए लगभग 10 साल तक बहुत सब्र करना पड़ा। आज एक दशक बाद, मुझे आवाज उठानी पड़ी, क्योंकि कोई भी सही चीज के लिए खड़ा नहीं होना चाहता।' उन्होंने म्यूजिक इंडस्ट्री के उन लोगों की आलोचना की जिन्हें उन्होंने घटिया लोग कहा।

पोस्ट हटाने के बाद भी, अमाल ने अपने ताजा बयान में तनिष्क बागची पर निशाना साधना जारी रखा। यह दावा करते हुए कि उन्होंने एक बहुत बुरे आदमी के बारे में सच सामने ला दिया है, अमाल ने कहा कि उन्हें यकीन है कि कर्म अपना असर दिखाएगा। उन्होंने तनिष्क को सीधे संबोधित करते हुए हिंदी में लिखा, 'बेटे, मुझसे तो औकात में ही रहना। जिंदगी भर के लिए ये चेतावनी दे रहा हूं।'। तनिष्क बागची ने इन दावों पर सार्वजनिक रूप से कोई प्रतिक्रिया नहीं दी है।

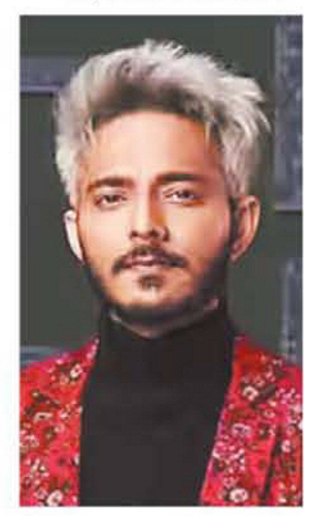

हैवान के स्टंट खुद कर रहे अक्षय

अक्षय कुमार की फिल्म 'हैवान' का 40 दिन का मुख्य शूटिंग शेड्यूल पूरा हो चुका है। तकनीकी टीम से मिली जानकारी के मुताबिक, अक्षय ने फिल्म के ज्यादातर हाई रिस्क एक्शन सीक्वेंस खुद किए हैं। फिल्म से जुड़े तकनीकी सूत्रों के मुताबिक, अक्षय आज भी अपने अधिकतर एक्शन सीक्वेंस बिना बॉडी डबल के शूट करना पसंद करते हैं। कई बार टीम उन्हें स्टंट डबल इस्तेमाल करने की सलाह देती है, लेकिन वह जोखिम भरे शॉट भी खुद करने पर जोर देते हैं। यही वजह है कि 'हैवान' में उनका एक्शन फिल्म की सबसे बड़ी यूएसपी माना जा रहा है।

सूत्रों के अनुसार, 'हैवान' का मुख्य शेड्यूल करीब 40 दिनों में पूरा किया गया। फिल्म की शूटिंग बड़े पैमाने पर केरल के घने जंगलों और प्राकृतिक लोकेशंस पर हुई है। जंगल आधारित कहानी के कारण फिल्म का विजुअल ट्रीटमेंट पारंपरिक एक्शन फिल्मों से अलग और अधिक भव्य नजर आएगा। हर बड़े एक्शन सीन से पहले कैमरा ब्लॉकिंग, फाइट डिजाइन, वायर सेटअप और सेफ्टी टेस्ट किए जाते हैं। अक्षय इन तैयारियों में सक्रिय रूप से हिस्सा लेते हैं।

'हैवान' में प्रैक्टिकल स्टंट पर जोर

'हैवान' का एक्शन इसकी सबसे बड़ी खासियत होगा। फॉरेस्ट टेरेन पर फिल्माए गए सीक्वेंस में प्राकृतिक बाधाओं को ही एक्शन डिजाइन का हिस्सा बनाया गया है। लॉन्ग-टेक फाइट्स, प्रैक्टिकल इफेक्ट्स और कम छ्त्नद्भ के जरिए फिल्म को अधिक रियलिस्टिक और तकनीकी रूप से अलग बनाने की कोशिश की गई है। ताकि परदे पर वास्तविक अनुभव मिल सके।

अनीस बज्मी की एक फिल्म भी केरल में ही शूट कर रहे अक्षय

हैवान के साथ ही अक्षय, निर्देशक अनीस बज्मी की नई फिल्म पर भी काम कर रहे हैं। इसका पहला शेड्यूल भी केरल में शूट हुआ है, लेकिन अब तक केवल 12 से 15 प्रतिशत शूटिंग ही पूरी हुई है। फिल्म फिलहाल रुकी हुई है और यह फैमिली कॉमेडी ड्रामा है। इसमें विद्या बालन और राशि खन्ना भी अहम भूमिकाओं में नजर आएंगी। इस बीच खबर है कि अक्षय फिलहाल छुट्टियों पर हैं और अगली शूटिंग का फैसला ब्रेक खत्म होने के बाद लिया जाएगा।

'भूल भुलैया' फ्रेंचाइज को लेकर एक बार फिर चर्चाओं का दौर तेज हो गया है। मेकर्स अब फिल्म के चौथे पार्ट की शुरुआती प्लानिंग में जुटे हैं। सबसे बड़ी चर्चा यह है कि फिल्म में अक्षय और कार्तिक आर्यन को साथ लाने की कोशिश की जा सकती है।

सलमान सर मौका नहीं देते तो फिल्मों में काम नहीं कर रही होती

टेलीविजन पर चाइल्ड आर्टिस्ट के रूप में करियर की शुरुआत करने वाली महिमा मकवाना का सफर कत्तई आसान नहीं रहा। सिंगल मदर की उंगली पकड़कर चॉल में संघर्षों में पली-बढ़ी महिमा आज टीवी, ओटीटी और फिल्मों तीनों माध्यमों पर काम कर रही हैं।

सलमान खान की 'अंतिम' में हीरोइन के रूप में चुने जाने ने उनके जीवन की धारा मोड़ कर रख दी। वह कहती हैं, 'अपनी पूरी जर्नी का मैं दिल से सम्मान करती हूं। मैं लोगों से सिर्फ इतना कहना चाहूंगी कि अगर मैं कर सकती हूं, तो कोई भी कर सकता है। बस मेहनत करते रहिए, हार मत मानिए। किस्मत में जो होगा, वह मिलेगा, लेकिन हमें कोशिश करना कभी नहीं छोड़ना चाहिए।'

मेरे पेट डॉग परिंदा ने प्यार के मायने समझाए

प्यार-रोमांस को लेकर वह फलसफे के अंदाज में कहती हैं, 'मैं मानती हूं कि प्यार हमारी जिंदगी में ऑक्सीजन का काम करता है, मगर मैं अपनी बात करूं, तो इस समय मेरी जिंदगी में सेल्फ इम्प्रूवमेंट और मेरा करियर मेरी सबसे बड़ी प्राथमिकताएं हैं। प्यार बहुत खूबसूरत चीज है, लेकिन हम सब अपनी-अपनी प्राथमिकताओं के हिसाब से फैसले लेते हैं। कुछ लोग हमारी जिंदगी में आते हैं, कुछ चले जाते हैं। लेकिन आज मेरे आसपास बहुत अच्छे दोस्त हैं, मेरा परिवार है, इसलिए मैं अपने आपको पूरी तरह कंप्लीट महसूस करती हूं। परिंदा नामक मेरे पेट डॉग ने मुझे प्यार के असली मायने समझाए।

अपने जीवन और करियर में अपनी मां के योगदान को अहमियत देते हुए वह कहती हैं, 'मां-बाप का कर्ज कभी चुकाया नहीं जा सकता। वो हमें दुनिया में लाई हैं, उससे बड़ा कोई उपहार नहीं हो सकता। लेकिन जब मैंने कमाना शुरू किया, तब मैंने मां से कहा कि अब आपको काम करने की जरूरत नहीं है। आज मेरी सबसे बड़ी कोशिश यही रहती है कि उन्हें एक आरामदायक और सुकून भरी जिंदगी दूं। लोग सोचते हैं कि शायद मैंने उन्हें कोई बड़ी गाड़ी दी होगी, बड़े-बड़े गिफ्ट दिए होंगे या छुट्टियों पर भेजा होगा। लेकिन सच कहूं तो उन्हें इन चीजों की जरूरत ही नहीं है। वो जहां हैं, जैसे हैं, बहुत खुश हैं। मैं बस यही चाहती हूं कि वह हमेशा खुश रहें, चैन से रहें और उन्हें वो जिंदगी मिले, जिसकी वह हकदार हैं।'

सलमान खान हमेशा गाइडिंग लाइट लाइट रहेंगे

सलमान खान की 'अंतिम' में दबंग खान के साथ काम करने को महिमा अपने करियर का टर्निंग पॉइंट मानती हैं। वह कहती हैं, 'मेरे लिए 'अंतिम' बहुत बड़ा टर्निंग पॉइंट थी। टीवी से फिल्मों तक का सफर मुझे उसी फिल्म की वजह से मिला। अगर सलमान सर ने मुझमें वह क्षमता नहीं देखी होती और मुझे मौका नहीं दिया होता तो शायद आज मैं फिल्मों में काम ही नहीं कर रही होती। मेरी पूरी ट्रैजेक्टरी 'अंतिम' ने बदल दी। मैं उन अवसरों के लिए शुक्रगुजार हूं, जो मुझे मिले। आज मैं 'शोटाइम' और 'मुसाफिर कैफे' जैसे प्रोजेक्ट कर रही हूं। सलमान सर हमेशा मेरे लिए एक गाइडिंग लाइट रहेंगे। उन्होंने मुझे मेरी पहली फिल्म का मौका दिया और मुझ पर भरोसा किया। उसके बाद की जर्नी मेरी अपनी है।

विक्रांत मैसी के साथ चाइल्ड आर्टिस्ट थी, अब हीरोइन हूं

आज महिमा मकवाना भले विक्रांत मैसी के साथ 'मुसाफिर कैफे' में हीरोइन बन कर आ रही हैं, मगर एक समय वे उनके साथ चाइल्ड आर्टिस्ट के रूप में काम कर चुकी हैं। वह कहती हैं, 'मैंने अपने करियर की शुरुआत में करीब पंद्रह साल पहले विक्रांत के साथ काम किया था। 'बालिका वधू' के समय मैं उनसे पहली बार मिली थी। मुझे याद है कि मैं उनके पास फोटो खिंचवाने गई थी और उन्होंने मेरे साथ तस्वीर खिंचवाई थी। आज इतने साल बाद हम दोनों एक-दूसरे के अपोजिट पूरा शो कर रहे हैं। यह अपने आप में बहुत खास एहसास है। विक्रांत बहुत ही स्वीटहार्ट इंसान हैं। वह शानदार अभिनेता हैं, लेकिन उससे भी बढ़कर वह बहुत अच्छे इंसान हैं। उनके साथ काम करके सबसे बड़ी सीख मुझे उनका अनुशासन मिला। अपने क्राफ्ट को लेकर उनकी गंभीरता मेरे लिए सबसे बड़ा उदाहरण है। विक्रांत में आज भी उतनी ही विनम्रता है। उनके साथ काम करने और अपने रोल को लेकर बहुत उत्साहित हूं। एक कैफे ओनर, जो एक रोमांटिक लड़की भी है, का रोल मैंने मैनिफेस्ट किया था और मुझे वो करने का मौका मिला।'

मोहम्मद जोशी के लिय टाइम्स मास कम्युनिकेशन प्राइवेट लिमिटेड द्वारा पंजीकृत कार्यालय जे 85 सीमापुरी, दिल्ली से प्रकाशित इंकलाब भारत प्रेस जे एण्ड के दिलशाद गार्डन दिल्ली से मुद्रित संपादकीय कार्यालय समाचार भवन एफ-126 शाहिद नगर, चिकम्बरपुर, साहिबाबाद, गाजियाबाद, उत्तर प्रदेश-201006 ईमेल : shabdwanisamchaarw2003gmail.com www. shabdawanisamachar.page संपादक मोहम्मद जोशी ,सलाहकार संपादक : अशोक लालवानी

refresh™
MATTRESS
SLEEP HEALTHY. Wake beautiful.
HDFC BANK
We understand your world
Mega Exchange Offer
Limited time only
Zero Down Payment &
EMI Available on Selected Models
• Get Value upto ₹12000/- for Old Mattress
• Assured Gifts upto ₹12448/-
• Total Exchange Benifits ₹24448/-
BLOSSOM
refresh
Premium
PRISTINE
PRISTINE
PRISTINE
PRISTINE
Offer available on
1pc of 72" x 60" or 2pcs of 72" x 30"
and above
Hurry !!! Rush to your nearest dealer
Customer care no. : 18001209630